# हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी


*टीम हरिभूमि ने अलग-अलग मेडिकल स्टोर्स में जाकर कफ सिरप मांगा कहीं बिना पर्ची इंकार कहीं निकालकर थमा दिया*

# क्योंकि हम कानून मानते ही नहीं... हरिभूमि' के रियलिटी चेक में खुल गई पोल, बिना पर्ची के दर्जनों जगह मिली कफ सिरप

रायपुर-ललित राठोड़/ जगदलपुर- महेंद्र विश्वकर्मा/धमतरी-उमेश सिंह बशिष्ट/नवापारा-श्याम किशोर शर्मा/बलोदाबाजार-धनेश्वर प्रसाद/राजनांदगांव-हफीज खान/भिलाई-सुवांकर राय/ राजिम और कोपरा से विशेष रिपोर्ट

हरिभूमि लाइव

कानून और नियमों का पालन किस तरह किया जाता है, इसकी पड़ताल हरिभूमि ने की। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बिना डॉक्टर की पर्ची (प्रिस्क्रिप्शन) के कफ सिरप बेचने पर कड़ा प्रतिबंध लगाया गया है। टीम हरिभूमि ने छत्तीसगढ़ के करीब दर्जनभर संवेदनशील और प्रमुख इलाकों में रियलिटी चेक किया। परिणाम चौंकाने वाला था। खुलासा हुआ है कि कई जगहों पर बिना किसी ▶▶|शेष पेज 7 पर

## बिना पर्ची सिरप बेचना अब अपराध

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी नए गजट नोटिफिकेशन के बाद अब बिना डॉक्टर की पर्ची के कफ सिरप बेचना पूरी तरह गैरकानूनी हो गया है। सरकार ने ड्रग्स रूल्स 1945 के 'शेड्यूल के ' में बड़ा संशोधन करते हुए इसमें से 'सिरप' शब्द को हमेशा के लिए हटा दिया है। पहले इस शेड्यूल के तहत मेडिकल स्टोर्स को सीरप की बिक्री में जो कानूनी ▶▶|शेष पेज 7 पर

नवापारा

जगदलपुर

राजिम

धमतरी

सुपेला भिलाई

बलौदाबाजार

राजनांदगांव

कोपरा

रायपुर

## रायपुर के कई मेडिकल स्टोर पर बिना पर्ची मिली दवा

*रायपुर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में सर्दी, खांसी तथा प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाले सिरप बिना डॉक्टर की पर्ची के मेडिकल स्टोर से बेचे जा रहे हैं। हरिभूमि की पड़ताल में सामने आया कि कई मेडिकल स्टोर पर दवा बेचने वाले लोगों को भी सरकार के इस निर्देश की जानकारी नहीं है।* ▶▶|शेष पेज 7 पर

### केस-1, कमल विहार सेक्टर-5

- हरिभूमिः बच्चे के लिए सिरप चाहिए, मिल जाएगा?
- कैमिस्टः कितने साल का बच्चा है?
- हरिभूमिः 12 साल का है। कोई अच्छा सिरप दे दीजिए।
- कैमिस्टः यह कॉफक्लिअर ऑरेंज सिरप है, दिन में दो बार देना है।
- हरिभूमिः मैं बिना डॉक्टर की पर्ची और सलाह के ले रहा हूं, कोई दिक्कत तो नहीं है?
- कैमिस्टः कोई दिक्कत नहीं है।

### केस-2, सेजबहार

- हरिभूमिः बुखार न आए इसके लिए शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए सिरप चाहिए।
- कैमिस्टः किसके लिए है? उम्र कितनी है?
- हरिभूमिः 24 साल के लिए है। डॉक्टर की पर्ची नहीं है, कोई अच्छा वाला दे दीजिए।
- कैमिस्टः यह 180 का इम्यूनिटी बूस्टर सिरप है। इसे सुबह दिन में एक बार लेना है।


सोने का सच्चा भाव

आनंद का सच्चा भाव

| | |
|---|---|
| 18 कैरेट रेट (75.00%) | ₹107997/- |
| 22 कैरेट रेट (91.60%) | ₹131900/- |
| 24 कैरेट रेट (99.99%) | ₹143982/- |

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra

*Conditions apply

ANAND Jewels Pandri, Raipur


## 21 दिन की भूख हड़ताल, साढ़े नौ किलो घट गया वजन

# चादर लेकर पहुंचे पुलिसकर्मी और वांगचुक को ले गए अस्पताल

**कई विपक्षी नेता और फिल्म अभिनेताओं ने की मुलाकात**

सोनम वांगचुक को दिल्ली पुलिस शनिवार सुबह दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल ले गई। पुलिस सफेद चादरें लेकर जंतर-मंतर पहुंची और वांगचुक को ले जाते हुए चादरों से घेर लिया। 21 दिनों में उनका वजन 9.5 किलो घटा। इस दौरान कई विपक्षी नेता और फिल्म एक्टर उनसे मिलने पहुंचे। इस बीच, वांगचुक की पत्नी ने अस्पताल की जांच रिपोर्ट पर सवाल उठाए हैं।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

जंतर-मंतर पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल कर रहे सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को शनिवार को उनके अनशन के 21वें दिन तबीयत बिगड़ने के बाद सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया। दिल्ली पुलिस ने कहा कि चिकित्सकीय सलाह और उच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप वांगचुक को अस्पताल ले जाया गया है। नई दिल्ली के पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने कहा कि स्वास्थ्य बिगड़ने के बाद दिल्ली उच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप सोनम वांगचुक को अस्पताल में ▶▶|शेष पेज 7 पर

### वांगचुक को डिहाइड्रेशन

*अस्पताल प्रशासन ने बुलेटिन जारी करके बताया कि वांगचुक को डिहाइड्रेशन हुआ है। रिपोर्ट में बताया गया कि वांगचुक के शरीर पोटैशियम का लेवल घट गया है। यूरिन कीटोन बढ़कर 3 प्लस हो गया। हालांकि, वांगचुक के डॉक्टर नितिन दीघे ने कहा- अस्पताल में गृह मंत्रालय का अधिकारी मौजूद होने के कारण हमारी टीम को वांगचुक से मिलने नहीं दिया गया।*

### हाईकोर्ट कर रहा स्थिति की निगरानी

*चिकित्सकों ने शुक्रवार को बताया था कि भूख हड़ताल शुरू होने के बाद से वांगचुक का वजन लगभग 9.5 किलोग्राम घट गया है, जबकि उनके रक्तचाप और रक्त शर्करा के स्तर पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। दिल्ली हाईकोर्ट वांगचुक की चिकित्सकीय स्थिति की निगरानी कर रहा है। उसने निर्देश दिया है कि उनके स्वास्थ्य की नियमित जांच की जाए तथा आवश्यकता पड़ने पर उन्हें उचित चिकित्सकीय उपचार उपलब्ध कराया जाए।*

### किसने क्या कहा

- भारत के पूर्व प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति के.जी. बालकृष्णन ने कहा- उन्हें अस्पताल ले जाया गया है, उनकी जान बचनी चाहिए।
- कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा, सोनम वांगचुक को जंतर-मंतर से हटाना गलत है, खासतौर पर तब जब वे अहिंसक भूख हड़ताल पर थे। मोदी सरकार के मूल सिद्धांत असत्य और हिंसा हैं।
- अन्ना हजारे ने कहा, वांगचुक 20 दिन तक अनशन पर रहे हैं, इसलिए सरकार को उनके सब्र का इम्तिहान नहीं लेना चाहिए। सरकार उनकी मांगें माने या न माने, लेकिन बातचीत जरूर करे।

## जय के निवास पहुंचे वीरू

*भिलाई। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निवास स्थान पर पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव पहुंचे। उन्होंने श्री बघेल के बेटे चैतन्य (बिट्टू) को जन्मदिन की बधाई दी। पूर्व सीएम ने सोशल मीडिया पर लिखा, आज बेटे चैतन्य (बिट्टू) का जन्मदिन है। भिलाई निवास पर बधाई देने टी. एस सिंहदेव और कांग्रेस के साथियों का आगमन हुआ। एक अग्रज की तरह बाबा साहब का स्नेह सदैव परिवार को मिलता रहा है। हम सबको अच्छा लगा। सभी साथियों का आभार।*

## खबर संक्षेप

### मानसून सत्र से पहले आज सर्वदलीय बैठक

**नई दिल्ली।** 20 जुलाई को संसद के मानसून सत्र शुरू होने से

पहले सरकार ने रविवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। बैठक में सरकार सभी राजनीतिक दलों से संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही सुचारू रूप से चलाने में सहयोग की अपील करेगी। संसद का मानसून सत्र सोमवार से शुरू होकर 13 अगस्त तक चलेगा।

### पटाखा फैक्ट्री में धमाका आठ की मौत, 15 गंभीर

**अहमदाबाद।** गुजरात के अहमदाबाद में शनिवार को एक पटाखा फैक्टरी में भीषण आग लग गई। इस घटना में आठ लोगों की मौत की हो गई है, जबकि 15 लोग घायल बताए जा रहे हैं। वहीं, मौके पर दमकल की कई गाड़ियां आग बुझाने में जुटी हैं। जानकारी के मुताबिक, अहमदाबाद में मेहमदपुरा स्थित टैलेंट पटाखा फैक्टरी में आग लगी, इसके बाद फैक्टरी में रखे विस्फोटक से धमाके होने लगे, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

### पूर्व पीएम देवगौड़ा की पत्नी का निधन

**बेंगलुरु।** पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा की पत्नी चेन्नम्मा का शनिवार को बेंगलुरु के मणिपाल

अस्पताल में निधन हो गया। शनिवार शाम करीब 4 बजे उन्हें अचानक गंभीर कार्डियक अरेस्ट आया। चेन्नम्मा को सांस लेने में दिक्कत होने की शिकायत के बाद इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

## चार दिन पहले ही राशन जमा किया, मिठाई में जहर मिलाकर खत्म कर दिया परिवार

# पांच लोगों की सामूहिक खुदकुशी मामले की जांच के लिए एसआईटी

***पांच भाईयों में सबसे बड़ा था सैयद, परिवार से थी दूरी वसूली के दबाव की भी जांच***

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि फॉलोअप

रायपुर के टिकरापारा थाना क्षेत्र के संजय नगर में शुक्रवार की रात बैटरी कारोबारी सय्यद शाहिद उर्फ सज्जू ने पत्नी और तीन बच्चों के साथ आत्महत्या की थी। पांचों के शवों को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया। इधर, शनिवार को सामूहिक खुदकुशी मामले की जांच के लिए 8 सदस्यीय एसआईटी का गठन किया गया है। इसका नेतृत्व पुरानी बस्ती के एसीपी करेंगे। इस टीम में एक टीआई, एक महिला एसआई, एक एएसआई, एक हेड कांस्टेबल एवं 3 सिपाही कुल 8 सदस्य होंगे। एसआईटी मामले से जुड़े सभी ▶▶|शेष पेज 7 पर

*खड़ी वाली बड़ी बेटी शाइना परवीन, बीच में बैठी वाली उसकी मां राबिया बेगम और मां की गोदी में बैठी छोटी बेटी सबा परवीन*

*इरशाद अली*

*सय्यद शाहिद*

### रसगुल्ला में जहर ...?

घटना स्थल के पास से पुलिस ने सभी खाने-पीने का सामान जब्त कर जांच करने फोरेंसिंक लैब भेज दी है। अभी तक माना जा रहा है कि सैयद ने पहले पूरे परिवार को रसगुल्ले में जहर मिलाकर दिया। उनकी मौत के बाद फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। घटना के दूसरे दिन जांच करने के लिए पुलिस तथा फोरेंसिंक एक्सपर्ट की टीम मौके पर दोबारा पहुंची।

### एक माह का राशन जमा किया था

पुलिस को जानकारी मिली है कि घटना के चार दिन पूर्व मृतक सैयद शाहिद ने घर के लिए एक माह का राशन जमा किया था। आनन-फानन में पूरे परिवार के खुदकुशी करने की घटना को लेकर पुलिस हैरान है। पुलिस मृतकों की मोबाइल जब्त कर जांच कर रही है। घटना के 15 दिन तक मृतकों का किन-किन लोगों के साथ क्या बात हुई है। पुलिस इस बारे में जानकारी जुटा रही है। मकान मालिक ने पुलिस को बताया है कि मृतक उन्हें हर माह समय पर किराया दे देता था। मकान मालिक भी घटना को लेकर हैरान है। सैयद शाहिद अली के बेटे इरशाद के दोस्त मोहम्मद शाहिद के अनुसार एक दिन पूर्व की रात वो इरशाद के साथ था। मृतक युवक के दोस्त के अनुसार इरशाद को उसके पापा ने बाहर से खाने के लिए कुछ लाने की बात कह घर जल्दी आने के लिए कहा। इस पर शाहिद अपने दोस्त को छोड़ने उनके घर तक गया।

## 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में आर्टिकल 370' सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म

# 'श्रीकांत' बेस्ट हिंदी फिल्म, यामी सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

खास खबर

आदित्य धर की फिल्म आर्टिकल 370 को शनिवार को 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में वर्ष 2024 की सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का पुरस्कार मिला। वहीं, फिल्म 'श्रीकांत' को सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म का पुरस्कार मिला और यामी गौतम को लीडिंग रोल में बेस्ट एक्ट्रेस का पुरस्कार दिया गया। वहीं, 'ब्रमायुगम' के लिए ममूटी और 'चंदू चैंपियन' के लिए कार्तिक आर्यन को संयुक्त रूप से लीडिंग रोल में बेस्ट एक्टर का पुरस्कार दिया गया। घोषित विजेताओं में तमिल फिल्म 'रायन' को सर्वश्रेष्ठ तमिल फिल्म, 'कमेटी कुर्रोल्लू' को सर्वश्रेष्ठ तेलुगु फिल्म, 'लाहरी' को सर्वश्रेष्ठ ओड़िया फिल्म, 'मुक्काम पोस्ट बॉम्बिलवाड़ी' को सर्वश्रेष्ठ मराठी फिल्म और 'सुनीता' को सर्वश्रेष्ठ मणिपुरी फिल्म का पुरस्कार मिला। 'कैप्टन मिलर' और 'मेय्याझगन' को स्पेशल मेंशन से सम्मानित किया गया। पुरस्कारों की घोषणा करते हुए, केंद्रीय जूरी के अध्यक्ष जयराज ▶▶|शेष पेज 7 पर

### बेस्ट एक्टर

सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार हिंदी में कार्तिक आर्यन की झोली में आया है। कार्तिक को 'चंदू चैंपियन' के लिए यह अवॉर्ड मिला है। इसके अलावा ममूटी को भी फिल्म 'ब्रमायुगम ' (मलयालम) के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का अवॉर्ड मिला है।

### बेस्ट म्यूजिक डायरेक्टर

*फीचर फिल्म्स की श्रेणी में बेस्ट म्यूजिक डायरेक्शन का अवॉर्ड 'अमरण' (तमिल) के लिए म्यूजिक डायरेक्टर जी वी प्रकाश कुमार को मिला है। हिंदी में फीचर फिल्म्स की श्रेणी में बेस्ट म्यूजिक डायरेक्टर का अवॉर्ड 'आर्टिकल 370' के लिए शाश्वत सचदेव को मिला है।*

# सेकमोल, आइस स्तूप जैसे कई इनोवेशन से बना दिया 'पहाड़ों' में जीवन आसान

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

*सोशल एक्टिविस्ट और इंजीनियर सोनम वांगचुक एक बार फिर चर्चा के केंद्र में हैं। नीट परीक्षा में अनियमितताओं के विरोध में चल रही उनकी भूख हड़ताल के बीच शनिवार तड़के उन्हें जंतर-मंतर से सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया है। लेकिन आंदोलनों से अलग सोनम वांगचुक की एक और पहचान है, जिसने उन्हें भारत ही नहीं, दुनिया के कई हिस्सों में पहचान दिलाई। वह इंजीनियर, शिक्षा सुधारक और इनोवेटर के तौर पर लंबे समय से हिमालयी क्षेत्रों की समस्याओं का समाधान खोजने में जुटे रहे हैं।*

### सेकमोल कैंपस सीखने का अनोखा मॉडल

लद्दाख में जन्मे वांगचुक ने साल 1988 में स्टूडेंट्स एजुकेशनल एंड कल्चरल मूवमेंट ऑफ लद्दाख यानी सेकमोल की सह-स्थापना की थी। सेकमोल का मॉडल केवल किताबों और क्लासरूम तक सीमित नहीं है। यहां छात्रों को रोजमर्रा की वास्तविक समस्याओं से जुड़कर सीखने का मौका मिलता है। वे टिकाऊ इमारतों, रिन्यूएबल एनर्जी और स्थानीय जरूरतों के मुताबिक तैयार किए गए समाधानों पर काम करते हैं। इस तरह कैंपस खुद एक प्रयोगशाला की तरह काम करता है, जहां पढ़ाई के साथ व्यावहारिक अनुभव पर जोर दिया जाता है। इस मॉडल में छात्रों को केवल परीक्षा पास करने के लिए तैयार करने के बजाय समस्या पहचानने और उसका समाधान तलाशने की प्रक्रिया से जोड़ा जाता है। यही वजह है कि सेकमोल को सोनम वांगचुक के शिक्षा से जुड़े सबसे चर्चित प्रयोगों में गिना जाता है।

**आंदोलन के चलते चर्चा में सोनम वांगचुक ने साइंस से बदल दिया समाज**

**भारत ही नहीं दुनिया के कई हिस्सों में सराहे गए हैं 'प्रयोग'**

**पहाड़ों की जरूरत के मुताबिक उच्च शिक्षा :** साल 2016 में शुरू हुआ हिमालयन इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव्स, लद्दाख यानी एचआईएएल भी सोनम की प्रमुख पहलों में शामिल है। इसके पीछे विचार ऐसी उच्च शिक्षा व्यवस्था तैयार करना था, जो हिमालयी और पर्वतीय क्षेत्रों की वास्तविक जरूरतों से जुड़ी हो। यहां इंजीनियरिंग, पर्यावरण, टिकाऊ विकास और व्यावहारिक शिक्षा को एक साथ जोड़ने की कोशिश की गई।

### बर्फ से बना दिया पानी का 'बैंक'

वांगचुक के सबसे चर्चित इनोवेशन में 'आइस स्तूप' है जो लद्दाख जैसे ऊंचाई वाले इलाकों में खेती के समय पानी की कमी बड़ी समस्या से निबटने में मददगार साबित हुआ। सर्दियों के दौरान पानी को शंकु के आकार में जमा कर बर्फ का विशाल ढांचा तैयार किया जाता है। मौसम गर्म होने पर यह बर्फ धीरे-धीरे पिघलती है और जरूरत के समय पानी उपलब्ध कराने में मदद करती है। खास बात यह है कि इस व्यवस्था को चलाने के लिए बिजली पर निर्भरता नहीं होती।

### कड़ाके की ठंड में बिना महंगे हीटर के गर्म घर

लद्दाख में में घरों को गर्म रखना आसान नहीं होता और इसके लिए बड़ी मात्रा में ईंधन और ऊर्जा की जरूरत पड़ सकती है। वांगचुक और सेकमोल से जुड़े छात्रों ने इस समस्या पर भी काम किया। स्थानीय मिट्टी और आसानी से उपलब्ध सामग्री की मदद से ऐसी इमारतों के डिजाइन पर काम किया गया, जो सूरज से मिलने वाली गर्मी का बेहतर इस्तेमाल कर सकें। पैसिव सोलर तकनीक पर आधारित इन इमारतों का मकसद बेहद ठंडे मौसम में पारंपरिक हीटिंग सिस्टम पर निर्भरता कम करना है।

### ऑपरेशन न्यू होप

वांगचुक का काम केवल तकनीकी आविष्कारों तक सीमित नहीं रहा. ऑपरेशन न्यू होप उनकी प्रमुख शिक्षा सुधार पहलों में से एक है। इसका उद्देश्य लद्दाख की सरकारी शिक्षा व्यवस्था में समुदाय की भागीदारी बढ़ाने के साथ शिक्षकों के प्रशिक्षण और स्थानीय परिस्थितियों के मुताबिक पढ़ाई को बढ़ावा देना था। इस पहल के जरिए स्कूल, शिक्षक, अभिभावक और स्थानीय समुदाय को शिक्षा व्यवस्था में ज्यादा सक्रिय रूप से जोड़ने की कोशिश की गई।

### इनोवेशन की खासियत

वांगचुक के काम में एक बात बार-बार दिखाई देती है-बड़ी समस्याओं के लिए स्थानीय संसाधनों से सरल और कम खर्च वाले समाधान तलाशना। चाहे पहाड़ों में पानी बचाने के लिए आइस स्तूप हो, ठंड से निपटने के लिए पैसिव सोलर इमारतें या फिर छात्रों को व्यावहारिक शिक्षा से जोड़ने का मॉडल, उनकी कोशिशें लद्दाख की भौगोलिक और सामाजिक परिस्थितियों के इर्द-गिर्द विकसित हुई हैं।

## खबर संक्षेप

### लॉरेंस गैंग ने दी आमिर को धमकी!

**मुंबई।** बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान को मिली धमकियों के बाद अब आमिर खान भी लॉरेंस बिश्नोई गैंग के निशाने पर आ गए हैं। खुद को उनके गिरोह का सदस्य बताने वाले आरजू बिश्नोई और टायसन बिश्नोई ने एक सोशल मीडिया पोस्ट और ऑडियो क्लिप के जरिए अभिनेता को जान से मारने की गंभीर धमकी दी है। बता दें कि इस गैंग ने आरोप लगाया है कि खान और अन्य लोग देश में लव जिहाद को बढ़ावा दे रहे हैं और इसे उनकी संस्कृति पर सीधा हमला बताया है। पोस्ट में लिखा गया कि ऐसे कृत्यों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और त्वरित प्रतिशोध का वादा किया गया।

### तमिलनाडु : 7.5 लाख का मिलेगा एजुकेशन लोन बिना गारंटी

**चेन्नई।** तमिलनाडु सरकार ने उच्च शिक्षा हासिल करने वाले छात्रों के लिए एजुकेशन लोन की सुविधा को और मजबूत करने का फैसला किया है। राज्य के उच्च शिक्षा मंत्री के. विश्वनाथन ने कहा कि सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आर्थिक संसाधनों की कमी के कारण कोई भी छात्र उच्च शिक्षा से वंचित न रहे। राज्य सरकार शिक्षा ऋण की उपलब्धता का दायरा लगातार बढ़ा रही है । मुख्यमंत्री जोसेफ विजय के नेतृत्व में सरकार ने ऐसा व्यापक ढांचा तैयार किया है जिसके तहत छात्रों को 7.5 लाख रुपये तक बिना किसी कॉलेट्रल या गारंटी के शिक्षा ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है।

### ऑपरेशन सिंदूर के बाद एलओसी पर पहली बार हुई ताबड़तोड़ फायरिंग

**नई दिल्ली।** ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तानी सेना ने पहली बार एलओसी पर भारी गोलीबारी की, जिसका भारतीय सेना ने मुंहतोड़ जवाब दिया है। शुक्रवार रात करीब 11 बजे जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले के तरकुंडी सेक्टर में एलओसी पर सीमा पार से फायरिंग हुई। गोलीबारी होते ही भारतीय सेना के जवानों ने जवाबी फायरिंग की। पहले भारतीय सेना ने पाक सेना की हरकत को उकसावे की कार्रवाई समझा. लेकिन जब भारी गोलीबारी होने लगी तो भारतीय सेना ने भी पलटवार करते हुए फायरिंग की। इसके बाद देररात रुक-रुक कर पाक सेना गोलीबारी करती रही, भारत जवाब देता रहा।

## अमेरिका ने किया लगातार सातवीं रात ईरान पर हमला

# होर्मुज के माइनफील्ड में घुसे 2 ऑयल टैंकर, भीषण धमाके के बाद लगी आग

एजेंसी ▶▶| दुबई

मिडिल ईस्ट से इस वक्त अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा को हिला देने वाली खबर सामने आ रही है। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने शनिवार को दावा किया है कि दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल परिवहन मार्ग, होर्मुज स्ट्रेट के दक्षिणी हिस्से में एक माइनफील्ड में प्रवेश करने के बाद दो बड़े तेल टैंकरों में भीषण धमाके हुए और वे आग की लपटों में घिर गए।

ईरान के सरकारी मीडिया द्वारा प्रसारित इस खबर के बाद वैश्विक तेल बाजार और रणनीतिक हलकों में हड़कंप मच गया है। आईआरजीसी नेवी ने इस घटना के तुरंत बाद चेतावनी जारी करते हुए इस बेहद महत्वपूर्ण जलमार्ग को पूरी तरह असुरक्षित घोषित कर दिया है और इसे व्यावहारिक रूप से बंद करने का ऐलान कर दिया है।

**अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा के नजरिये से चिंताजनक खबर, कई देशों ने जताई चिंता**

**आईआरजीसी ने इस बेहद महत्वपूर्ण जलमार्ग को घोषित किया असुरक्षित**

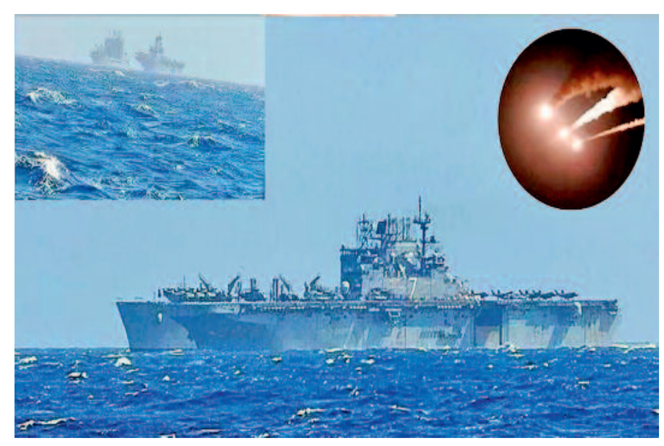

### अमेरिकी इंटेलिजेंस ने जहाजों को किया गुमराह

ईरानी सेना ने इस पूरी घटना का ठीकरा सीधे तौर पर अमेरिका पर फोड़ा है। आईआरजीसी ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि अमेरिकी खुफिया एजेंसियों की धोखाधड़ी और उकसावे के कारण दोनों ऑयल टैंकरों ने दक्षिणी होर्मुज स्ट्रेट में बिछाई गई बारूदी सुरंगों के रास्ते से गुजरने की कोशिश की। जहाजों ने माइन वाले संवेदनशील क्षेत्र में प्रवेश करने से पहले ईरानी नौसेना की ओर से दी गई कड़े इनपुट और चेतावनियों को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया, जिसका नतीजा इस भयानक विस्फोट और आग के रूप में सामने आया है। हालांकि, ईरानी मीडिया और सेना के इन दावों की अभी तक किसी भी अंतरराष्ट्रीय समुद्री प्राधिकरण या उन देशों द्वारा स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की जा सकी है, जिनके ये जहाज थे।

### अब तेल या गैस की एक बूंद भी नहीं निकलने देंगे

ये घटना ऐसे समय में हुई है जब अमेरिका और ईरान के बीच सैन्य तनाव अपने चरम पर पहुंच चुका है। आईआरजीसी ने बेहद कड़े शब्दों में अमेरिका को चेतावनी देते हुए कहा है कि जब तक ईरान के खिलाफ अमेरिकी सेना के ऑपरेशन और अपराध पूरी तरह खत्म नहीं हो जाते, तब तक होर्मुज स्ट्रेट पूरी तरह से सील रहेगा।

### यूएस अटैक में अब तक 38 की मौत

ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने आंकड़ा जारी करते हुए बताया कि देश के कई प्रांतों में अमेरिकी सेना द्वारा किए गए ताबड़तोड़ हमलों में कम से कम 38 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 400 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हैं। ताजा जानकारी के अनुसार, अमेरिका के ताजा हमले में 3 और लोगों की मौत हो गई है।

### जॉर्डन पर हमले में कई अमेरिकी सैनिक जख्मी

अमेरिका और ईरान ने शुक्रवार रात एक-दूसरे के बुनियादी ढांचे और सैन्य ठिकानों पर हमले किए। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने शनिवार तड़के बताया कि लगातार सातवीं रात किए गए हमलों में निगरानी साइट, मिलिट्री लॉजिस्टिक, अंडरग्राउंड आर्म्स स्टोरेज फैसिलिटी को निशाना बनाया गया। हालांकि ईरान के जवाबी हमले में कई अमेरिकी सैनिक जख्मी हुए हैं। इस हफ़्ते ईरान ने जॉर्डन में कम से कम दो सैन्य ठिकानों पर हमला किया जिसमें कई अमेरिकी सैनिक घायल हो गए।

### बहरीन, कुवैत और सीरिया पर दागीं मिसाइलें

जहां एक तरफ वाशिंगटन का दावा है कि उनके इस ऑपरेशन का मकसद केवल ईरानी सैन्य क्षमताओं, एयर डिफेंस साइट्स और कोस्टल सर्विलांस सिस्टम को कमजोर करना था, वहीं इस भीषण तबाही के बाद ईरान ने भी अमेरिका के खिलाफ ओपन वॉर का ऐलान कर दिया है। ईरानी सेना ने अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर भीषण जवाबी हमले शुरू कर दिए हैं। ईरान के मुताबिक, बहरीन, कुवैत, सीरिया और ओमान में स्थित अमेरिकी मिलिट्री बेस को निशाना बनाकर मिसाइलें दागी गई हैं।

# इन्वेस्टमेंट फ्रेंडलीनेस इंडेक्स में छत्तीसगढ़ देश के बड़े राज्यों में नंबर-1

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

क्रिसिल-नीति आयोग के इन्वेस्टमेंट फ्रेंडलीनेस इंडेक्स (आईएफआई) 2026 में छत्तीसगढ़ ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। राज्य ने निवेशकों के भरोसे से जुड़े दो सबसे महत्वपूर्ण मानकों नियमों में आसानी और संस्थागत माहौल में देश के बड़े राज्यों में पहला स्थान प्राप्त किया है। वहीं पर्यावरणीय लचीलापन के मानक में छत्तीसगढ़ दूसरे स्थान पर रहा है। कुल 47.5 अंकों के साथ राज्य 17 बड़े राज्यों में 9वें स्थान पर रहा।

यह उपलब्धि राज्य में सुशासन, पारदर्शी प्रशासन और निवेशक-अनुकूल नीतियों की प्रभावशीलता को दर्शाती है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में लागू किए गए सुधारों का सकारात्मक प्रभाव अब राष्ट्रीय स्तर पर भी दिखाई दे रहा है।

### अनुकूल वातावरण पर देश की मुहर : साय

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि क्रिसिल-नीति आयोग इन्वेस्टमेंट फ्रेंडलीनेस इंडेक्स-2026 में छत्तीसगढ़ का प्रदर्शन हमारी सुशासन आधारित नीतियों, पारदर्शी प्रशासन और निवेशक-अनुकूल वातावरण पर देश की मुहर है। नियमों में आसानी और संस्थागत माहौल में देश के बड़े राज्यों में प्रथम स्थान प्राप्त होना इस बात का प्रमाण है कि हमने उद्योगों और निवेशकों के लिए भरोसेमंद, सरल और तेज़ व्यवस्था विकसित की है।

### नियमों में आसानी में देश के बड़े राज्यों में अव्वल

'रेगुलेटरी ईज़' मानक में छत्तीसगढ़ को 12 में से 8.4 अंक प्राप्त हुए हैं, जो राजस्थान, पंजाब, तमिलनाडु और गुजरात जैसे राज्यों से अधिक हैं। इस मानक में उद्योगों को मिलने वाली मंजूरियों की गति, एनओसी, निर्माण अनुज्ञा, बिजली-पानी कनेक्शन, वाणिज्यिक न्यायालयों की कार्यक्षमता तथा कारोबार बंद करने की प्रक्रिया का मूल्यांकन किया जाता है। इस श्रेणी में पहला स्थान मिलने का अर्थ है कि छत्तीसगढ़ में उद्योगों और कारोबारियों को कम बाधाओं, तेज़ मंजूरी, कम अनुपालन लागत और अधिक पारदर्शी व्यवस्था का लाभ मिल रहा है। संस्थागत माहौल के मानक में छत्तीसगढ़ को 6 में से 4.5 अंक मिले हैं, जो पंजाब, मध्य प्रदेश और तमिलनाडु से अधिक हैं। इस मानक में शासन की गुणवत्ता, आर्थिक अपराध, साइबर अपराध, श्रमिक विवाद, नीतिगत स्थिरता और शिकायत निवारण प्रणाली का आकलन किया जाता है।

# गमछे से मुंह छिपाता रहा टिन्नू, जेल से भतीजे मनीष के साथ ले गई पुलिस

एजेंसी ▶▶| अयोध्या

राम मंदिर चढ़ावा घोटाला मामले में आरोपी रमाशंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव और उसके भतीजे मनीष यादव की 39 घंटे की पुलिस कस्टडी रिमांड शनिवार सुबह 8:40 बजे शुरू हो गई। पुलिस दोनों को जिला कारागार से पुलिस लाइन स्थित अस्पताल ले आई, जहां मेडिकल परीक्षण के बाद एसओजी कार्यालय में पूछताछ की जा रही है। इस दौरान टिन्नू यादव मीडिया और लोगों से बचने के लिए पूरे समय गमछे से अपना चेहरा ढके रहा। पुलिस दोनों को उन संदिग्ध स्थानों पर ले जा सकती है, जहां कथित रूप से चढ़ावे की रकम का बंटवारा होता था।

**39 घंटे की पुलिस रिमांड पर लिए गए आरोपी**

### एसआईटी की रिपोर्ट

एसआईटी की रिपोर्ट में यह भी उल्लेख है कि टिन्नू यादव के पास मंदिर की दानपेटिका (हुंडी) की चाबी रहती थी। इसी आधार पर पुलिस को उम्मीद है कि इस रिमांड के दौरान चढ़ावे की रकम के गबन, उसके बंटवारे, निवेश और पूरे नेटवर्क से जुड़े कई महत्वपूर्ण खुलासे हो सकते हैं। जांच एजेंसियां इस मामले में जुटे अन्य संभावित लोगों की भूमिका की भी पड़ताल कर रही हैं।

### *कई अहम साक्ष्य हाथ लगे*

*इससे पहले तीन चरणों की कस्टडी रिमांड के दौरान छह आरोपियों से पूछताछ में कई अहम साक्ष्य हाथ लगे थे। जांच एजेंसियों ने दस्तावेज, आभूषण और दो चारपहिया वाहन भी बरामद किए हैं। अब मुख्य आरोपी टिन्नू यादव और मनीष यादव से पूछताछ को जांच का सबसे महत्वपूर्ण चरण माना जा रहा है।*

### रिमांड से कई महत्वपूर्ण खुलासे की उम्मीद

रियल एस्टेट और कंस्ट्रक्शन से जुड़े निवेश, घर, हॉस्टल तथा अन्य ठिकानों की भी जांच की जा सकती है। पुलिस नकदी, आभूषण और अहम दस्तावेजों की बरामदगी का प्रयास करेगी। इससे पहले तीन चरणों में छह आरोपियों से पूछताछ के दौरान दस्तावेज, आभूषण और दो चारपहिया वाहन बरामद किए जा चुके हैं। जांच एजेंसियों के अनुसार एसआईटी रिपोर्ट में टिन्नू यादव के पास दानपेटिका (हुंडी) की चाबी होने का भी उल्लेख है। ऐसे में इस रिमांड से मामले में कई महत्वपूर्ण खुलासे होने की उम्मीद जताई जा रही है।

## चीन में भूस्खलन से आठ लोगों की मौत 34 अन्य लापता

**चोंगकिंग (चीन)।** दक्षिण-पश्चिमी चीन के चोंगकिंग शहर में हुए भूस्खलन में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि 34 अन्य लापता हैं। बचाव दल शनिवार को जीवित बचे लोगों की तलाश में अभियान चला रहा है। सरकारी प्रसारणकर्ता 'सीसीटीवी' के अनुसार, यह भूस्खलन शुक्रवार सुबह चोंगकिंग नगर पालिका के बाहरी क्षेत्र स्थित पेंगशुई काउंटी में हुआ, जब बड़ी मात्रा में चट्टानें और मिट्टी ढलान से नीचे खिसक गईं और 10 से अधिक रिहायशी इमारतें इसकी चपेट में आ गईं। इस हादसे में 10 लोगों को मलबे से बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया, जबकि 1,100 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। तस्वीरों और 'एसोसिएटेड प्रेस' के वीडियो में एक गिरी हुई चट्टान बहुमंजिला इमारत से भी बड़ी दिखाई दे रही है। पहाड़ी इलाके में मलबा बिखरा पड़ा है।

# सीएमडीसी एवं जेएनएआरडीडीसी के बीच हुआ ऐतिहासिक एमओयू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के क्रिटिकल मिनरल मिशन एवं आत्मनिर्भर भारत के विजन को साकार करने की दिशा में छत्तीसगढ़ ने एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में राज्य सरकार खनिज संसाधनों के वैज्ञानिक, सतत एवं मूल्यवर्धित उपयोग की दिशा में लगातार प्रभावी पहल कर रही है।

इसी क्रम में छत्तीसगढ़ मिनरल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (सीएमडीसी) और जवाहरलाल नेहरू एल्युमिनियम अनुसंधान, विकास एवं डिजाइन केंद्र (जेएनएआरडीडीसी), नागपुर के मध्य आज एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व, सीएमडीसी के अध्यक्ष सौरभ सिंह, खनिज साधन विभाग के सचिव श्री पी. दयानंद तथा प्रबंध संचालक श्री रजत बंसल के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में सीएमडीसी के मुख्य महाप्रबंधक संजय कनकने ने स्वागत उद्बोधन दिया, उन्होंने एमओयू को खनिज क्षेत्र में अनुसंधान, नवाचार और सतत विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताते हुए कहा कि यह साझेदारी भविष्य में राज्य के खनिज विकास को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगी।

**मुख्यमंत्री के नेतृत्व में खनन क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि**

### मिलेगी नई दिशा

एमओयू के माध्यम से वैज्ञानिक अनुसंधान, खनन, खनिज संसाधनों के मूल्य संवर्धन तथा क्रिटिकल मिनरल्स के विकास को नई दिशा मिलेगी। साथ ही राज्य में उपलब्ध खनिज संपदा का योजनाबद्ध, समयबद्ध एवं आधुनिक तकनीकों के माध्यम से बेहतर उपयोग सुनिश्चित किया जा सकेगा, जिससे छत्तीसगढ़ के समग्र विकास को गति मिलेगी।

# 'बागी नेता वापस लौटते हैं तो मैं एक घंटे में इस्तीफा दे दूंगा'

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोलकाता

▪ टीएमसी महासचिव अभिषेक बनर्जी ने कहा

तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी ने टीएमसी के बागी नेताओं से वापस आने की अपील की है। उन्होंने कहा शनिवार को कहा कि अगर वे दीदी ममता बनर्जी के नेतृत्व में वापस लौटते हैं तो वह (अभिषेक बनर्जी) एक घंटे में इस्तीफा दे देंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि बागी नेता बीजेपी के साथ एक 'डील' कर चुके हैं, जिसके तहत उन्हें पार्टी छोड़कर उन पर आरोप लगाने के लिए उकसाया गया है। तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी ने पार्टी के बागी नेताओं पर संगठन को कमज़ोर करने का आरोप लगाया है।

### तोड़ा गया अभिषेक का पार्टी ऑफिस

टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी के साउथ 24 परगना के अमतला में स्थित पार्टी ऑफिस को शनिवार को तोड़ दिया गया। यह कार्रवाई जिला प्रशासन की तरफ से की गई है। अधिकारियों के मुताबिक ऑफिस बिना किसी मंजूरी बिल्डिंग प्लान के बनाया गया था। यह ऑफिस डायमंड हार्बर लोकसभा सीट का हिस्सा है। अभिषेक इसी सीट से सांसद हैं। जिले में टीएमसी की संगठनात्मक गतिविधियों का मुख्य केंद्र माना जाता है। यहां से जिला नेताओं, बूथ कार्यकर्ताओं और चुनावी रणनीति से जुड़ी बैठकें होती रही हैं।

## ट्रंप की नई स्कीम ने बढ़ाई अमेरिका में भारतवंशियों की टेंशन

# 1.5 लाख भारतीय ट्रक ड्राइवरों की नौकरी पर महासंकट

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अमेरिका की ट्रंप सरकार भारतीयों को बहुत बड़ा झटका देने वाली है। क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी टीम के साथ मिलकर एक प्रस्ताव पेश किया है, जिससे अमेरिका में काम कर रहे 1.5 लाख भारतीय ट्रक ड्राइवरों विशेषकर पंजाबियों की नौकरी पर संकट मंडरा गया है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने इन अप्रवासी ट्रक ड्राइवरों को हटाकर उनकी जगह अमेरिका के पूर्व सैनिकों को नौकरी देने का प्रस्ताव पेश किया है, जिसका सीधा असर लाखों भारतीय प्रवासियों पर पड़ सकता है।

### *नशे में ड्राइविंग करते हैं अप्रवासी ड्राइवर*

*अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के अनुसार, देश की सड़कों पर दौड़ने वाले ट्रकों को अब अप्रवासी ड्राइवर नहीं चलाएंगे, बल्कि रिटायर्ड सैनिकों को बतौर ट्रक ड्राइवर नियुक्त किया जाएगा। ट्रंप ने आरोप लगाया है कि अप्रवासी ट्रक ड्राइवर नशे में ड्राइविंग करते हैं, जिस वजह से सड़कों पर हादसे होते हैं और कई लोगों की जान चली जाती है। राष्ट्रपति ट्रंप ने पेंसिल्वेनिया में आयोजित मिलिट्री इन्वेस्टमेंट समिट में बताया कि गैर-कानूनी और बिना दस्तावेजों के बड़े ट्रक चलाने वाले ड्राइवरों के खिलाफ कार्रवाई जारी है।*

**अप्रवासियों को हटाकर पूर्व सैनिकों को नौकरी देने का प्रस्ताव**

### ट्रक ड्राइवरों के खिलाफ जल्द होगा एक्शन

राष्ट्रपति ट्रंप ने बताया है कि प्रशासन जल्द ही अवैध विदेशी ट्रक ड्राइवरों के खिलाफ कार्रवाई करेगा, क्योंकि वे सड़कों पर लोगों की जिंदगी छीन रहे हैं। वे अनपढ़ होते हैं, जिस वजह से वे सड़कों पर लगे साइन बोर्ड तक नहीं पढ़ पाते। वे ड्रग्स या शराब के नशे में ट्रक चलाते हैं। अवैध तरीके से अमेरिका में घुस जाते हैं। इसलिए अब उनकी सरकार ड्राइविंग का अनुभव रखने वाले अमेरिकी नागरिक को सीधे कमर्शियल ड्राइविंग लाइसेंस (सीडीएल) जारी करके देशसेवा का मौका देगी।

### 2 लाख अप्रवासियों के लाइसेंस हुए हैं रद्द

बता दें कि ट्रंप प्रशासन मार्च 2026 में लागू हुए नए नियमों के तहत करीब 2 लाख अप्रवासी ड्राइवरों के कमर्शियल लाइसेंस को रद्द कर चुकी है। क्योंकि अमेरिका के नागरिकों ने ट्रक ड्राइविंग से दूरी बनाई थी, इस वजह से पिछले कुछ सालों में वैध और अवैध दोनों तरह के प्रवासियों ने ट्रक ड्राइविंग करके मोटा पैसा कमाया। भारतीय समुदाय, खासकर सिख और पंजाबी ड्राइवरों को नई स्कीम से झटका लगेगा, क्योंकि नॉर्थ अमेरिकन पंजाबी ट्रकर्स एसोसिएशन (नाप्ता) के अनुसार, वर्तमान में अमेरिका में करीब 1.3- 1.5 लाख ट्रक ड्राइवर हैं, जो पंजाब और हरियाणा के रहने वाले हैं।

रायपुर
रविवार 19 जुलाई 2026
आषाढ़, शुक्ल पक्ष षष्ठी
वर्ष : 24, अंक : 358
पृष्ठ : 12+4+4= 20 मूल्य : 5.00**

मौसम
अधि. 27.0
न्यून. 24.0

haribhoomi.com

# हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

### लापरवाही से करोड़ों का नुकसान

शहरी निकायों में भी लापरवाही के चलते राजस्व को चपत लगी है। राजनांदगांव नगर निगम में 'सुभाष द्वार बिजनेस कॉम्प्लेक्स' की दुकानों को समय पर आवंटित नहीं करने से किराए का नुकसान हुआ। इसी तरह, जांजगीर-नैला और अकलतरा की पानी सप्लाई योजनाओं में ठेकेदारों ने काम में भारी देरी की, लेकिन इसके बावजूद अफसरों ने उनसे 5.18 करोड़ की जुर्माना राशि (क्षतिपूर्ति) नहीं वसूली।

### डिजिटल के जमाने में नकद लेन-देन

सरकार ने पंचायतों के लिए 'ई-ग्राम स्वराज पोर्टल' शुरू किया है ताकि सारा लेन-देन ऑनलाइन हो। लेकिन सीएजी ने पाया कि आज भी पंचायतों में ज्यादातर पैसों का लेन-देन पुराने ढर्रे पर, यानी नकद और रजिस्टर के जरिए हो रहा है। केवल केंद्र सरकार से मिलने वाले अनुदान का हिसाब ही ऑनलाइन रखा जा रहा है। शहरों के स्थानीय निकायों में भी आधुनिक डबल-एंट्री अकाउंट सिस्टम पूरी तरह लागू नहीं हो पाया है।

2018 से 2023 तक सीएजी की रिपोर्ट में वित्तीय एवं प्रशासनिक प्रबंधन में गंभीर कमियां

# पंचायतों में 61 फीसदी पद खाली, कैसे आएगी खुशहाली, 3243 करोड़ फंड भी मिला कम

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

अलग खबर

छत्तीसगढ़ में जमीनी स्तर पर काम करने वाली पंचायती राज संस्थाओं और स्थानीय निकायों पर विधानसभा में नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (सीएजी) की ताजा रिपोर्ट चिंताजनक है। रिपोर्ट के अनुसार जिला और जनपद पंचायतों में अफसरों व कर्मचारियों के स्वीकृत पदों में से 61 प्रतिशत पद खाली पड़े हैं। वहीं दूसरी तरफ, विकास कार्यों के लिए राज्य वित्त आयोग द्वारा तय की गई राशि में से स्थानीय निकायों को 3,243.46 करोड़ रुपये कम दिए गए। वित्तीय कुप्रबंधन और स्टाफ की कमी का सीधा असर गांवों और शहरों के विकास पर ⏭शेष पेज 7 पर

### स्टाफ का भारी टोटा

निदेशालय, जिला और जनपद पंचायतों में कुल स्वीकृत 2,260 पदों में से केवल 872 पदों पर ही लोग काम कर रहे हैं, जबकि 1,388 पद खाली पड़े हैं। ग्रामीण स्तर पर रीढ़ माने जाने वाले ग्राम पंचायत सचिवों के भी 1,278 पद खाली हैं, जिससे सरकारी योजनाओं को लागू करने में भारी दिक्कत आ रही है।

### नियम बने पर अधिकार नहीं मिले

संविधान के तहत पंचायतों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए 29 जरूरी विषय सौंपे जाने थे। रिपोर्ट कहती है कि कागजों पर तो यह काम हुआ, लेकिन जमीन पर इन विभागों को चलाने के लिए कोई पुख्ता इंतजाम या व्यवस्था नहीं की गई। इसके अलावा, वर्ष 2018 से 2023 के बीच जिला योजना समितियों की बैठकें ही नहीं हुईं, जिससे स्थानीय स्तर पर विकास का खाका तैयार करने का मुख्य उद्देश्य ही फेल हो गया।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA sky चैनल नं. 1163 | airtel चैनल नं. 366

## खबर संक्षेप

### 'पिच ब्लैक' अभ्यास का हिस्सा बनेंगे राफेल

**नई दिल्ली।** भारतीय वायु सेना के कई राफेल विमान ऑस्ट्रेलिया द्वारा 20 जुलाई से सात अगस्त तक आयोजित किए जाने वाले बड़े अंतरराष्ट्रीय हवाई अभ्यास 'पिच ब्लैक' का हिस्सा होंगे। इस अभ्यास से अभियानगत तालमेल बेहतर होगा। बेहतरीन तौर-तरीकों के आदान-प्रदान में मदद मिलेगी। 'पिच ब्लैक' आरएएएफ का सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय अभ्यास है।

### कार के टैंकर से टकराने से तीन लोगों की मौत

**तिरुप्पुर।** तमिलनाडु में सेलम-कोयंबटूर राष्ट्रीय राजमार्ग पर चेंगापल्ली के पास शनिवार को एक कार के सड़क किनारे खड़े गैस टैंकर से टकरा जाने से एक महिला समेत तीन लोगों की मौत हो गई। हादसे में पांच अन्य घायल हो गए। मृतकों की पहचान विजय, उनकी पत्नी थेनमोझी और कुमार के रूप में हुई है। आठ लोगों का यह समूह तिरुत्तनी से ऊटी घूमने जा रहा था।

शहर की निचली बस्तियों में महामारी की आशंका, कचरा और गंदगी हर तरफ फैली

# बिलासपुर में अलर्ट, एनएच पर चक्काजाम पानी निकालने जूझते रहे सैकड़ों परिवार

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

**मौसम विज्ञान विभाग द्वारा आगामी 48 से 72 घंटों में बिलासपुर जिले में आकाशीय बिजली एवं गरज-चमक के साथ भारी वर्षा की चेतावनी को देखते हुए जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर आ गया है। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 की धारा 30 एवं 34 जिले में लागू कर दिया है। इसके तहत व्यापक दिशा-निर्देश जारी किए हैं।**

खास खबर

उन्होंने सभी विभागों को अलर्ट मोड पर रहते हुए जनजीवन की सुरक्षा और संभावित आपदा से निपटने के लिए आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। इसके तहत सभी पानी भराव वाले स्कूल बंद कर दिए गए हैं तो सभी सरकारी अधिकारी, कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द कर दी गईं हैं। इसके साथ ही मुख्यालय छोड़ने पर रोक भी लगा दी गई। इधर शहर की निचली बस्तियों में महामारी की आशंका है। कचरा और गंदगी हर तरफ फैली है। 300 से अधिक लोगों को एसडीआरएफ की टीम ने बचाकर राहत कैंपों में पहुंचाया है। कई जगहों की सड़कें टूट गईं है तो एनएच पर लोगों ने चक्काजाम कर विरोध जताया। सिमगा के पास सड़क के ⏭शेष पेज 7 पर

### एनएच पर घंटों यातायात प्रभावित

सैकड़ों ग्रामीणों, महिलाओं और स्थानीय लोगों ने धूमा स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग-49 पर चक्का जाम कर दिया। प्रदर्शन के चलते दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई और यातायात घंटों तक प्रभावित रहा। लोगों का आरोप है कि राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण के दौरान पानी निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं की गई। धूमाधाम ग्राम पंचायत के लोगों ने बताया कि पुल और ड्रेनेज निर्माण अधूरा छोड़ दिए जाने के कारण बारिश का पानी गांव में भर रहा है।

### 30 से अधिक कालोनियों में रात भर बिजली बंद

बिलासपुर में रिकॉर्डतोड़ बारिश के व्यापार विहार स्थित त्रिवेणी भवन सब-स्टेशन पूरी तरह पानी से घिर गया। सुरक्षा कारणों से बिजली आपूर्ति रोकनी पड़ी। इसके चलते तारबहार, आधा तालापारा, विनोबा नगर, विद्यानगर, क्रांति नगर, व्यापार विहार, वैशाली नगर, हंसा विहार, साकेत अपार्टमेंट, लिंक रोड, उषा हाइट्स, मित्र विहार, जैकअप चाल, अग्रेशन चौक सहित अनेक कॉलोनियों और अपार्टमेंट में पूरी रात बिजली गुल रही।

### गाज की चपेट में आने से दो बच्चों की मौत

**धौरपुर।** आकाशीय बिजली की चपेट में आने से पेड़ के पास खेल रहे दो बच्चों की मौत हो गई जबकि दो सगे भाई गंभीर रूप से झुलस गए। घटना विकासखण्ड लुण्ड्रा अंतर्गत ग्राम नागम की है। स्कूल की छुट्टी होने के बाद शुक्रवार को शाम 4.30 बजे ग्राम नागम निवासी रोशन पिता विजय पनिका (6वर्ष), रंजीत पिता लोहरा नगेशिया (12वर्ष), प्रभु राम पिता भीम साय (14वर्ष) अपने छोटे भाई दिनेश राम (10वर्ष) के साथ घर के पास ही इमली पेड़ के नीचे खेल रहे थे। इस दौरान इमली पेड़ पर आकाशीय बिजली गिरने के कारण खेल रहे चारों बच्चे बुरी तरह से झुलस गए तथा गिरकर अचेत हो गए।

### खेत में यूरिया डालने गए युवक की मौत

**बिश्रामपुर।** खेतों में यूरिया डाल रहे एक युवक की आकाशीय बिजली की चपेट में आने से मौत हो गई है।

दो साल के विकास और प्रगति पर होगी चर्चा

## हरिभूमि-आईएनएच का जिला संवाद राजनांदगांव में आज

डॉ. हिमांशु द्विवेदी

डॉ. रमन सिंह

संतोष पांडे

मधुसूदन यादव

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजनांदगांव

खास खबर

प्रदेश की भाजपा सरकार के दो साल पूरे होने के अवसर पर हरिभूमि-आईएनएच द्वारा जिला स्तर पर जिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में रविवार 19 जुलाई को शहर के बीच होटल एबीस ग्रीन में जिला संवाद कार्यक्रम दोपहर 1.30 बजे से आयोजित होगा। जिला संवाद में हरिभूमि-आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी द्वारा विगत दो वर्ष के दौरान राजनांदगांव जिले में किए गए विकास कार्यों एवं आने वाले समय में प्रगति की संभावनाओं के साथ ही जनहित के मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। इस आयोजन में छह राउंड में शहर सहित जिले के विकास को लेकर चर्चा की जाएगी। जिसमें जनप्रतिनिधि, पुलिस-प्रशासन, समाजसेवी, उद्योगपति, व्यापार सहित सभी क्षेत्र से लोग शामिल होंगे। आयोजन में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, सांसद संतोष पांडे, विधायक हर्षिता स्वामी बघेल, विधायक भोलाराम साहू, महापौर मधुसूदन यादव, पर्यटन मंडल के अध्यक्ष नीलू शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष किरण वैष्णव, पूर्व विधायक छन्नी साहू, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के अध्यक्ष सचिन बघेल, भाजपा जिला अध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत, कांग्रेस जिला अध्यक्ष विपिन यादव, शहर कांग्रेस अध्यक्ष जितेन्द्र ⏭शेष पेज 7 पर

## भारत का पहला प्राइवेट रॉकेट विक्रम-1 सफलतापूर्वक लॉन्च

### कैसा है विक्रम-1 रॉकेट

विक्रम-1 चार चरणों वाला रॉकेट है। इसके पहले तीन चरणों में ठोस ईंधन का इस्तेमाल किया गया है। चौथे चरण में लिक्विड फ्यूल इंजन लगा है, जिसे जरूरत पड़ने पर दोबारा चालू किया जा सकता है। इससे सैटेलाइट को उसकी तय ऑर्बिट में ज्यादा सही जगह पर पहुंचाने में मदद मिलती है।

**नई दिल्ली।** भारत में निजी क्षेत्र द्वारा विकसित पहले कक्षीय रॉकेट 'विक्रम-1' ने शनिवार को कई तकनीकी पेलोड और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पोस्टकार्ड सहित विभिन्न पोस्टकार्ड को सफलतापूर्वक पृथ्वी की निचली कक्षा में पहुंचाया।

सीबीएसई ने जारी किया परिणाम

## 10वीं बोर्ड की दूसरी परीक्षा में 59 प्रतिशत छात्रों के अंकों में सुधार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

सीबीएसई ने शनिवार को कक्षा 10वीं बोर्ड की दूसरे चरण की परीक्षा के परिणाम घोषित किये। दोनों परीक्षाओं के संयुक्त परिणाम के आधार पर उत्तीर्ण प्रतिशत बढ़कर 96.78 प्रतिशत हो गया है। पहले चरण की परीक्षा में उत्तीर्ण प्रतिशत 93.6 प्रतिशत था। मुख्य परीक्षा की तुलना में 59 प्रतिशत से अधिक अभ्यर्थियों के प्रदर्शन में सुधार हुआ।

### मई में हुई थी परीक्षा

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की सिफारिशों के अनुरूप, सीबीएसई ने वर्ष 2026 से कक्षा 10 के लिए दो बोर्ड परीक्षाओं की व्यवस्था लागू की है। मुख्य परीक्षा 17 फरवरी से 11 मार्च तक आयोजित की गई थी, जबकि दूसरी परीक्षा 15 मई से 21 मई के बीच हुई।

## ओवर टाइम भुगतान घोटाला, एपी त्रिपाठी फिर गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पौने दो सौ करोड़ रुपए के छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कार्पोरेशन लिमिटेड (सीएसएमसीएल) के ओवरटाइम भुगतान घोटाले में ईओडब्ल्यू, एसीबी ने तत्कालीन एमडी अरुणपति त्रिपाठी को गिरफ्तार किया है। जांच एजेंसी ने उन्हें एसीबी, ईओडब्लू की स्पेशल कोर्ट में पेश कर पूछताछ ⏭शेष पेज 7 पर

### मैनपावर एजेंसियों की भूमिका की जांच

जांच में सुमित फैसिलिटीज, प्राइमवन वर्कफोर्स, ए-टू-जेड इंफ्रासर्विसेज, अलर्ट कमांडोज और ईगल हंटर साल्यूशंस जैसी मैनपावर एजेंसियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। जांच एजेंसी यह पता लगा रही है कि इन एजेंसियों को भुगतान किस आधार पर स्वीकृत किए गए और वास्तविक कर्मचारियों तक कितनी राशि पहुंची।

### चार्जशीट दाखिल

ओवर टाइम भुगतान घोटाला प्रकरण में एसीबी, ईओडबलू की टीम अनवर ढेबर, नवीन प्रताप सिंह तोमर, तिजऊराम निर्मलकर, अभिषेक सिंह, नीरज कुमार चौधरी, अजय लोहिया, अजीत नरबले, अमित प्रभाकर सालुंके, अमित मित्तल, एन. उदय राव, राजीव द्विवेदी और संजीव जैन सहित 12 आरोपियों के खिलाफ न्यायालय में अभियोग पत्र पेश कर चुकी है।

तोरवा थाना का मामला

## सर्पदंश से मौत की फर्जी रिपोर्ट महिला डॉक्टर हुई गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

हरिभूमि फॉलोअप

तोरवा थाना के दो फर्जी सर्पदंश के मामले में पुलिस ने फर्जी पोस्टमार्टम रिपोर्ट बनाने वाले सिम्स में पदस्थ रहीं महिला डाक्टर प्रियंका सोनी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है। पूर्व में दोनों मामले में वकील सहित तीन लोगों को जेल भेजा गया था। तोरवा पुलिस के अनुसार, तहसील कार्यालय के नायब नाजीर की रिपोर्ट पर तोरवा थाना में फर्जी सर्पदंश से ⏭शेष पेज 7 पर

### सिविल लाइन थाने में भी मामला दर्ज

सिविल लाइन थाना के मृतक तालापारा निवासी पवन यादव के मामले में डा. प्रियंका सोनी के खिलाफ मामला दर्ज है। उक्त मामले में उसके द्वारा ही फर्जी सर्पदंश से मृत्यु होने की पोस्टमार्टम रिपोर्ट बनाई गई थी, जबकि मृतक की हार्ट अटैक से मृत्यु हुई थी। उक्त प्रकरण में मृतक की पत्नी शिवकुमार यादव, उसकी बहन गवाह दानमी यादव की गिरफ्तारी हो चुकी है।

# भारतीय पकवानों ने जीते हैं गिनीज विश्व रिकॉर्ड, पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है इनकी खासियत

भारत में कई ऐसे व्यंजन हैं, जो अपने अनोखे स्वाद के कारण दुनिया भर में मशहूर हैं। कुछ व्यंजन तो इतने बड़े पैमाने पर बनाए जाते हैं कि वे गिनीज विश्व रिकॉर्ड में भी शामिल हैं। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे भारतीय व्यंजनों के बारे में बताते हैं, जिनका नाम गिनीज विश्व रिकॉर्ड में दर्ज है। ये व्यंजन अपने आकार, मात्रा या सबसे बड़ी संख्या में लोगों को खिलाने के लिए रिकॉर्ड तोड़ चुके हैं।

### बिरयानी

बिरयानी चावल से बना वह व्यंजन है, जो किसी पहचान का मोहताज नहीं हैं। आपको जानकर खुशी होगी कि इस पकवान का नाम गिनीज बुक में शुमार है। 2008 में बिरयानी से जुड़ा एक खास रिकॉर्ड कायम हुआ था, जब नई दिल्ली के एक शेफ ने दुनिया की सबसे बड़ी मात्रा में इसे बनाया था। बियरनी का कुल वजन 14,060 किलो था, जिसमें हजारों किलों में चावल, घी और मसाले आदि इस्तेमाल हुए थे।

### रोटी

रोटी एक ऐसी ब्रेड है, जो हर भारतीय की थाली में शामिल होती ही है। इसके बिना भोजन पूरा नहीं होता है। सितंबर 2012 में गुजरात के जामनगर में दगडू सेठ गणपति सार्वजनिक महोत्सव के दौरान दुनिया की सबसे बड़ी रोटी बनाई गई थी। इसका वजन 145 किलो था और इसको 3 मीटर गुणा 3 मीटर के एक खास तवे पर पकाया गया था। इसे बेलने, पलटने और समान रूप से पकाने के लिए दर्जनों लोगों की जरूरत पड़ी थी।

### खिचड़ी

खिचड़ी से ज्यादा सादगी भरा व्यंजन भारत में कोई और नहीं है। अपने सादे स्वाद के बावजूद भी इस पकवान ने गिनीज विश्व रिकॉर्ड कायम कर दिखाया था। दरअसल, 2017 में दिल्ली में हुए 'विश्व खाद्य भारत' इवेंट के दौरान शेफ संजीव कपूर और 50 अन्य शेफ की एक टीम ने 918 किलो खिचड़ी बनाई थी। इससे चावल और बीन्स से बने व्यंजन की सबसे बड़ी सर्विंग का विश्व रिकॉर्ड बना था। इसके बाद खिचड़ी को बाट दिया गया था।

### डोसा

दक्षिण भारत की पहचान डोसा अब केवल भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया भर में मशहूर है। 2014 में हैदराबाद में 29 शेफ की एक टीम ने दुनिया का सबसे लंबा डोसा बनाया था। इसकी लंबाई 16.68 मीटर यानि 54 फीट और 8.69 इंच थी। इतनी ज्यादा लंबाई के बावजूद, इस डोसे में वह खास कुरकुरापन और कागज जैसी पतली बनावट थी, जो इस व्यंजन की पहचान है। इस डोसा के स्वाद में भी कोई कमी नहीं थी।

### कोई त्योहार हो या अच्छी खबर, बूंदी के लड्डू सबकी पसंद

भारत में चाहे कोई त्योहार हो या अच्छी खबर, लोग बूंदी के लड्डू खाना पसंद करते हैं। यह मिठाई न केवल मुंह मीठा करती है, बल्कि इसने विश्व स्तर पर नाम भी कमाया है। 2016 में आंध्र प्रदेश के टेपेश्वरम के मिठाई बनाने वाले मल्लिकार्जुन राव ने अब तक का सबसे बड़ा बूंदी का लड्डू बनाकर विश्व रिकॉर्ड कायम किया था। इसका वजन 29,465 किलो था और इसे बेसन, चीनी, घी, सूखे मेवे और इलायची से बनाया गया था।

## रोचक खबरें

## इस व्यक्ति को याद हैं 1,000 फीफा विश्व कप मैचों के नतीजे, बनाए विश्व रिकॉर्ड्स

अपनी तेज याददाश्त और मानसिक क्षमताओं के दम पर जर्मनी के फैबियन साल ने एक या दो नहीं बल्कि 4 गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स बनाए हैं। दरअसल, फैबियन ने अपनी एक 'मेमोरी पैलेस' नाम की तकनीक बनाई हुई है, जिसके जरिए उन्हें फीफा टूर्नामेंट में सालों से खेले गए लगभग 1,000 मैचों के नतीजे याद हैं। इन नतीजों को बताकर ही उन्होंने 4 विश्व रिकॉर्ड्स अपने नाम कर लिए हैं। आइए फैबियन के रिकॉर्ड के बारे में जानते हैं। रिकॉर्ड के लिए फैबियन ने यूनाइटेड किंगडम की राजधानी लंदन में स्थित गिनीज के ऑफिस का दौरा किया, जहां जज विल मनफोर्ड ने फैबियन का टेस्ट लिया। विल ने फैबियन को एक साल और उस साल आमने-सामने खेलने वाली दो टीमों के नाम और उनके मैच के नतीजे बताने को कहा। इसके बाद फैबियन ने सबसे पहले एक मिनट में 19 मैचों के नतीजे बताकर सबसे ज्यादा फीफा विश्व कप मैचों के नतीजे याद रखने का रिकॉर्ड बनाया। फैबियन ने दूसरा रिकॉर्ड 3 मिनट में 36 मैचों के नतीजें बताकर सबसे ज्यादा फीफा विश्व कप मैचों के नतीजे याद रखने का बनाया।इनके बाद फैबियन ने जगलिंग स्किल्स का इस्तेमाल करके 2 और रिकॉर्ड्स बनाएं। तीसरा रिकॉर्ड फैबियन ने 30 सेकंड तक फुटबॉल को कंट्रोल करते हुए सबसे ज्यादा फीफा विश्व कप मैचों के नतीजे याद रखने का बनाया, जबकि चौथा रिकॉर्ड 3 चीजों को साथ में करते हुए मैचों के नतीजे याद रखने का बनाया। मीडिया को फैबियन ने बताया कि शुरुआत में वह बहुत ज्यादा नर्वस थे क्योंकि उनके लिए फोकस करना थोड़ा मुश्किल हो रहा था, लेकिन धीरे-धीरे वह रिकॉर्ड तक पहुंच गए।

## सिर्फ एक जानवर ने किया ऐसा कमाल, बंजर पड़ी जमीन से होने लगी करोड़ों की कमाई

ब्रिटेन में एक जानवर ने ऐसा कारनामा कर दिखाया है जिसके बारे में जानकर हर कोई हैरान रह जाएगा।. इस जानवर की वजह से उस जमीन से करोड़ों रुपये कमाई हो रही है, जिसे कभी बंजर और बेकार मान लिया गया था। मजेदार है कि इस हैरान करने वाली कामयाबी के पीछे इसी जानवर यानी बीवर का बड़ा हाथ है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इंग्लैंड के लिंकनशायर में करीब 1,525 एकड़ जमीन को साल 2022 में नेटरगल नाम की कंपनी ने 13.8 मिलियन पाउंड यानी करीब 177 करोड़ रुपये में खरीदा था। उस समय खरीदी गई जमीन काफी खराब हालत में थी। यहां खेती तो हो रही थी, मगर हरियाली दूर-दूर तक नजर नहीं आती थी। इसके बाद कंपनी ने इस जमीन पर खेती करने का पुराना तरीका छोड़ दिया। खेतों में इस्तेमाल होने वाले केमिकल, खाद और भारी मशीनों का इस्तेमाल बंद कर दिया गया। इसके बाद जमीन को दोबारा प्राकृतिक रूप देने की कोशिश शुरू हुई। धीरे-धीरे वहां पौधे उगने लगे और छोटे जीव-जंतु वापस आने लगे। इस पूरे प्रोजेक्ट में सबसे खास भूमिका बीवर की है। बीवर एक ऐसा जानवर है जो पानी के पास बांध बनाने के लिए जाना जाता है। जब बीवर बांध बनाते हैं तो पानी धीरे-धीरे रुकता है और आसपास की जमीन पर नमी बढ़ती है। इससे नए पौधों और दूसरे जीवों के लिए बेहतर माहौल तैयार होता है। बीवर की मदद से इस जमीन को एक जंगली इलाके यानी वाइल्डलैंड में बदला जा रहा है. इससे बाढ़ का खतरा कम करने, पानी बचाने और पर्यावरण सुधारने में मदद मिलने की उम्मीद है। कंपनी का मानना है कि इस प्रोजेक्ट से अब कमाई के नए रास्ते भी खुल रहे हैं। कंपनी ने कार्बन क्रेडिट बेचने का समझौता किया है, जिससे उसे करीब 1 मिलियन पाउंड यानी लगभग 10 करोड़ रुपये की कमाई होने वाली है।

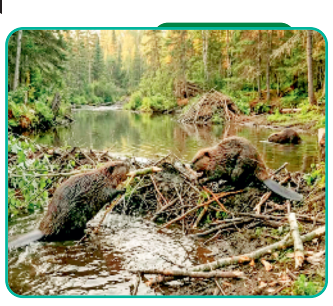

## खुदाई में मिला 6 करोड़ साल पुराना डायनासोर अरबों रुपए में खरीदना चाह रहे शौकीन

दुनिया की सबसे खतरनाक प्रजाति की बात होती है तब दिमाग में डायनासोर का नाम जरूर आता है, जिन्होंने करोड़ों सालों तक धरती पर राज किया। मगर धीरे-धीरे इनकी जनसंख्या घटती गई और करीब 6.7 करोड़ साल पहले ये विलुप्त हो गए। मगर अभी डायनासोर की एक ऐसी ही प्रजाति टायरानोसॉरस रेक्स यानी टी-रेक्स एक बार फिर चर्चा में है। दरअसल इस विशाल डायनासोर का एक बेहद खास कंकाल अब नीलामी के लिए तैयार है। इसकी कीमत इतनी ज्यादा लगाई जा रही है कि बड़े-बड़े अरबपति भी इसे खरीदने में दिलचस्पी दिखा रहे हैं। अनुमान है कि इस कंकाल की बोली करीब 2 से 3 करोड़ डॉलर यानी लगभग 1.92 से 2.88 अरब रुपये तक जा सकती है। इस टी-रेक्स कंकाल को 'गस' नाम दिया गया है। यह करीब 6.7 करोड़ साल पुराना माना जा रहा है। इसे अमेरिका के साउथ डकोटा राज्य के हार्डिंग काउंटी में एक जमीन से खोजा गया था। साल 2021 में शुरू हुई खुदाई के बाद इसे बाहर निकालने में करीब तीन साल का समय लगा। इसके बाद इसे वैज्ञानिक तरीके से तैयार करके एक पूरे कंकाल के रूप में खड़ा किया गया। मालूम हो कि टी-रेक्स को दुनिया के सबसे खतरनाक डायनासोर में गिना जाता है। इसके बड़े-बड़े दांत, मजबूत जबड़े और विशाल शरीर इसे अपने समय का सबसे ताकतवर शिकारी बनाते थे। यह डायनासोर करीब 6.6 से 6.8 करोड़ साल पहले धरती पर मौजूद था। माना जाता है कि उस समय यह अपने इलाके में सबसे ऊपर के शिकारी जीवों में शामिल था। अब इस कंकाल की नीलामी न्यूयॉर्क के मशहूर नीलामी घर सोथबीज में होने वाली है। अगर यह अनुमानित कीमत पर बिकता है तो यह दुनिया के सबसे महंगे डायनासोर जीवाश्मों में शामिल हो जाएगा।

## नासा की रिपोर्ट

### समंदर से आएगी बड़ी तबाही

# दुनिया के नक्शे से गायब हो सकते हैं ये शहर

नासा की नई सैटेलाइट रिपोर्ट में बताया गया है कि जलवायु परिवर्तन की वजह से समुद्र का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। अगर यही रफ्तार बनी रही तो साल 2050 तक दुनिया के कई तटीय शहर बड़े खतरे में आ सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक कई जगहों पर बार-बार बाढ़ आने लगेगी और कुछ इलाकों में रहना मुश्किल हो सकता है।

वैज्ञानिकों का कहना है कि यह भविष्य की चेतावनी है, ताकि अभी से तैयारी की जा सके और नुकसान को कम किया जा सके। वैज्ञानिकों का कहना है कि अभी भी समय है कि प्रदूषण कम किया जाए, ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन घटाया जाए और जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिए बड़े कदम उठाए जाएं।

**समुद्र का बढ़ता जलस्तर बनेगा बड़ी परेशानी :** रिपोर्ट के अनुसार कई तटीय इलाकों में समुद्र का जलस्तर करीब 30 सेंटीमीटर या उससे ज्यादा बढ़ सकता है। सुनने में यह बढ़ोतरी छोटी लग सकती है, लेकिन इसका असर बहुत बड़ा होगा। समुद्र का पानी शहरों के अंदर तक पहुंच सकता है। तेज तूफान, ऊंची लहरें और बार-बार आने वाली बाढ़ लोगों की मुश्किलें बढ़ा देंगी। सड़कें, घर, बंदरगाह और दूसरी जरूरी जगहें पानी में डूब सकती हैं, जिससे लोगों का रोजमर्रा का जीवन प्रभावित होगा।

**इन शहरों पर बताया गया सबसे ज्यादा खतरा :** नासा के लंबे समय के सैटेलाइट डेटा के आधार पर अमेरिका के गल्फ कोस्ट इलाके को सबसे ज्यादा खतरे वाला माना गया है। न्यू ऑरलियंस, ह्यूस्टन, टाम्पा और मोबाइल जैसे शहर पहले से ही बाढ़ का सामना कर रहे हैं। अगर समुद्र का स्तर और बढ़ा तो इन शहरों में पानी की समस्या काफी गंभीर हो सकती है। कई इलाकों में सड़कें, घर और व्यापारिक क्षेत्र लंबे समय तक पानी में डूबे रहने का खतरा है।

### चांद की चाल भी बढ़ा सकती है मुश्किल

वैज्ञानिकों के मुताबिक 2030 के बाद चांद की कक्षा में होने वाला एक प्राकृतिक बदलाव समुद्र की ऊंची लहरों को और बढ़ा सकता है। यह प्रक्रिया हर 18 साल में होती है, लेकिन इस बार समुद्र का जलस्तर पहले से ज्यादा होने की वजह से इसका असर अधिक हो सकता है। ऐसे समय में छोटी बाढ़ भी बड़ी बाढ़ का रूप ले सकती है। इससे सड़कें, एयरपोर्ट, रेलवे लाइन और कई जरूरी जगहें बार-बार पानी में आ सकती हैं।

### अमेरिका के दूसरे तटीय इलाकों की क्या स्थिति रहेगी?

रिपोर्ट में फ्लोरिडा, जॉर्जिया और साउथ कैरोलाइना के तटीय इलाकों को भी खतरे वाला बताया गया है। वहीं नॉरफोक, न्यूयॉर्क, बोस्टन और मियामी जैसे शहरों में भी हाई टाइड और बाढ़ की घटनाएं बढ़ सकती हैं। पश्चिमी तट पर लॉस एंजेलिस, सैन फ्रांसिस्को और सिएटल जैसे शहरों पर भी असर पड़ सकता है। वहां जलस्तर कम बढ़ने का अनुमान है, लेकिन लंबे समय में यह भी बड़ी चुनौती बन सकता है।

### समुद्र का जलस्तर आखिर बढ़ क्यों रहा है?

नासा के सैटेलाइट कई सालों से समुद्र की ऊंचाई पर नजर रख रहे हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि ग्लोबल वार्मिंग की वजह से ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं। इसके साथ ही गर्म होने पर समुद्र का पानी फैलता भी है। यही दोनों वजहें समुद्र का स्तर बढ़ा रही हैं। अगर ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन कम नहीं हुआ तो आने वाले वर्षों में यह समस्या और गंभीर हो सकती है। इसलिए दुनिया भर के देशों को मिलकर कदम उठाने की जरूरत है।

### लोगों और अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा असर

अगर जलस्तर इसी तरह बढ़ता रहा तो लाखों लोगों को अपने घर छोड़ने पड़ सकते हैं। तटीय इलाकों में रहने वाले परिवार सुरक्षित जगहों पर जाने को मजबूर होंगे। सड़कें, पुल, बंदरगाह, एयरपोर्ट और दूसरी सुविधाओं को भारी नुकसान पहुंच सकता है। इससे अरबों डॉलर का आर्थिक नुकसान होने का अनुमान है। नासा की यह रिपोर्ट सिर्फ अमेरिका के लिए नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए चेतावनी मानी जा रही है।

## महाद्वीपों को जोड़ता है यह अकेला देश, जानें कहां से कहां तक लगती है इसकी सीमा

दुनिया के नक्शे पर कई ऐसे अनोखे देश मौजूद हैं, जिनकी भौगोलिक सीमाएं किसी एक महाद्वीप तक सीमित न रहकर अलग-अलग महाद्वीपों को अपस में जोड़ती हैं। भूगोल की भाषा में इसे ट्रांसकॉन्टिनेंटल या अंतर्महाद्वीपीय देश कहा जाता है लेकिन जब बात विशेष रूप से एशिया और अफ्रीका जैसे दो विशाल भूभागों को जोड़ने की आती है तो पूरी दुनिया में केवल मिस्त्र ही अकेला ऐसा देश है जो इस खूबी को समेटे है।

मिस्त्र का अधिकांश मुख्य भूभाग भौगोलिक और एतिहासिक रूप से अफ्रीका महाद्वीप के उत्तर-पूर्वी हिस्से में स्थित है, लेकिन इस देश का खास इलाका ऐसा भी है, जो कि भौगोलिक तौर पर एशिया महाद्वीप की सीमा के अंदर आता है। यही कारण है कि मिस्त्र को इन दोनों महाद्वीपों के बीच एक बेहद मजबूत और महत्वपूर्ण पुल माना जाता है। इस अनोखी भौगोलिक स्थिति की वजह से मिस्त्र न केवल रणनीतिक रूप से दुनिया का एक शक्तिशाली केंद्र बन जाता है, बल्कि यह प्राचीन काल से व्यापार और संस्कृति के आदान-प्रदान का बड़ा जरिया रहा है।

### असली भौगोलिक लकीर स्वेज नहर के पास

एशिया और अफ्रीका महाद्वीप को अलग करने वाली असली भौगोलिक लकीर स्वेज नहर के आसपास से गुजरती है। स्वेज नहर के ठीक पूर्व में स्थित मिस्त्र के इस मशहूर इलाके को सिनाई प्रायद्वीप के नाम से जाना जाता है। यह पूरी तरह से एशिया महाद्वीप का हिस्सा है। वहीं दूसरी तरफ इस मानव निर्मित ऐतिहासिक नहर का जो पश्चिमी किनारा है, वह मिस्त्र के मुख्य हिस्से यानी अफ्रीका महाद्वीप को आपस में जोड़ता है।


HMS शिव साईटिका तेल
शिव साईटिका — सिरप, कैप्सूल व ऑयल उपलब्ध है
लकवा, कमर दर्द, गर्दन दर्द, सायटिका, गठियावात, हड्डीदर्द, झुनझुनी वात, घुटनों का दर्द एवं सभी प्रकार के वात रोग, मोच, सूजन एवं मुठमार दर्द, एड़ी दर्द एवं सभी प्रकार के मांसपेशियों, नाड़ियों जैसे पोलियो अर्द्धांगवात, अस्थिभगन, अस्थि शूल, टूटी हुई हड्डी व कमजोर हड्डीयों को मजबूती प्रदान करता है, रक्त में संचार बढ़ा कर अस्थियों को क्रियाशील बनाता है
HMS देखकर खरीदें

असली केंदवा मलहम
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये।
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
94060-21769

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल | डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA | भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं : पी.एफ.टी., ब्रांकोस्कोपी, स्लीप स्टडी
स्पेशलिस्ट : खांसी, श्वांस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
समय दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड़, रायपुर मो. 7999450384, 7042974029

AB आई हॉस्पिटल
लेज़र मोतियाबिंद ऑपरेशन किफायती दरों में
आयुष्मान कार्ड एवं इंश्योरेंस सुविधा उपलब्ध
पता :- 119/A सेक्टर - 3, गीतांजली नगर, रायपुर | मो.: 8815096478

डायबिटिक क्लीनिक
डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल
कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.) (ISO 9001-2000 Certified)
फोन: 0771-4044551 समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

सिंघानिया स्किन केयर
सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311 Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
मो. 94252-14479 0771-4020411
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
www.makeoverraipur.com त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
उपलब्ध विशेषताएं • लेप्रोस्कॉपिक एवं जनरल सर्जरी • जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स • जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी • ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल) • गायनेकोलॉजी
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध
जी.ईरोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टैली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

पाल जी स्वास्तिक नर्सिंग होम
बर्न एण्ड पॉलीट्रामा सेंटर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
(आयुष्मान भारत स्कीम के तहत निःशुल्क ईलाज की सुविधा उपलब्ध)
सुविधाएं : मेडिसिन, पॉलीट्रामा, बर्न एण्ड प्लास्टिक लप्रोस्कोपिक सर्जरी, जनरल सर्जरी, स्पाईन एण्ड न्यूरो सर्जरी, आर्थो, कैंसर (कीमोथैरेपी व सर्जरी), स्त्री रोग, जोड़ प्रत्यारोपण
श्यामनगर जल विहार कॉलोनी पानी टंकी के पास तेलीबांधा मरीन ड्राइव के पीछे
मो. 7991031330 मो. 0771-4347172

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग • बांझपन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड • बच्चों एवं बडों के आपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

विज्ञापन हेतु संपर्क करें:-
7987119756, 9303508130

# ‘द इंडिया स्टोरी’ 24 को सिनेमाघरों में देगी दस्तक

**मुंबई।** काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े की फिल्म ‘द इंडिया स्टोरी’ काफी समय से चर्चा में हैं। पिछले महीने निर्माताओं ने इसका टीजर और पोस्टर जारी किए थे, जिसने रोजमर्रा की जिंदगी को प्रभावित करने वाले विषय को जनता के सामने लाने का संकेत दिया था। जी स्टूडियोज और एमआईजी प्रोडक्शन एंड स्टूडियोज द्वारा निर्मित फिल्म का निर्देशन चेट्टन डीके ने किया है। फिल्म में काजल वकील के किरदार में हैं, जबकि श्रेयस एक लाचार पिता के रूप में बेटी के लिए न्याय की लड़ाई लड़ रहा है। फिल्म 24 जुलाई को हिंदी, तेलुगु और तमिल में दुनियाभर के सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

## लाइफ Style

# प्रकृति

## दो साल में ही टूटा रिश्ता

एजेंसी ▶▶ मुंबई

अगस्त 2024 में प्रकृति घर छोड़कर चली गईं, जिसके बाद दोनों ने अपने रिश्ते को सौहार्दपूर्ण तरीके से खत्म किया। काम के मोर्चे पर उन्हें कुछ मुश्किलों का सामना करना पड़ा। मार्च में उनका शो ‘शहजादी है तू दिल की’ कम टीआरपी के कारण बंद हो गया था।

‘सैयाराब’ सीरियल से मशहूर हुईं अभिनेत्री प्रकृति नौटियाल अपनी 2 साल पुरानी शादी को खत्म करने जा रही हैं। यह जोड़ा, जिसने 6 महीने के छोटे से रोमांस के बाद साल 2024 के वेलेंटाइन डे पर शादी की थी, अब अलग होने का फैसला कर चुका है। उनके बीच कुछ भी ठीक नहीं चल रहा था। उन्होंने आपसी सहमति से तलाक के लिए अर्जी दाखिल कर दी है और अब उनकी अगली कोर्ट की तारीख नवंबर में तय है। अगस्त 2024 में प्रकृति घर छोड़कर चली गईं, जिसके बाद दोनों ने अपने रिश्ते को सौहार्दपूर्ण तरीके से खत्म किया। काम के मोर्चे पर उन्हें कुछ मुश्किलों का सामना करना पड़ा। मार्च में उनका शो ‘शहजादी है तू दिल की’ कम टीआरपी के कारण बंद हो गया था। उन्होंने बताया था कि उन्हें महसूस हुआ कि मूल कहानी से बंधे रहना उन्हें सीमित कर रहा था। शो का अचानक बंद होना उन्हें बहुत दुखी कर गया था।’ उन्होंने कहा था, ‘यह वाकई निराशाजनक और दिल तोड़ने वाला था।’

# ‘कौन बनेगा करोड़पति 18’ की डेट का ऐलान, अमिताभ ही संभालेंगे कमान

**मुंबई।** मेगास्टार अमिताभ बच्चन कौन बनेगा करोड़पति सीजन 18 के साथ छोटे पर्दे पर वापसी करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। वह इस पॉपुलर क्विज शो के 18वें सीजन को होस्ट करते नजर आएंगे। नए सीजन में देश के अलग-अलग हिस्सों से आए कंटेस्टेंट्स का मशहूर ‘हॉट सीट’ पर स्वागत किया जाएगा। यह शो ग्रैंड प्राइज जीतने के मौके के लिए उनकी जानकारी और स्किल्स को परखेगा। सोनी टीवी ने सोशल मीडिया पर कई प्रोमो शेयर कर इसके नए फॉर्मेट के बारे में भी बताया है, जो बहुत ही खास होने वाला है। इस बार कंटेस्टेंट्स को सोचना पड़ेगा। ‘कौन बनेगा करोड़पति 18’ का प्रीमियर 10 अगस्त को होगा।

***कौन बनेगा करोड़पति 18 का नया फॉर्मेट*** : अमिताभ बच्चन इस शो के नए सजीन के साथ फिर से वापसी के लिए तैयार हैं। शो के मेकर्स ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पेज पर ‘कौन बनेगा करोड़पति 18’ के नए प्रोमो जारी किए हैं, जिनमें होस्ट अमिताभ बच्चन को रोजमर्रा की स्थितियों में दिखाया गया है। इन प्रोमो में बताया गया है कि आज जानकारी आसानी से मिल जाती है और टेक्नोलॉजी ने लोगों के सीखने का तरीका बदल दिया है, लेकिन सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि जानकारी का समझदारी से इस्तेमाल कैसे किया जाए। इसमें यह भी बताया गया है कि सोचना और सही फैसले लेना भी जरूरी है। ऐसे में कंटेस्टेंट्स को सिर्फ चीजें याद रखने के बजाय सोचने-समझने पर भी ध्यान देना होगा।

***केबीसी 18 नए ट्विस्ट के साथ 10 अगस्त से होगा शुरू*** : ‘कौन बनेगा करोड़पति 18’ का प्रीमियर 10 अगस्त 2026 को होगा। चैनल ने शो के कई प्रोमो शेयर किए हैं, जिससे पता चलता है कि इस बार इसमें नया ट्विस्ट आने वाला है। पहले प्रोमो में बिग बी कहते हैं, ‘इतिहास, खेल, विज्ञान इन सबका ज्ञान इस बार केबीसी में काफी नहीं होगा। क्योंकि अब खेल जो है वो बदल गया है। केवल उत्तर याद रखने से काम नहीं चलने वाला, सोचना पड़ेगा।’ दूसरे प्रोमो में दिग्गत अभिनेता कहते हैं, ‘देखिए आज एआई ने दुनिया को बदल दिया है। ये बदलाव जो है ना रुकने वाला नहीं है जो कल तक नामुमकिन लगता था, वो आज पल भर में मुमकिन होता है। इस बदलती हुई दुनिया में हम सबको भी बदलना पड़ेगा। इसलिए केबीसी में भी हमने कुछ बदलने का प्रयास किया है, अब उत्तर देने से पहले आपको सोचना पड़ेगा।’


ISBM UNIVERSITY
KNOWLEDGE • WISDOM • HUMANITY
RECRUITMENT NOTICE

Ref. No. ISBMU/Recruit/2026-27 Date: 19/07/2026

Applications are invited for various posts at ISBM University, Chhattisgarh. Eligible candidates may apply within 7 days of this advertisement, along with self-attested documents, by registered post or email.

| Sr. | Name of Post | Department |
|---|---|---|
| 01 | Professor/ Associate Professor *Qualification & Experience As per UGC/BCI/PCI/AICTE norms.* | Geography, Sociology, Political Science, History, Law, Management, Commerce, Pharmacy, Computer Science and IT, Computer Science Engineering, Library Science, Mathematics, EEE (Electrical and Electronics Engineering), Chemistry, Botany, Zoology, Physics, Forensic Science, Civil, Mining |
| 02 | Non-Teaching | Assistant Registrar, Training & Placement Officer, Senior Accountant, Admission Counselor, Marketing Executive, Librarian, Graphics Designer, Plumber, Electrician, Driver, Hostel Warden (Male/Female) |

• Ph.D./NET/SET is mandatory as per UGC/Statutory Council norms.

**Note: Salary as per university norms** **Registrar**

**ADDRESS FOR CORRESPONDENCE:**

**Campus:** ISBM University, Nawapara (Kosmi) Block & Tehsil - Chhura, District - Gariyaband (C.G.) - 493996
**Raipur Campus:** ISBM University, Doomar Talab, Sarona Road, Near Kaanger Valley Academy, Raipur, Chhattisgarh - 492010
**Contact:** +91 8085974203 | **E-mail:** recruitment@isbmuniversity.edu.in
**Website:** www.isbmuniversity.ac.in


# रणवीर ने छुपाया ‘प्रलय’ का लुक

## 300 करोड़ की फिल्म में मचाएंगे तहलका

**मुंबई।** रणवीर सिंह हंसल मेहता के ऑफिस के बाहर काले कपड़ों में ढके दिखाई दिए। उन्होंने अपने सिर पर कैप, मास्क और चश्मा लगा रखा था, ताकि कोई उनकी आने वाली फिल्म ‘प्रलय’ के नए लुक को देख न सके। पैपराजी के लिए रुककर पोज देने के बजाय, उन्होंने सवालों पर ध्यान नहीं दिया। जब किसी ने मजाक में पूछा, ‘बाबा नाराज हो क्या?’, तो बस मुस्कुराते हुए तेजी से वहां से निकल गए।

### रणवीर बनेंगे ‘प्रलय’ के सह-निर्माता

कहानी पर बनी एक पोस्ट-एपोकलिप्टिक थ्रिलर फिल्म है। इसका निर्देशन जय मेहता कर रहे हैं। इस फिल्म में रणवीर कल्याणी प्रियदर्शन के साथ मुख्य भूमिका में दिखेंगे। साथ ही, वे अपनी कंपनी ‘मां कसम फिल्म्स’ के बैनर तले फिल्म के सह-निर्माता भी हैं। 300 करोड़ रुपये के बड़े बजट वाली यह फिल्म रणवीर के करियर की अब तक की सबसे महंगी सोलो फिल्म होगी। फिल्म की शूटिंग अगस्त में शुरू होगी और सितंबर में ऑस्ट्रेलिया में इसके कई अहम हिस्सों की शूटिंग की जाएगी।

# जिस्सू ‘बहुरूपी’ में इंस्पेक्टर अयान बनकर मचाएंगे धमाल

*जिस्सू सेनगुप्ता एक बार फिर पर्दे पर लौटे हैं। इस बार वह ‘बहुरूपी’ के सीक्वल ‘बहुरूपी: द गोल्डन डाकू’ में इंस्पेक्टर अयान बनर्जी का किरदार निभा रहे हैं। निर्देशक नंदिता रॉय और शिबोप्रसाद मुखर्जी (‘पोस्टो’ और ‘बाबा बेबी ओ’ जैसी फिल्में बनाने वाले) के साथ जिस्सू दोबारा जुड़े हैं।*

**मुंबई।** रथ यात्रा के खास मौके पर फिल्म से जिस्सू का पहला लुक सामने आया। इस लुक में वह पुलिस की वर्दी, एविएटर चश्मा और मोटरसाइकिल पर सवार, एक सख्त और दमदार अवतार में दिखे। फैंस को उनके इस नए अंदाज की झलक मिल गई।

***शिबोप्रसाद ने फिल्म को रथ यात्रा से जोड़ा*** : इस लुक ने यकीनन फिल्म के एक दमदार और रोमांचक नए अध्याय की नींव रख दी है। निर्देशक शिबोप्रसाद ने बताया कि ‘रथ यात्रा के इस शुभ दिन पर भगवान जगन्नाथ को याद करते हुए, हमने अपने इस सफर की शुरुआत कर दी है।’ यह फिल्म इंस्पेक्टर बनर्जी के इर्द-गिर्द ढेर सारे एक्शन और ड्रामा से भरपूर होने का वादा करती है। इसकी रिलीज को लेकर दर्शकों में अभी से जबरदस्त उत्साह है।

# सनी अपने बेटे राजवीर को बनाएंगे एक्शन हीरो...

**मुंबई।** सनी देओल आगामी फिल्म ‘बटवारा 1947’ को लेकर चर्चा में हैं, जो अगले महीने 28 अगस्त को सिनेमाघरों में आएगी। इसमें उनके बेटे करण देओल भी अहम किरदार में नजर आने वाले हैं। इस बीच, खबर है कि सनी अपने दूसरे बेटे राजवीर देओल को दोबारा सिनेमा की दुनिया में उतारने की तैयारी में हैं। इसके लिए वह 1985 में रिलीज हुई अपनी सुपरहिट फिल्म ‘अर्जुन’ का सहारा लेंगे, जिसमें राजवीर बतौर हीरो नजर आ सकते हैं। सनी अपनी फिल्म ‘अर्जुन’ का रीमेक बनाने जा रहे हैं, जिसमें उनके दूसरे बेटे राजवीर मुख्य भूमिका में होंगे। राहुल रवैल द्वारा निर्देशित ये एक सामाजिक-राजनीतिक एक्शन ड्रामा थी। उन्होंने बताया कि फिल्म के अधिकार करीम मोरानी और उनके साथी सुनील (बंटी) सूरमा के पास थे। जिसे सूत्रों के अनुसार, शाहरुख खान को दिए गए हैं। कहा जा रहा है कि सनी को संभवतः शाहरुख से फिल्म के अधिकार मिल जाएंगे। राजवीर की पहली फिल्म हुई थी फ्लॉप राजवीर की पहली फिल्म ‘डोनो’ साल 2023 में रिलीज हुई थी जिसका निर्देशन सूरज बड़जात्या के बेटे, अवनीश एस. बड़जात्या ने किया था।

**संसद का मानसून सत्र इस बार 20 जुलाई से शुरू होने जा रहा है। यह 13 अगस्त तक चलेगा। इस सत्र में कुल 25 दिनों में 19 बैठकें होंगी। मोदी सरकार विदेशी अंशदान (नारेबाजी/चंदे) विनियमन संशोधन विधेयक और राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' के अपमान पर 3 साल की सजा का बिल जैसे कई नए विधेयक पेश करने की तैयारी में है। वहीं, मानसून सत्र में कांग्रेस समेत विपक्षी दल नीट-यूजी पेपर लीक, अन्य भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी, अयोध्या राम मंदिर दान विवाद, ई-20 ईंधन और विदेश नीति जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरने की तैयारी में हैं। ऐसे में सवाल उठना लाज़िमी है कि क्या संसद का यह सत्र भी एक बार फिर विपक्ष के प्रदर्शन और हंगामे की भेंट चढ़ जाएगा या इस बार देश को सार्थक और सकारात्मक विमर्श देखने को मिलेगा। संसद की कार्यवाही सुचारू रूप से चलाने के लिए सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच संवाद, सहमति और संसदीय नियमों का पालन आवश्यक है। संसद की गरिमा तभी बहाल हो सकती है, जब सत्ता पक्ष विपक्ष को पर्याप्त सम्मान और समय दे तथा विपक्ष भी केवल विरोध के लिए विरोध करने के बजाय रचनात्मक आलोचना का मार्ग चुनें।** ***इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...***

# मानसून सत्र के लिए आत्म अवलोकन जरूरी

विश्लेषण
डॉ. चन्द्र त्रिखा
वरिष्ठ स्तंभकार

**आज ऐसा प्रतीत होता है कि कार्यवाहियों का एजेंडा पहले से ही तयशुदा होता है। प्रतिपक्ष को अक्सर लगता है कि चर्चा एवं खबरों में बने रहने का एकमात्र सुलभ उपाय, संसदीय कार्य में बाधा डालना है। सदन का बहिष्कार करना, नारेबाजी करना, तख्तियां लहराना और शोर का स्वर ऊंचा ले जाना ही प्रासंगिक बने रहने का एकमात्र तरीका मान लिया गया है। इस सबके लिए यदि सदन से बाहर भी आना पड़े तो वहां भी मीडिया कवरेज भरपूर मिल ही जाती है। इसी परिवर्तित राजनीतिक पृष्ठभूमि में, जब भी मानसून अपने साथ ग्रीष्म ऋतु की तपन से राहत की फुहारें लेकर आता है, सम्पूर्ण राष्ट्र की निगाहें दिल्ली के सत्ता-गलियारों और विशेषकर संसद के मानसून सत्र पर टिक जाती हैं। भारतीय लोकतंत्र का हृदय हमारी संसद है।**

यह लगभग साढ़े तीन दशक पहले की बात है। उन दिनों की संसदीय जिन्दगी में सांसदों के पास न तो लैपटॉप थे, न 'गूगल' की त्वरित सुविधा और न ही सत्ता पक्ष या प्रतिपक्ष के पास अपने कोई भारी-भरकम मीडिया-वॉर रूम थे। पुरानी कतरनें एकत्र करने वाला कोई अत्याधुनिक तंत्र भी तब मौजूद नहीं था। मगर उन दिनों एचवी कामथ, नाथ पई, मधु लिमये, मधु दंडवते, डॉ. राममनोहर लोहिया और आचार्य कृपलानी सरीखे ऐसे प्रखर सांसदों की मौजूदगी, सत्ता पक्ष को भी सदा मुस्तैद व जवाबदेह बनाए रखती थी। नेहरू-लोहिया के मध्य 'साढ़े 5 आना औसत आय' और कृपलानी व नेहरू के मध्य कृष्ण मेनन प्रकरण पर होने वाली बहसें आज भी प्रासंगिक हैं और संसदीय दिशा की सच्ची सूचक हैं। तब ये दिग्गज जब सदन में प्रवेश करते थे, तो अपने तर्क के पक्ष में नियमित 'होमवर्क' भी करते थे और उनके दोनों हाथों में संदर्भ पुस्तकें होती थीं।

मगर अब इन सब बातों की कोई आवश्यकता भी महसूस नहीं होती। क्योंकि आज ऐसा प्रतीत होता है कि कार्यवाहियों का एजेंडा पहले से ही तयशुदा होता है। प्रतिपक्ष को अक्सर लगता है कि चर्चा एवं खबरों में बने रहने का एकमात्र सुलभ उपाय, संसदीय कार्य में बाधा डालना है। सदन का बहिष्कार करना, नारेबाजी करना, तख्तियां लहराना और शोर का स्वर ऊंचा ले जाना ही प्रासंगिक बने रहने का एकमात्र तरीका मान लिया गया है। इस सबके लिए यदि सदन से बाहर भी आना पड़े तो वहां भी मीडिया कवरेज भरपूर मिल ही जाती है। इसी परिवर्तित राजनीतिक पृष्ठभूमि में, जब भी मानसून अपने साथ राहत की फुहारें लेकर आता है, सम्पूर्ण राष्ट्र की निगाहें दिल्ली के सत्ता-गलियारों और विशेषकर संसद के मानसून सत्र पर टिक जाती हैं। भारतीय लोकतंत्र का हृदय हमारी संसद है, जहां देश की दिशा और दशा तय होती है। हर बार की तरह इस बार भी एक यक्ष प्रश्न पूरे देश के मानस पटल पर गूंज रहा है कि क्या संसद का यह सत्र भी एक बार फिर विपक्ष के प्रदर्शन और हंगामे की भेंट चढ़ जाएगा या इस बार देश को सार्थक और सकारात्मक विमर्श देखने को मिलेगा।

## राष्ट्रहित को मिले सर्वोच्च प्राथमिकता

जब सरकारें विपक्ष की चिंताओं को उदारतापूर्वक सुनती हैं और विपक्षी नेताओं के साथ नेपथ्य में अनौपचारिक संवाद स्थापित करती हैं, तो प्रायः बड़े से बड़े गतिरोध भी बर्फ की भांति पिघल जाते हैं। इन गंभीर परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य में, यह समय की सबसे बड़ी मांग है कि हमारे जन-प्रतिनिधि यह आत्मसात करें कि संसद कोई राजनीतिक अखाड़ा नहीं, अपितु राष्ट्रीय विमर्श का सर्वोच्च और पवित्र मंदिर है। इस मानसून सत्र से सम्पूर्ण राष्ट्र को यह अपेक्षा है कि विपक्ष अपना विरोध अवश्य दर्ज करे, परंतु तर्कों और प्रामाणिक तथ्यों की कसौटी पर। सरकार को भी विपक्ष के तीखे प्रश्नों का धैर्यपूर्वक सामना करना चाहिए और बिना किसी राजनीतिक दंभ के उनका उचित व पारदर्शी उत्तर प्रदान करना चाहिए। अंततः, यह प्रश्न अपनी जगह अडिग है कि क्या यह मानसून सत्र एक बार फिर विपक्ष के प्रदर्शन की वेदी पर स्वाहा हो जाएगा। इस प्रश्न का उत्तर पूर्णतः इस बात पर निर्भर करेगा कि सत्ता और विपक्ष, दोनों ही पक्ष अपने राजनीतिक अहंकार और दलगत स्वार्थों को किनारे रखकर राष्ट्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हैं या नहीं। यदि दोनों ही पक्ष यह स्मरण रखें कि वे उस भव्य इमारत में इसलिए आसीन हैं क्योंकि देश की सवा सौ करोड़ से अधिक जनता ने उन पर अपना अटूट विश्वास जताया है तो निश्चित ही यह सत्र हंगामे की भेंट चढ़ने के बजाय भारत की प्रगति का नया अध्याय लिखेगा।

## ज्वलंत मुद्दों की लंबी श्रृंखला

यह प्रश्न केवल एक राजनीतिक जिज्ञासा मात्र नहीं है, बल्कि यह भारत के कोटि-कोटि करदाताओं की उस गहरी चिंता का प्रकटीकरण है जो वे अपने द्वारा चुने गए जन-प्रतिनिधियों से रखते हैं। विगत कुछ वर्षों के संसदीय इतिहास के पन्नों को यदि हम पलटें तो एक अत्यंत निराशाजनक चित्र उभर कर सामने आता है। संसद के सत्र, चाहे वह शीतकालीन हो, बजट हो या मानसून, प्रायः शोरगुल, अध्यक्ष के आसन के समीप आकर की जाने वाली नारेबाजी और अंततः अनिश्चित काल के लिए कार्यवाही स्थगित होने के गवाह बने हैं।

विपक्ष के पास सदैव सरकार को घेरने के लिए ज्वलंत मुद्दों की एक लंबी श्रृंखला होती है। चाहे वह बढ़ती महंगाई का विषय हो, बेरोजगारी की चुभती समस्या हो, केंद्रीय जांच एजेंसियों के कथित दुरुपयोग का आरोप हो या फिर राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े संवेदनशील प्रसंग हों।

## सशक्त और मुखर हो विपक्ष

विपक्ष का निरंतर यह तर्क रहता है कि सरकार सदन में उनके स्वर को दबाने का प्रयास कर रही है, महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा से पलायन कर रही है और बिना किसी सार्थक बहस के कानूनों को पारित करवा रही है। दूसरी ओर, सत्ता पक्ष का यह मुखर आरोप होता है कि विपक्ष जानबूझकर राष्ट्र के विकास कार्यों में बाधा उत्पन्न कर रहा है, उसके पास कोई ठोस तर्क नहीं है और वह केवल राजनीतिक स्वार्थ की पूर्ति के लिए सदन की कार्यवाही को बाधित कर रहा है। इस निरंतर चलने वाले आरोप-प्रत्यारोप के मध्य हमें यह कदापि विस्मृत नहीं करना चाहिए कि लोकतंत्र बिना एक सशक्त और मुखर विपक्ष के नितांत अधूरा है। प्रदर्शन करना, अपनी असहमति प्रकट करना और विरोध दर्ज कराना विपक्ष का नैसर्गिक लोकतांत्रिक अधिकार है। परंतु विरोध और व्यवधान के बीच एक अत्यंत सूक्ष्म किंतु महत्वपूर्ण लक्ष्मण रेखा होती है।

## बहस के लिए तत्पर रहे सरकार

जब लोकतांत्रिक विरोध, अनियंत्रित व्यवधान में परिवर्तित हो जाता है तो विपक्ष अनजाने में उसी सर्वोच्च मंच को नष्ट कर देता है जो उसे सरकार को कटघरे में खड़ा करने के लिए प्रदान किया गया है। संसद में प्रश्नकाल और शून्यकाल जैसे बहुमूल्य प्रहर होते हैं, जब जन-प्रतिनिधि सीधे मंत्रियों से जवाब तलब कर सकते हैं। यदि सदन हंगामे की भेंट चढ़ जाता है तो विपक्ष सरकार का उत्तरदायित्व तय करने का अपना सबसे अचूक अस्त्र स्वयं ही त्याग देता है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का यह कथन आज भी प्रासंगिक है कि सरकारें बहुमत से बनती हैं, किंतु राष्ट्र सर्वसम्मति से चलता है। सत्ता पक्ष को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि विपक्ष को अपनी बात रखने का पूर्ण अवसर और सम्मान प्राप्त हो। यदि विपक्ष किसी विशेष और ज्वलंत मुद्दे पर विमर्श की मांग कर रहा है, तो सरकार को संसदीय नियमों की परिधि में उस पर खुली बहस के लिए तत्पर रहना चाहिए।

# सदन में लगातार विरोध से विपक्ष की गिरती साख

व्यवधान
चरणजीत चरण
स्वतंत्र पत्रकार

दुनिया के किसी भी लोकतंत्र में वहां की संसद को सबसे पवित्र स्थान माना जाता है। भारतीय लोकतंत्र में संसद का स्थान किसी भी धर्मस्थल से ऊपर माना गया है, क्योंकि संसद ही वह स्थान है जहां आम जनमानस की समस्याओं के निवारण के कानून बनते हैं। देश के प्रत्येक नागरिक को ध्यान में रखकर किसी भी विषय पर चर्चा-परिचर्चा होती है। उसके बाद जनप्रतिनिधियों के वोट के आधार पर कोई विधेयक कानून का रूप लेता है। जब से देश में संविधान लागू हुआ है यह प्रक्रिया अत्यंत सुदृढ़ तरीके से आगे बढ़ रही है। भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था को विश्व की सबसे सुदृढ़ और पारदर्शी लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में से एक माना जाता है। आज, जब पूरी दुनिया हमारे लोकतंत्र को एक मानक मानकर अपने देश में लोकतांत्रिक सुधार कर रही है। तब हमारे देश के लोकतंत्र में कुछ अनावश्यक त्रुटियां जगह बना रही हैं। संसद का काम होता है जनप्रतिनिधियों के माध्यम से देश की जनता की नब्ज़ टटोलना, फिर उन समस्याओं के निवारण के लिए कानून बनाना। कानून बनाने की इस प्रक्रिया को एक सकारात्मक और आलोचनात्मक बहस से गुजरना आवश्यक है। अगर कोई कानून संसद में पर्याप्त बहस के बिना कानून का रूप ले लेगा तो वह कुछ लोगों को तो संतुष्ट कर सकता है, लेकिन देश के विकास की गति में कोई महत्वपूर्ण भूमिका नहीं निभा सकता है। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका कई मायनों में सत्ता पक्ष से भी महत्वपूर्ण होती है। क्योंकि सत्तापक्ष में बैठे लोग अपने अधिकारों का दुरुपयोग कर सकते हैं। ऐसी स्थिति में अगर विपक्ष अपनी रचनात्मक भूमिका नहीं निभाता तो सरकार निरंकुश हो जाती है। पिछले कई वर्षों से यह देखा गया है कि विपक्ष जो विरोध करता है, वह रचनात्मक न होकर नकारात्मक होता है। विरोध की अपनी कुछ मर्यादाएं होती हैं। तथ्यों और तर्क के आधार पर विरोध स्वीकार्य होता है। उसे सुना भी जाता है और उससे कुछ सकारात्मक व रचनात्मक निर्णय लेने में आसानी होती है। वर्तमान समय में होने वाला विपक्ष का विरोध, विरोध कम और व्यवधान अधिक होता है। विपक्ष का सजग होना और मुखर होना दोनों आवश्यक हैं। विपक्ष का काम है आईना बनकर सरकार के समक्ष खड़े रहना। सरकार की कमियों को उजागर करना और अगर कुछ गलत हुआ है तो उसे जनता के बीच तक ले जाना। लेकिन यही विरोध जब अपनी मर्यादा लाँघकर अनियंत्रित होने लगे, अभद्रता और हठधर्मिता पर उतर आए तो इसका मतलब होता है कि विपक्ष अपने कर्तव्यों के निर्वहन में असफल है। संसद शुरू होने के पहले दिन से ही बिना किसी उचित कारण के तख्तियाँ और बैनर लेकर कुर्सियों पर खड़े हो जाना, लगातार नारेबाजी करना ,अध्यक्ष के आसन के सामने खड़े होकर शोर मचाना और इसी शोर शराबे के कारण संसद को अनिश्चित काल के लिए स्थगित करा देना न तो सरकार के पक्ष में होता है न ही विपक्ष के। इससे हर रोज जनता के टैक्स का लाखों रुपया बर्बाद होता है और बहुत से जनहित के विधेयक या तो लम्बे समय के लिए लटक जाते हैं या सरकार उन्हें बग़ैर किसी चर्चा के पास करा देती है जिसके कारण उन विधेयक में रचनात्मक सुधार की गुंजाईश समाप्त हो जाती है। इस प्रकार देश की जनता को मिलता है एक अधकचरा, अपरिपक्व कानून। जिसके दूरगामी परिणाम देश की जनता को झेलने पड़ते हैं। सरकार द्वारा बनाए गए किसी भी क़ानून के प्रावधानों को लेकर जनता में जाकर विरोध करना विपक्ष का कर्तव्य है। लेकिन देश की जनता यह भी पूछती है कि जब कानून बन रहा था उस वक्त विपक्ष कहाँ था। क्या संसद के गलियारे में खड़े होकर नारे लगा रहा था या कानून पर कोई रचनात्मक चर्चा कर रहा था। संसद का मंच सरकार की जवाबदेही तय करने के लिए और सरकार से जवाब मांगने के लिए है। शून्यकाल और प्रश्नकाल के द्वारा जनप्रतिनिधि सीधे सरकार के नुमाइंदों से जवाब मांग सकते हैं। जनता की मूलभूत समस्याएं जैसे महंगाई, बेरोजगारी, बिजली, पानी, सड़क, राशन होती हैं। इन समस्याओं पर सरकार से निरंतर प्रश्न करते रहना विपक्ष का मूल एजेंडा होना चाहिए। साथ ही राजमार्ग का निर्माण, रेल, नदी जल बंटवारा, राज्य सीमा विवाद, साम्प्रदाइक सौहार्द, विदेश नीति, दूसरे देशों के साथ अच्छे सम्बन्ध, ये सभी किसी भी देश के लिए ऐसे महत्वपूर्ण कार्य हैं जो विपक्ष के सहयोग के बिना नहीं हो सकते हैं। इन विषयों पर चर्चा के समय अगर विपक्ष हंगामा करता है तो फिर जनता का विपक्ष के प्रति मोहभंग होता है। जनता भली-भांति समझती है कि विरोध तथ्यों और तर्कों के आधार पर है या सिर्फ हंगामा खड़ा करने के लिए है। निष्कर्ष यही है कि विपक्ष को अपनी कार्यशैली पर विचार करना चाहिए। अगर विपक्ष को अपनी खोई हुई गरिमा फिर से प्राप्त करनी है तो उसे अपने विरोध का तरीका भी बदलना होगा। विपक्ष को समझना होगा कि विरोध रचनात्मक और तर्कसंगत हो, न कि सिर्फ हंगामे के लिए। विरोध के लिए पूरी संसदीय प्रक्रिया को ठप कर देना लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है। विपक्ष को चाहिए कि वह अपने तर्कों को और मजबूत करे, संसद में रचनात्मक बहस के द्वारा सरकार की नीतियों का विरोध करे यही जनता के हित में है। इसलिए आवश्यक है कि संसद की कार्यवाही निर्बाध रूप से चलती रहे। यही देश हित में है।

**विपक्ष को अपनी खोई हुई गरिमा फिर से प्राप्त करनी है तो उसे अपने विरोध का तरीका भी बदलना होगा। विपक्ष को समझना होगा कि विरोध रचनात्मक और तर्कसंगत हो न कि सिर्फ हंगामे के लिए। पूरी संसदीय प्रक्रिया को ठप कर देना लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है।**

# पक्ष व विपक्ष में बने व्यावहारिक संतुलन

मानसून सत्र
डॉ. विजेंद्र कुमार
वरिष्ठ स्तंभकार

भारतीय लोकतंत्र के मंदिर में जब भी नए सत्र की शुरुआत होती है, तो पूरे देश की निगाहें स्वाभाविक रूप से उस पर टिक जाती हैं। वर्तमान परिदृश्य में, संसद का यह सत्र केवल दैनिक कामकाज का गवाह बनने वाला नहीं है, बल्कि यह देश के भविष्य की आधारशिला रखने वाले दो ऐतिहासिक विषयों-परिसीमन विधेयक और 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' पर निर्णायक चर्चा का केंद्र बनने जा रहा है। आज हर किसी के मन में यह सवाल है कि क्या सरकार इस मानसून सत्र में इन दोनों बड़े बदलावों को सफलतापूर्वक लागू कर पाएगी।

देश के चुनावी भूगोल को बदल देने वाले इन विधेयकों का भविष्य अंततः इस बात पर निर्भर करेगा कि सदन के भीतर सरकार की रणनीति और विपक्ष की असहमति के बीच कैसा व्यावहारिक संतुलन स्थापित होता है। यदि हम परिसीमन विधेयक को समझें, तो यह केवल भौगोलिक सीमाओं का बदलाव नहीं है, बल्कि बदलती जनसंख्या के आधार पर लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व को अद्यतन करने की एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। इसके तहत लोकसभा सीटों को बढ़ाकर 850 तक करने का अभूतपूर्व प्रस्ताव रखा गया है। इसका सबसे संवेदनशील पहलू जनसंख्या से जुड़ा है, जिससे विशेष रूप से दक्षिणी राज्यों में यह आशंका उत्पन्न हो गई है कि जनसंख्या नियंत्रण में उनके अच्छे प्रदर्शन के कारण संसद में उनका प्रतिनिधित्व घट सकता है। हालांकि, गृह मंत्री ने स्पष्ट आश्वासन दिया है कि नए परिसीमन से किसी भी दक्षिणी राज्य को नुकसान नहीं होगा, बल्कि उनका आनुपातिक हिस्सा बरकरार रहेगा और कुल सीटों में भी वृद्धि होगी। इसके बावजूद, क्षेत्रीय दल इसे राज्यों के अधिकारों से जोड़कर देख रहे हैं, जिससे यह उत्तर और दक्षिण भारत के बीच एक नई राजनीतिक बहस का मुद्दा बन गया है। अब बड़ा प्रश्न यह है कि क्या सरकार इस सत्र में इस विधेयक को पारित करा सकेगी। इसे पास कराने के लिए संसद के दोनों सदनों में दो-तिहाई विशेष बहुमत की आवश्यकता होगी। लोकसभा में सत्ता पक्ष के पास पर्याप्त संख्याबल है, लेकिन राज्यसभा के आंकड़े और सहयोगी दलों की अपेक्षाओं को साधना एक कठिन चुनौती है। हालांकि, सत्तारूढ़ दल की कार्यप्रणाली में चौंकाने वाले निर्णयों का एक लंबा इतिहास रहा है, इसलिए राजनीति के इस खेल में किसी भी संभावना को पूरी तरह नकारा नहीं जा सकता।

इसी सरगर्मी के बीच, इस सत्र का दूसरा बड़ा मुद्दा 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' की दूरगामी संकल्पना है। पूर्व राष्ट्रपति की अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय समिति ने लोकसभा, विधानसभा और स्थानीय निकाय चुनाव एक साथ कराने की ठोस वकालत की है। इसका तर्क है कि इससे हजारों करोड़ रुपये की भारी बचत होगी और बार-बार आचार संहिता लगने से विकास कार्यों में आने वाली बाधाएं दूर होंगी। वहीं, इसके विपरीत विपक्ष और कई विश्लेषकों का तर्क है कि एक साथ चुनाव होने से राष्ट्रीय मुद्दों की आंधी में स्थानीय समस्याएं पूरी तरह दब जाएंगी। उन्हें डर है कि मतदाता एक ही पार्टी के पक्ष में एकतरफा मतदान कर सकते हैं, जिससे क्षेत्रीय दलों का स्वतंत्र अस्तित्व और देश का संघीय ढांचा कमजोर हो सकता है। इन दोनों महत्वाकांक्षी विधेयकों की राह में केवल संसदीय गणित ही एकमात्र बाधा नहीं है, बल्कि संवैधानिक संशोधनों की वह जटिल प्रक्रिया भी है जिसमें राज्यों की प्रत्यक्ष भागीदारी अनिवार्य होती है। विशेष रूप से 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' की संकल्पना को साकार करने के लिए संविधान के कई महत्वपूर्ण अनुच्छेदों में व्यापक संशोधन की आवश्यकता होगी। वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में, जहां कई प्रमुख राज्यों में विपक्षी दलों की मजबूत सरकारें आसीन हैं, वहां से इस विधेयक के पक्ष में समर्थन जुटाना केंद्र सरकार के लिए लोहे के चने चबाने जैसा होगा। निष्कर्ष के तौर पर कहा जा सकता है कि यह मानसून सत्र भारतीय लोकतंत्र के लिए एक ऐतिहासिक और निर्णायक पड़ाव बनने जा रहा है। परिसीमन और समकालिक चुनाव, दोनों ही ऐसे परिवर्तनकारी कदम हैं, जिनके लिए केवल साधारण बहुमत नहीं, बल्कि एक व्यापक राष्ट्रीय सहमति की आवश्यकता है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या सरकार अपने राजनीतिक कौशल से इस जटिल चक्रव्यूह को भेद पाती है या विपक्ष एकजुट होकर इन विधेयकों को फिलहाल रोकने में सफल रहता है। पूरे देश को प्रतीक्षा है कि पक्ष और विपक्ष राजनीतिक स्वार्थों से ऊपर उठकर इन गंभीर विषयों पर परिपक्व विमर्श प्रस्तुत करेंगे।

**यह मानसून सत्र भारतीय लोकतंत्र के लिए एक ऐतिहासिक और निर्णायक पड़ाव बनने जा रहा है। परिसीमन और समकालिक चुनाव, दोनों ही ऐसे परिवर्तनकारी कदम हैं, जिनके लिए केवल साधारण बहुमत नहीं, बल्कि एक व्यापक राष्ट्रीय सहमति की आवश्यकता है।**

# सांसदों के दैनिक भत्तों में करें कटौती

आर्थिकी
डॉ. पवन कुमार शर्मा
स्वतंत्र पत्रकार

भारतीय संसद देश की संप्रभुता, लोकतांत्रिक मूल्यों और जन-आकांक्षाओं का प्रतीक है। पिछले कुछ दशकों में संसद के भीतर बढ़ते गतिरोध और घटती उत्पादकता ने करदाताओं की धनराशि के सदुपयोग और जनप्रतिनिधियों की जवाबदेही पर बड़े सवाल खड़े किए हैं। भारतीय संसद को चलाने में भारी जन-धन का व्यय होता है। हालिया बजटीय आकलनों और संसदीय आंकड़ों के अनुसार, संसद के दोनों सदनों लोक सभा और राज्य सभा को सुचारू रूप से चलाने का अनुमानित खर्च लगभग 2.5 लाख प्रति मिनट यानी 1.5 करोड़ प्रति घंटा आता है। इस हिसाब से एक दिन की सामान्य कार्यवाही का खर्च करीब 9 करोड़ तक पहुंच जाता है। इस खर्च में सांसदों के वेतन-भत्ते, संसद भवन का रखरखाव, सुरक्षा, सचिवालय का स्टाफ, मुद्रण और सत्र के दौरान होने वाले अन्य प्रशासनिक खर्च शामिल हैं। जब सदन में व्यवधान के कारण कार्यवाही स्थगित होती है तो यह पूरा पैसा बिना किसी विधायी परिणाम के व्यर्थ हो जाता है।

क्या संसद न चलने पर सांसदों का भत्ता काटा जाना चाहिए? यह मुद्दा भारतीय लोकतंत्र में ज्वलंत बहस बन चुका है। इसके दो मुख्य पहलू हैं। सकारात्मक पक्ष (भत्ता काटे जाने के) यह है कि कॉरपोरेट या किसी भी संगठित क्षेत्र में 'नो वर्क, नो पे' का नियम लागू होता है। जनता का तर्क है कि जब करदाताओं की गाढ़ी कमाई से सांसदों को प्रतिदिन 'सदन उपस्थिति भत्ता' और अन्य सुविधाएं मिलती हैं तो बिना काम किए इसे प्राप्त करना नैतिक रूप से गलत है। व्यवधान के दिनों का भत्ता काटने से सांसदों में जवाबदेही बढ़ेगी। नकारात्मक पक्ष यह है कि संसदीय लोकतंत्र में विरोध दर्ज कराना भी एक वैध उपकरण माना जाता है। कई बार विपक्ष को अपनी बात रखने का समय नहीं मिलता, जिससे मजबूरन वे सदन के बीचों-बीच वेल में आकर प्रदर्शन करते हैं। सांसद का काम केवल संसद में बैठना नहीं होता, वे समितियों में काम करते हैं और अपने निर्वाचन क्षेत्र की समस्याओं का निवारण भी करते हैं। जब बजट या महत्वपूर्ण कानून बिना किसी बहस के 'गिलोटीन' (बिना चर्चा के पास करना) के जरिए पारित हो जाते हैं तो यह न केवल वित्तीय नुकसान है बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों का भी हनन है। 2024 के आम चुनावों के बाद गठित 18वीं लोक सभा में विपक्ष ने पहले की तुलना में अपनी आवाज़ मजबूत की है। इसके प्रारंभिक और बजट सत्रों (2024) में लोक सभा और राज्य सभा क्रमशः 22 और 20 दिनों तक चलीं। हालांकि 2026 के बजट सत्र में विपक्ष और सत्तापक्ष के बीच तीखी नोंकझोंक के कारण लगभग 20-25 घंटे व्यवधान की भेंट चढ़ गए, जिससे टैक्सपेयर मनी का नुकसान हुआ। नीट परीक्षा विवाद, विभिन्न केंद्रीय मुद्दों पर विपक्ष के तीखे तेवर, हिंडनबर्ग रिपोर्ट और सेना के पूर्व जनरलों की किताबों के अंशों पर सदन में चर्चा को लेकर हुए विवादों ने सदन को बार-बार बाधित किया। भारतीय संसद के इतिहास को देखें तो पहली तीन लोक सभाओं (1952-1967) में वार्षिक बैठकों का औसत 120-130 दिन होता था, जो अब घटकर औसतन 60-70 दिन रह गया है। संसद में होने वाले व्यवधान महज तात्कालिक राजनीतिक विवाद नहीं होते बल्कि इनके पीछे कुछ गहरे संस्थागत और सियासी कारण होते हैं। विपक्ष का अकसर यह आरोप रहता है कि सरकार महत्वपूर्ण और संवेदनशील राष्ट्रीय मुद्दों पर स्थगन प्रस्ताव के तहत चर्चा से बचती है। करदाताओं का पैसा देश के निर्माण के लिए है न कि राजनीतिक गतिरोध की बलिवेदी पर चढ़ने के लिए। संसद की उत्पादकता सुधारने और वित्तीय नुकसान को रोकने के लिए कुछ ठोस सुधारात्मक कदम उठाने की आवश्यकता है। न्यूनतम कार्य दिवस तय करना इस दिशा में पहला कदम हो सकता है। यदि कोई सांसद या दल जानबूझकर बिना किसी ठोस विधायी कारण के सदन को लगातार बाधित करता है तो आनुपातिक रूप से उनके दैनिक भत्तों में कटौती का कानून बनना चाहिए।

हर महत्वपूर्ण विधेयक को संसद में पारित होने से पहले अनिवार्य रूप से विभाग-संबंधित स्थायी समितियों के पास भेजा जाना चाहिए ताकि उन पर विशेषज्ञता के साथ चर्चा हो सके। संसद की गरिमा, सर्वोच्चता और उत्पादकता तभी बहाल हो सकती है, जब सत्ता पक्ष विपक्ष को पर्याप्त सम्मान और समय दे और विपक्ष भी केवल विरोध के लिए विरोध करने के बजाय रचनात्मक आलोचना का मार्ग चुने।

**संसद की उत्पादकता सुधारने और वित्तीय नुकसान को रोकने के लिए कुछ ठोस सुधारात्मक कदम उठाने की आवश्यकता है। यदि कोई सांसद या दल जानबूझकर बिना किसी ठोस विधायी कारण के सदन को लगातार बाधित करता है तो आनुपातिक रूप से उनके दैनिक भत्तों में कटौती का कानून बनना चाहिए।**

## खबर संक्षेप

### खेत में फिर मिला महिला का खून से सना शव, हत्या की आशंका

**कवर्धा।** विलंभ से मिली जानकारी के मुताबिक जिले के स. लोहारा थाना क्षेत्रांतर्गत ग्राम सिंगारपुर में करीब दो माह बाद पुनः एक महिला की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। मृतक महिला का खून से लतपथ शव खेत में पड़ा पाया गया है। घटना की जानकारी के बाद ग्रामीणों और मृतका के परिजनो ने इसकी सूचना स. लोहारा पुलिस को दे दी है पुलिस ने शव बरामद कर मर्ग कायम कर लिया है और अब मामले की विवेचना की जा रही है। लेकिन घटना के दो दिन बाद भी अभी तक पुलिस के हाथ खाली बताए जा रहे हैं। इस संबंध में थाना स. लोहारा पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के ग्राम सिंगारपुर के एक खेत में बीते गुरूवार की सुबह ग्रामीणों की सूचना पर एक महिला का खून से लतपथ शव बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक विवेचना में मृतका की पहचान किरण वर्मा आयु 32 वर्ष निवासी सिंगापुर के रूप में की गई है। घटना की सूचना मिलते ही गांव में लोगों की भीड़ जुट गई और क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया। ग्रामीणों ने सुबह खेत में महिला का शव पड़ा देखा। सिर और चेहरे पर गंभीर चोटों के निशान थे और आसपास खून फैला हुआ था।

### बिच्छू के डंक से बुजुर्ग की मौत

**धमतरी।** पेड़ में हाथ रखकर खड़े एक बुजुर्ग को बिच्छू ने डंक मार दिया। इस घटना में बुजुर्ग की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। अस्पताल पुलिस चौकी के अनुसार भखारा निवासी परदेशीराम साहू पिता कोदूराम उम्र 83 वर्ष अक्सर घर पर ही रहता था। कभी-कभी वह खेत देखने चला जाता था। शुक्रवार को भी बुजुर्ग खेत गया था। दोपहर के समय बुजुर्ग खेत की मेड़ पर स्थित कौहा पेड़ में अपना बायां हाथ रखकर खड़ा था। इसी दौरान पेड़ पर चढ़े जहरीले बिच्छू ने उसके हाथ को डंक मार दिया।

गहमागहमी के बीच ग्रामसभा ने प्रस्ताव किया पारित

# धर्मांतरण पर रोक, इंजरम बना पादरी नो एंट्री जोन

एजेंसी ⏭ सुकमा

ग्रामीणों ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित करते हुए तय किया कि गांव में बाहरी पादरियों के प्रवेश पर रोक रहेगी तथा बिना ग्रामसभा की अनुमति किसी भी प्रकार की प्रार्थना सभा, चंगाई सभा या धार्मिक आयोजन नहीं किया जाएगा। ग्रामीणों का कहना है कि हाल के दिनों में इन्हीं गतिविधियों के कारण गांव का सामाजिक माहौल प्रभावित हुआ था।

- दरभागुड़ा के बाद इंजरम में धर्मांतरण के खिलाफ एकजुट हुए ग्रामीण

जिले के कोंटा विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत इंजरम में पिछले कई दिनों से जमीन और धर्मांतरण को लेकर चल रहा विवाद आखिरकार प्रशासन की पहल से शांत हो गया। बैठक में गांव में शांति, सामाजिक सौहार्द और कानून व्यवस्था बनाए रखने को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का निर्णय लिया गया।

#### फंदीगुड़ा ग्रामसभा में प्रस्ताव पास

फंदीगुड़ा में आयोजित ग्रामसभा में ग्रामीणों ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित करते हुए तय किया कि गांव में बाहरी पादरियों के प्रवेश पर रोक रहेगी तथा बिना ग्रामसभा की अनुमति किसी भी प्रकार की प्रार्थना सभा, चंगाई सभा या धार्मिक आयोजन नहीं किया जाएगा। ग्रामीणों का कहना था कि हाल के दिनों में इन्हीं गतिविधियों के कारण गांव का सामाजिक माहौल प्रभावित हुआ था, इसलिए भविष्य में ऐसी स्थिति से बचने के लिए यह निर्णय लिया गया। जिले के ग्राम पंचायत इंजरम के ग्राम फंदीगुड़ा गांव में धर्मांतरण के मुद्दे को लेकर ग्रामीणों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि मूलाकिसोली पंचायत निवासी रामदास और मौसम नागेश गांव में प्रार्थना सभा एवं चंगाई सभा आयोजित कर धर्मांतरण को बढ़ावा दे रहे हैं।

अब नही होगी प्रार्थना व चंगाई सभाः सरपंचः इंजरम के सरपंच सलवम राजाराव ने दावा किया कि फंदीगुड़ा में आठ परिवार धर्म परिवर्तन कर चुके हैं, जबकि तीन परिवारों की घर वापसी के बाद फिर से माहौल बिगाड़ने का प्रयास किया गया। इसी को देखते हुए ग्राम सभा में पुनः निर्णय लिया गया कि गांव में किसी भी प्रकार की प्रार्थना सभा या चंगाई सभा आयोजित नहीं होने दी जाएगी।

#### दरभागुड़ा के बाद इंजरम में बड़ा निर्णय

एक माह कोंटा ब्लाक के ग्राम पंचायत दरभागुड़ा में भी धर्मांतरण के विरूद्ध इसी तरह का निर्णय लिया गया था और पुनः इंजरम में भी धर्मांतरण के विरूद्ध ग्रामीणों ने मोर्चा खोल दिया। इंजरम बैठक में यह भी मांग उठी कि अनुसूचित जनजाति के आरक्षण का लाभ लेकर शासकीय सेवा में कार्यरत ऐसे कर्मचारियों की जांच कराई जाए जिन पर धर्म परिवर्तन के बावजूद आरक्षण का लाभ लेने के आरोप हैं। कुछ ग्रामीणों ने धर्म परिवर्तन करने वाले परिवारों के जाति प्रमाण पत्र की जांच कराने और शासन से आवश्यक कार्रवाई की मांग भी की। ग्रामीणों का दावा है कि दरभागुड़ा के बाद सुकमा जिले में यह दूसरा गांव है, जहां धर्मांतरण के मुद्दे पर ग्राम स्तर पर इस प्रकार का निर्णय लिया गया है।

# मालवाहक को ट्रेलर ने ठोंका बालक की मौत, 9 घायल

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजनांदगांव

नेशनल हाईवे में छोटा हाथी माल वाहक खराब होने से सड़क किनारे खड़ी थी। इसी दौरान लापरवाही से भागती आ रही ट्रेलर ने जोरदार ठोकर मार दिया। जिससे छोटा हाथी में सवार लोगों को गंभीर चोंटे आई। जिसमें एक बालक की मौत हो गई। बीती रात हुए इस घटना पर पुलिस ने आरोपी वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार दुर्ग निवासी मां बम्लेश्वरी के दर्शन करने छोटा हाथी माल वाहक में सवार होकर डोंगरगढ़ गए थे, जहां से वे बीती रात वापस लौट रहे थे। वे लालबाग थाना क्षेत्र अंतर्गत भानपुरी स्थित सांई मिथिला ढाबा के सामने पहुंचे ही थे कि वाहन का क्लच प्लेट खराब हो गया था।

#### बालक की मौत, 9 लोगों का उपचार

घटना में वंश शर्मा 14 वर्ष शंकर नगर दुर्ग को गंभीर चोंट आई और उसकी मृत्यु हो गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार वाहन में सवार 9 महिला, पुरूष व बच्चे घायल हैं, जिन्हें उपचार हेतु पेंड्री मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। घटना की रिपोर्ट आशीष शर्मा 42 वर्ष ने दर्ज कराई है। पुलिस ने आरोपी वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

#### दस लोग थे सवार

वाहन को सड़क किनारे खड़ी कर मिस्त्री से सुधरवा रहे थे। इसी दौरान रात लगभग 10 बजे नागपुर से दुर्ग की ओर आ रही वाहन ट्रेलर के चालक ने तेज गति एवं लापरवाही से चलाते सुपर केरी छोटा हाथी माल वाहक को जोरदार ठोकर मार दिया। बताया गया कि छोटा हाथी माल वाहक में 10 महिला, पुरूष व बच्चे सवार थे। उक्त जबर्दस्त दुर्घटना के बाद माल वाहक में सवार लोगों में हायतौबा मच गई थी।

# दूसरी पत्नी को भी मिलेगा परिवार पेंशन का लाभ

**बिलासपुर।** छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण निर्णय में कहा है कि, विशेष परिस्थितियों में मृत शासकीय कर्मचारी की दूसरी पत्नी भी पहली पत्नी की मृत्यु के बाद परिवार पेंशन प्राप्त करने की अधिकारी हो सकती है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि परिवार पेंशन संबंधी मामलों में पेंशन नियमों की कल्याणकारी भावना को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। यह मामला स्वर्गीय मनोकांत पाण्डेय की दूसरी पत्नी श्रीमती अन्नपूर्णा पाण्डेय से संबंधित था। कृषि अनुसंधान केंद्र जगदलपुर में कार्यरत कर्मचारी मनोकांत की मृत्यु वर्ष 2007 में हो गई थी। मृत्यु के बाद हुए समझौते के अनुसार पहली पत्नी श्रीमती पुष्पलता उपाध्याय को परिवार पेंशन तथा दूसरी पत्नी को भविष्य निधि की राशि और अनुकंपा नियुक्ति का लाभ दिया गया था। वर्ष 2020 में पहली पत्नी के निधन के बाद श्रीमती अन्नपूर्णा पाण्डेय ने परिवार पेंशन के लिए आवेदन किया, जिसे इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर ने 4 सितंबर 2021 को यह कहते हुए अस्वीकार कर दिया कि, दूसरी पत्नी का विवाह पहली पत्नी के जीवित रहते हुए हुआ था, इसलिए वह परिवार पेंशन की पात्र नहीं हैं।

#### व्याख्या उदारतापूर्वक की जानी चाहिए

याचिकाकर्ता ने अधिवक्ता सुश्री दीपाली पांडे के माध्यम से हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए कहा कि,पहली पत्नी की मृत्यु के बाद वह मृत कर्मचारी की एकमात्र जीवित आश्रित पत्नी हैं। साथ ही उन्हें अनुकंपा नियुक्ति भी दी गई थी, जिससे उनके पारिवारिक संबंध को स्वयं नियोक्ता ने स्वीकार किया था। मामले की सुनवाई के बाद न्यायमूर्ति बिभू दत्ता गुरु की एकलपीठ ने कहा कि, छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1976 के नियम 47(7) में एक से अधिक विधवाओं की स्थिति का उल्लेख है और यह एक कल्याणकारी प्रावधान है, जिसकी व्याख्या उदारतापूर्वक की जानी चाहिए। कोर्ट ने माना कि पहली पत्नी की मृत्यु के बाद परिवार पेंशन का कोई अन्य दावेदार शेष नहीं था।

### कार के बोनट में छिपाकर गांजा की तस्करी, दो लोग गिरफ्तार

**महासमुंद।** कार के बोनट और डिक्की में छिपाकर गांजा तस्करी करने वाले दो लोगों को एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स और कोमाखान पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मामले में आरोपियों के कब्जे से 15.77 लाख रुपए का 34.540 किलो गांजा बरामद किया गया। पुलिस ने बताया कि एंटी नारकोटिक टास्क फोर्स द्वारा अवैध मादक पदार्थ गांजा की तस्करी, परिवहन तथा बिक्री पर प्रभावी एवं विधिवत कार्रवाई करने हेतु निर्देश प्राप्त हुआ है। जिसके परिपालन में जिले मंस पुलिस के द्वारा लगातार चेकिंग कार्रवाई की जा रही है। इसी दौरान कोमाखान पुलिस को मुखबीर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि ओडिशा से छत्तीसगढ़ की ओर एक सफेद रंग मारूति डिजायर कार (क्रमांक यूपी 92 एटी 9865) में 02 व्यक्ति अवैध मादक पदार्थ गांजा परिवहन कर रहे हैं। इस सूचना के बाद मुख्य मार्ग पर नाकाबंदी की गई। कार के वहां पहुंचने पर पुलिस ने पूछताछ की।

# 5 लाख की सुपारी लेकर कांग्रेस नेता पर किया गया था जानलेवा हमला, दो गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

कांग्रेस नेता पर जान लेवा हमला के मामले में नया मोड़ आ गया है। 5 - 5 लाख की सुपारी लेकर हत्या करने के लिए जान लेवा हमला किया गया था। पुलिस ने नाबालिग सहित दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है।

4 जुलाई 2026 को तेलीपारा निवासी कांग्रेस नेता श्याम कश्यप मार्निंगवाक पर रेलवे क्षेत्र की ओर गए थे। रेलवे हास्पिटल के पास अज्ञात लोगों के द्वारा उन पर जान लेवा हमला कर दिया था। पुलिस अपराध कायम कर जांच में जुट गई थी। समाज के लोगों ने एसएसपी रजनेश सिंह को ज्ञापन सौंपकर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की थी। एसएसपी श्री सिंह के निर्देश पर तारबाहर सीसीटीवी फुटेज खंगालने में लगी हुई थी। काफी मशक्कत के बाद पुलिस सीसीटीवी फुटेज से बाइक की पहचान कर पाई। उसके आधार पर पुलिस ने जीपीएम गौरेला पतेराटोला निवासी नितिन टेकाम पिता लच्छू टेकाम 21 साल व एक नाबालिग को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, पेण्ड्रा निवासी दीपक तिवारी ने उन्हें श्याम कश्यप की हत्या करने के लिए 5 - 5 लाख रुपए की सुपारीदी थी। सुपारी देने वाला दीपक तिवारी व एक अन्य आरोपी साहिल सोनकर फरार हैं। बताया जा रहा है दीपक तिवारी को श्याम कश्यप की हत्या कराने के लिए किसी और ने सुपारी दी थी। दीपक तिवारी के पकड़े जाने के बाद सुपारी देने वाले मुख्य आरोपी का नाम सामने आ पाएगा।

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि CLASSIFIED
Email : response.haribhoomi@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 6263818152
79871-19756

**Appointment आवश्यकता**

**सिक्योरिटीगार्ड**

अतिशीघ्र आवश्यकता है- सुरक्षा गार्ड 17000 सुपरवाइजर 18000 फील्ड अधिकारी 16000 कंप्यूटर ऑपरेटर 15000 वेतन योग्यतानुसार मेस सुविधा ,आवास भोजन फ्री संपर्कः- अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, कार्यालयः- 06 जे. शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका रायपुर 7746000016, 7747000016, 7747000019, 7746000019.(आरो-891)

**दुकान कार्य**

आवश्यकता है- थोक दवाई दुकान में लड़को/लड़की (फ्रेशर/अनुभवी) की जरूरत है वेतन योग्यता अनुसारः *आशीष शुभम मेडिकोज 41 छत्तीसगढ़ दवा बाज़ार राजबंधा मैदान रायपुर 81039 81038. (आरो-188)

आवश्यकता है- बर्जर पेंट दुकान में कार्य हेतु लड़कों ( कम से कम बारहवीं) की,वेतन 11 से 13,000, अनुभवी एवं आसपास रहने वालों को प्राथमिकता । अमृत सेल्स , स्टेशन रोड ,रायपुर । मोबाइल 9827174205. (आरो-195)

आवश्यकता है- किराना एवं डेली नीड्स की दुकान में कार्य करने हेतु कर्मचारीयों की वेतन 10 से 15 हजार योग्यतानुसार अनुभवी को प्राथमिकता । संपर्कः- सी - मार्केट सेक्टर-6 भिलाई 98266-84859. (आरो-316)

हरिभूमि

आवश्यकता है- दुकान में काम करने हेतु लड़के एंव लड़कियों की आवश्यकता है। वेतन - 8000 से 10,000 तक संपर्क करें- सदगुरू आटो एसोसीरीज एम.जी.रोड गुजराती स्कूल सिंधी मार्केट शिवा हार्डवेयर के बाजू में मों.- 7773036060, 8889444544.(आरो-897)

**असिस्टेंट/फील्ड वर्क**

आवश्यकता है- ऑफिस असिस्टेंट के साथ फील्ड में भी कार्य कर सके (ऑलराउंडर) ऐसे व्यक्ति की जरूरत है कार चलाने वाले को प्राथमिकता। खबर वर्ल्ड मिडिया ग्रुप तेलीबांधा रायपुर मो 9329228972. (आरो-900)

**टेक्नीशियन**

आवश्यकता है- यूरेका फोर्ब्स (Aquaguard) : सर्विस टेक्नीशियन -10 , टेलीकॉलर - 2, सेल्स रिप्रेजेंटेटिव - 6, दीपिका सर्विसेज - कर्मचारी कॉलोनी, कुशालपुर मोबाइलः 9826652461. (आरो-893)

**असिस्टेंट**

आवश्यकता है- अशोका रतन, शंकर नगर रायपुर में एक डेंटल क्लीनिक में काम करने हेतु एक असिस्टेंट लड़की जो 12वीं पास हो चाहिए। सैलरी 7000 से 7500 तक सम्पर्क करें- 8435533000, 9179908935. (आरो-41446)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

**फील्ड कार्य**

आवश्यकता है- एग्रीकल्चर फार्म में काम करने के लिए लड़कों की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता दी जाएगी एवं फील्ड में काम करने के लड़के चाहिए पेमेंट 15000 -25000 और रहने की सुविधा दोपहिया वाहन दिया जाएगा , संपर्क रवि उभारानी-7389582131, 6264712566, राम कृषि फार्म तरकोरी राम कृषि फार्म सुरहोली मिलने का समय 12:00 बजे से 3:00 तक फोन करके ही इंटरव्यू देने आए (आरो न.-318)

**घरेलु कार्य**

आवश्यकता है- घरेलू महिला सहायक चाहिए, उम्र 18-40। (24 घंटे को प्राथमिकता,) अन्यथा 11–12 घंटे। कपड़े व घरेलू काम, कभी बच्चे की देखभाल; काम वाली न आए तो झाड़- पोछा- बर्तन। अनुभवी जरूरी। 24 घंटे हेतु रहना- खाना। 2 छुट्टी /माह। न्यू चंगोराभाठा, रायपुर। 7039749769. (आरो-047)

आवश्यकता है- बच्चा सँभालने हेतु 24 घंटे की बाई (लड़की)चाहिये। रहना एवं खाना दिया जाएगा। स्थान महावीर नगर , रायपुर सॉम्पर्क करे 7024416652.(आरो-892)

**मार्केटिंग कार्य**

आवश्यकता है- रायपुर में शंकर नगर स्थित एक डेंटल क्लीनिक की मार्केटिंग करने के लिए एक ग्रेजुएट लड़के की आवश्यकता है। मोबाइल और बाइक आवश्यक। सम्पर्क करें- 9300416538. (आरो-41452)

क्लासीफाईड

**टेक्नीशियन**

आवश्यकता है- कम्पनी का नाम. ऐशियन पूल्स पता- भाठागांव, रायपुर पद का नाम- टेक्नीशियन योग्यता- 5वीं से 12वीं समय- 10 घंटा वेतन - 12000/- से 15000/- मो. नं. - 9109260731, 9669082359.(आरो-895)

**ड्रायवर**

आवश्यकता है- अनुभवी कार ड्राइवर की आवश्यकता न्यूनतम 10 वर्ष का अनुभव अनिवार्य, वेतन 15,000 प्रतिमाह। समय : सुबह ९ बजे से रात्रि ९ बजे तक, संपर्क करें: 9826708233 ,पताः 4/17, दक्षिण गंगोत्री, पोस्ट सुपेला, भिलाई (छ.ग.) (RO-SPD/0062)

**कुक**

आवश्यकता है- शंकर नगर रायपुर हेतु 1. सिंधी खाना बनाने हेतु महिला कुक एवम कार चलाने हेतु कुशल ड्राइवर की आवश्यकता है। अनुभवी सम्पर्क करें:- 9893132000. (आरो-416)

**ऑफिस कार्य**

शीघ्र आवश्यकता है- जो बाहर रहकर कार्य कर सके इंदौर में ऑफिस कार्य हेतु लड़के, आयु 18 से 30 वर्ष वेतन 12000 + कमीशन+ बोनस के साथ 20000 रहना फ्री + गाड़ी किराया + कोई शुल्क नहीं लगेगा संपर्क- 9630922589, 9893029618.(आरो-530)

हरिभूमि क्लासीफाईड छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

**आवश्यकता**

आवश्यकता है- नौकरी कर्मचारियों की आवश्यकता है :- मल्टी नेशनल कंपनी में कार्य हेतु बेहतरीन करियर अवसर, फ्रेशर और अनुभवी दोनों के लिये, आयु सीमा 22–50 वर्ष, फुल-टाइम या पार्ट-टाइम, मासिक आय 25,000–33,000 + इंसेंटिव + बोनस। महिलाओं को प्राथमिकता, कार्यस्थलः रायपुर, संपर्क करें 7987566591 / 9516911911 / 9755162144. (आरो-899)

**ऑफिस बॉय**

आवश्यकता है- ऑफिस हेतु 10वीं पास ऑफिस बॉय एवं घर में घरेलु नौकर और बच्चे के लिए आया की आवश्यकता है संपर्क करें- बेलकेम 16/5 दिक्षित कॉलोनी कोसानगर भिलाई मो.-94062-41383, 73890-10383 (आरो न.-315)

**घरेलु कार्य**

आवश्यकता है- रायपुर में एक फैमिली की आवश्यकता हैं - पत्नी जो घर मे रहकर घर के कार्य कर सके एवं पति जिसे ड्राइविंग आती हो जो बुलेरो पिकअप चला सके उसे प्राथमिकता। रहने/ बिजली, पानी की सुविधा। वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्कः- 9893413130, 9425509393. (आरो-942)

**सर्वे प्रचार कार्य**

आवश्यकता है- ऑफिस हेतु कंप्यूटर कार्य एवं डोर टू डोर सर्वे प्रचार हेतु महिलाओं की आवश्यकता है संपर्क - मातृ दृष्टि वेलफेयर फाऊंडेशन भिलाई मो 9039088128, 9244378559. (आरो-317)

**सेल्समैन/हेल्पर**

आवश्यकता है- थोक कपड़े की दुकान में कार्य करने हेतु अनुभवी सेल्समैन व हेल्पर तथा कम्प्युटर में बिल बनाने हेतु कम्प्युटर ऑपरेटर की आवश्यकता है। 10-15 लड़के चाहिए। मिलने का समयः दोपहर 3 से 6 बजे तक चुन्नीलाल केसरीमल बरलोटा शॉप नंबर डी 29- 30, प्रथम गेट टेक्सटाइल मार्केट पंडरी, रायपुर, संपर्कः 9425506658, 9424200658, 9977252503.(RO-7271)

**केयर टेकर**

आवश्यकता है- रायपुर में पुरुष कोमा पेशेंट हेतु केयर टेकर चाहिए। आयु अधिकतम 35 वर्ष, न्यूनतम 12वीं उत्तीर्ण। मेडिकल ज्ञान आवश्यक नहीं। रहने की सुविधा उपलब्ध। वेतन योग्यता अनुसार। संपर्कः राकेश अग्रवाल, ए-73, लविस्ता कॉलोनी, अमलीडीह, रायपुर। मो.: 9575042812। मिलने का समयः सुबह 9 से 11 बजे।(आरो-898)

**कंडक्टर/ड्रायवर**

आवश्यकता है- दुर्ग, भिलाई, रायपुर स्कूल, स्टाफ बस हेतु महिला कंडक्टर ,ड्राइवर की आवश्यकता आधारकार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस(हैवी व्हीकल) wat-sup करें पता बस स्टैंड दुर्ग 9343322450, 7385600786, 9424125786. (आरो-1319)

हरिभूमि क्लासीफाईड छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

**सेल्स ऑफिसर**

WANTED- Field / Sales Officer for Chhattisgarh by Pune-based Fertilizer Manufacturing & Marketing Company Edu. Qual :B.Sc./M.Sc. (Agri.) ,Exp.- min. 2 yrs Locations: Bilaspur, Rajnandgaon, Bemetara, Sakti, Mahasamund, Raigarh, Kawardha & Kumhari 2-Wheeler must. Apply within 7 days to hrman-shya@gmail.com MO.9584040029, 9011001890.(आरो न-1322)

**थैरेपिस्ट**

आवश्यकता है- कार्य हेतु 20 से 35 वर्ष महिला एवं पुरुष मसाज थैरेपिस्ट की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार सम्पर्क :- नेचर क्योर हॉस्पिटल, आनंदनगर रायपुर 9993137510. (आरो-416)

**ड्रायवर**

आवश्यकता है- घरेलु गाड़ी व एम्बुलेंस चलाने 2 ड्राइवर की आवश्यकता है, रहने की सुविधा संपर्कः बांठिया हॉस्पिटल राजातालाब रोड़ रायपुर 0771-2425009.(आरो-554)

विज्ञापन बुकिंग टाइम सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

**Education शिक्षण**

प्रवेश प्रारंभ- फेल विद्यार्थी समय बचाए पत्राचार, ओपन, प्राईवेट, द्वारा 10वी, 12वी पास करेः-B.ED, B.A, B.COM, B.Sc, BCA, MCA, BBA, LLB M.A, M.COM, M.SC, MBA, MSW, B.LIB, M.LIB, DCA, PGDCA, POLY-TECHNIC, B.tech M.tech (अपनी अधूरी पढ़ाई एक साल में पूरी करे) सभी कोर्सेस मान्यता प्राप्त युनिवर्सिटी द्वारा संपर्क Bharti Education Academy Sector-6 Bhilai 9826196515, 9826896515.(आरो न.-4157)

**Finance फायनेंस**

फाइनेंस - विनायिका फाइनेंस कंपनी समस्त प्रकार के लोन कृषि, बिजनेस, समूहलोन, पर्सनल, लेबरकार्ड, डेयरीफार्म, होमलोन, आधारकार्ड पर 40000 से 50 लाख तक (2 प्रतिशत ब्याज), (30 प्रतिशत छूट). संपर्क करें- 7489545029.(आरो-4401)

**वैवाहिकी वधु चाहिए**

वधु चाहिए- 34 वर्ष-5'6'' मनवा (कुर्मी), (US) अमेरिका में सॉफ्टवेयर इंजिनियर हेतु शिक्षित मांगलिक वधु चाहिए मो.- 99819-096941, 97552-05590 (मैरिज ब्यूरो क्षमा करें) (313)

हरिभूमि

**CLASSIFIED RATE CARD**
01 अप्रैल 2025 से लागू
हरिभूमि समाचार ही नहीं, विचार भी

| EDITION | Appointment | Service/Business | Property Rent & Sale | Display |
|---|---|---|---|---|
| Raipur City | 500 | 620 | 550 | 175/- Sq cm |
| Bhilai + Durg Edition | 440 | 560 | 520 | 150/- Sq cm |
| Bilaspur City | 440 | 500 | 520 | 140/- Sq cm |
| Raipur All Edition | 720 | 820 | 800 | 240/- Sq cm |
| Bilaspur All Edition | 610 | 780 | 690 | 195/- Sq cm |
| All CG | 1000 | 1150 | 1120 | 310/- Sq cm |
| All CG + MP | 1280 | 1750 | 1600 | 330/- Sq cm |
| All Edition | 1700 | 2100 | 2000 | 380/- Sq cm |

SCHEME
1. Pick of the day 15 % extra.
2. Rs. 70/- per day extra charge for bold advt.
3. Box Prise per day Rs. 80/-
4. 20% per day extra charge for colour advt.
5. After 30 words Rs. 10/- per day per extra word charge.
6. For E-mail id Rs. 50/- Extra per day.
7. Business & Services- ASTROLOGY, SMS & Others.
8. NO SCHEME FOR TOWER & FINANCE AD
9. SINGLE DAY BOOKING 100Rs. EXTRA.

COLOUR 20% Extra Charge For Disply
GST For All Ad

EDUCATION SPECIAL

| EDITION | RATE | |
|---|---|---|
| Raipur City | 3000 | 2+1 |
| Bhilai + Durg Edition | 2800 | 5+3 |
| Raipur Edition | 4400 | 10+10 |
| Bilaspur City | 2500 | 15+18 |
| Bilaspur Edition | 3800 | |
| All CG | 5500 | |

MATRIMONIAL CG+MP

| (Runing Matter) | (Size 5x1 Box) |
|---|---|
| 500 /- 1 Sunday | 800 /- 1 Sunday |
| 900 /- 2 Sunday | 1200 /- 2 Sunday |
| 1200/- 3 Sunday | 1500/- 3 Sunday |

HEALTH CARE 10X1 FIX SIZE

| | | | |
|---|---|---|---|
| Raipur City | 55000 | 85000 | 1,10,000 |
| Bilai + Durg Edition | 50000 | 80000 | 1,00000 |
| Bilaspur City | 40000 | 70000 | 1,00000 |
| Raipur All Edition | 70000 | 1,20,000 | 1,60,000 |
| Bilaspur All Edition | 55000 | 1,00000 | 1,20,000 |
| All CG | 1,10,000 | 1,80,000 | 2,30,000 |

CONTACT:- HARI BHOOMI PRESS
Dhamtari Road, Tikarapara, Raipur Ph.: 0771-4242242, Mob.: 09098138778 E-mail- response.haribhoomi@gmail.com
Ring Road-2, Gourav Path Marg, Bilaspur. Mob.: 9826782100 E-mail- hbclassified375@gmail.com

**आवश्यक सूचना**

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

एक समय तक रोजमर्रा की आपा-धापी, दुख और तनाव को दूर करने के लिए लाफ्टर क्लब्स को कारगर माना जाता था। लेकिन हाल के वर्षों में दुख-अवसाद से राहत दिलाने में क्रायिंग क्लब को ज्यादा कारगर माना जाने लगा है। इसीलिए विदेशों में ही नहीं अपने देश में भी इसका ट्रेंड बढ़ रहा है। ये क्रायिंग क्लब कैसे दुखों से राहत दिलाते हैं, यहां बता रहे हैं विस्तार से।

# क्रायिंग क्लबों का बढ़ता ट्रेंड
# मिलकर रोने से-दुःख हो जाए कम

{ कवर स्टोरी / शाहिद ए. चौधरी }

एक दिन सुबह चहलकदमी करने के दौरान मैंने पार्क के एक कोने में कुछ बुजुर्गों को एक सुर में जोर-जोर से हंसते हुए देखा। अपने-अपने दुःखों को दूर करने, डिप्रेशन से बचे रहने और अपने स्वास्थ्य को बेहतर बनाने का उनका यह तरीका है। बीते कई वर्षों से दुनिया भर में हंसी को सबसे अच्छी दवा मानकर उसे अपनाने का ट्रेंड काफी पॉपुलर हो चुका है। यह देखकर अच्छा लगा। लेकिन संयोग रहा कि जब पार्क से घर लौटा तो दुःखद समाचार मिला कि पड़ोस में रहने वाले एक व्यक्ति की दिल का दौरा पड़ने से डेथ हो गई। मैं शोक व्यक्त करने के लिए उनके घर पहुंचा तो देखा कि गुमसुम बैठी मृतक की पत्नी को अनेक महिलाएं रुलाने का प्रयास कर रही हैं और उनमें से एक को मैंने यह कहते हुए सुना, 'अरे, इन्हें रुला दो, कुछ तो गम गलत होगा, वर्ना सदमे की वजह से डिप्रेशन में चली जाएंगी।' इन दोनों घटनाओं से मैं इस नतीजे पर पहुंचा कि मनुष्य के लिए हंसने और रोने दोनों का बहुत अधिक महत्व है। वैसे भी कुदरत ने ये दोनों गुण इंसानों को ही दिए हैं। चोट लगने पर जानवर चिल्लाते अवश्य हैं, लेकिन इंसानों की तरह रोते नहीं हैं।

## रोने के लिए बन रहे क्लब

आमतौर पर रोने को कमजोरी की निशानी मान लिया जाता है। शायद तभी सुदर्शन फाकिर ने अपने एक शेर में कहा है, 'आप कहते थे कि रोने से न बदलेंगे नसीब/उम्र भर आपकी इस बात ने रोने न दिया।' यह कहा भी भले ही जाता हो कि मर्द को दर्द नहीं होता या मर्द रोते नहीं हैं। लेकिन आज दुनिया भर के डॉक्टर्स इस बात को स्वीकार करते हैं कि रोने से मन हल्का होता है और कुछ लोगों के साथ मिलकर रोने से दुःख से राहत महसूस होती है। इसलिए देश के कई शहरों में क्रायिंग क्लब खुल रहे हैं। देश-समाज का यह नवीनतम सामूहिक संस्कार है, जिसमें हंसी की जगह आंसुओं ने ले ली है। इनमें व्यक्ति उस समय तक रो सकता है, जब तक उसके दिल का बोझ हल्का न हो जाए और वह जिंदगी की नई शुरुआत करने के लिए तैयार न हो जाए।

## काफी लोग हो रहे शामिल

क्रायिंग क्लब, दशकों पुराने लाफ्टर क्लबों का जवाब-सा प्रतीत हो रहे हैं। मुंबई, दिल्ली, बैंग्लुरु और हैदराबाद में लोग कॉफी शॉप्स, पब्स में आयोजित होने वाले क्रायिंग सेशन में शामिल हो रहे हैं। सूरत में तो 'हेल्दी क्रायिंग क्लब' को चलते हुए अब आठ वर्ष हो गए हैं, जिसके सदस्य हर माह के अंतिम रविवार को एकत्र होते हैं और जी भरकर रोते हैं।

## ऐसे हुई क्रायिंग क्लब की शुरुआत

सबसे पहले टोक्यो (जापान) के हिरोकी तेराई ने ग्रुप थेरेपी के तौर पर वर्ष 2013 में रुइ कत्सू (आंसू बहाना) आरंभ किया। पहले तेराई, तलाक समारोह आयोजित करने के लिए विख्यात थे, जिसमें पूर्व जोड़े अपनी शादी की अंगूठी पर हथोड़े मारते थे ताकि अपने अतीत के बोझ से मुक्त हो सकें। तेराई ने बाद में आक्रामकता को खत्म करते हुए इसका एक कोमल रूप विकसित किया, जिसमें हल्की रोशनी में भावनात्मक फिल्में देखी जाती हैं। आपसी सहमति से एक-दूसरे को खाना खिलाते हैं और क्रायिंग सेशन में लोग हिस्सा लेते हैं। अपने देश में 'स्मॉल वर्ल्ड' (डिजिटल से इतर रियल सोशल कनेक्शन को प्रमोट करने वाली संस्था) के संस्थापक सौरव आर्य ने क्रायिंग क्लब लांच किया। इसे शुरू करने के पीछे उनका तर्क यह था कि 'ऑनलाइन दोस्तों से घिरे रहने के बावजूद लोग अकेलापन महसूस कर रहे हैं।' इस क्लब के सत्र प्राइवेट कैफे व पब्स में आयोजित किए जाते हैं, जिनमें दोस्त के लिविंग रूम जैसा एहसास होता है। सेशन में सभी को बोलना जरूरी नहीं होता। बहुत से लोग दूसरों को सिर्फ सुनते हैं। सुनते हुए ही उसके दर्द को सुनकर या अपना दर्द यादकर वे रोने लगते हैं। सत्र में पुरुष और महिलाएं सभी भाग लेते हैं। आमतौर पर इसमें 20-40 वर्ष के लोग आते हैं।

## रोने की विभिन्न वजहें

अमेरिका में रहने वाले 45 वर्षीय रमेश, मुंबई लौटे थे। वह ग्रुप एक्टिविटी की तलाश करते हुए एक ऐसी जगह पहुंच गए, जिसकी उन्हें उम्मीद भी न थी। एक क्रायिंग क्लब, जिसका आयोजन मुंबई के एक बार में हो रहा था, जो उन्हें दिलचस्प लगा, विशेषकर इसलिए कि उन्हें भी अपनी कुछ भावनाओं से मुक्ति पानी थी। रमेश को वह जगह नकारात्मक भावना दूर करने से अधिक संपर्क स्थापित करने वाली अधिक लगी, क्योंकि उनकी वहां ऐसे लोगों से बॉन्डिंग बनी, जो अपनी नकारात्मक भावनाओं से जूझ रहे थे। सच यही है कि ऐसे क्लबों में आने वाले लोगों के रोने के विविध कारण हो सकते हैं- ब्रेकअप, जीवन में अनपेक्षित परिवर्तन या नुकसान। अनाम थकान जिसे शब्दों में व्यक्त न किया जा सके। एक लड़की तो रोने के लिए केवल इसलिए क्रायिंग क्लब में पहुंची कि उसने पांच दिन से किसी से बात ही नहीं की थी। उसे अपने गुमनाम होने का एहसास हो रहा था। उसने सत्र में दो नए दोस्त बनाए। सत्र में शामिल होने की एक व्यक्ति ने यह वजह बताई, 'मुझे राहत नहीं चाहिए। मुझे तो बस वह जगह चाहिए, जहां मेरी उदासी को बरकरार रहने का अवसर मिले।'

सच यह है कि अलग-अलग स्थानों और परिवेश के लोग अलग-अलग तरह से रोते हैं। महानगरों में लोग बर्नआउट और अकेलेपन की वजह से रोते हैं। छोटे शहरों में रहने वाले लोग अकसर पारिवारिक या सामाजिक दबाव के कारण रोते हैं। ऐसे क्लबों में एक बार जब रोना बंद हो जाता है, तो आपसी समानुभूति का संपर्क स्थापित होना शुरू हो जाता है। लोग नए संपर्क और मुस्कान लेकर लौटते हैं। *

### लाफ्टर मैन से बने क्रायिंग मैन

लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स ने कमलेश मसाला वाला को 'पहला लाफ्टर टीचर' घोषित किया था। तकरीबन आठ साल पहले उन्होंने तय किया कि लोगों को 25 साल तक बहुत हंसा लिया, अब उन्हें रुलाया जाए और उन्होंने 'हेल्दी क्रायिंग क्लब' की स्थापना सबसे पहले गुजरात के सूरत में की। गौरतलब है कि 2008 में मसाला वाला ने इंटरनेशनल लाफ्टर योग कांफ्रेंस के दौरान अविरल रोने की प्रतियोगिता जीती थी। उन्होंने अपनी दिवंगत माता को याद करके एकदम से रोना शुरू कर दिया था। बाद में उन्हें एहसास हुआ कि भावनात्मक आंसुओं में भी मेडिकल लाभ होते हैं। अब तो कई स्टडीज में सामने आया है कि जब हम दुःख, तनाव या कुंठा की वजह से रोते हैं तो हमारा शरीर कोर्टिसोल स्ट्रेस हॉर्मोन उत्पन्न करता है। हंसने से जो आंसू निकलते हैं, उनमें यह हार्मोन नहीं होता है। यानी सुकून महसूस करने के लिए हंसी के साथ आंसू भी जरूरी हैं।

भूटान, ग्लोबल कंपैशन डिक्लेरेशन (जीसीडी) पर हस्ताक्षर करने वाला पहला देश बना है। क्या है यह डिक्लेरेशन और किस तरह समाज की चुनौतियों से निपटने में यह सहायक हो सकता है? इसके साथ ही कुछ ज्वलंत सवालों पर नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित कैलाश सत्यार्थी ने साझा किए अपने विचार।

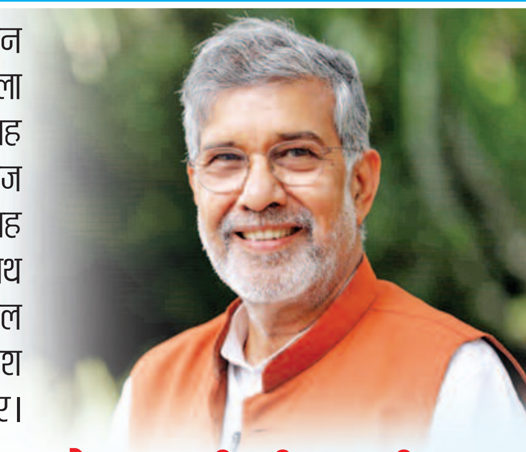

# दूसरे की तकलीफ को अपनी पीड़ा की तरह महसूस करने से जन्मती है करुणा की शक्ति

{ विशिष्ट अभिव्यक्ति/ कैलाश सत्यार्थी }

हाल ही में हमारे पड़ोसी देश भूटान ने ग्लोबल कंपैशन डिक्लेरेशन (जीसीडी) पर हस्ताक्षर किया है। ग्लोबल कंपैशन डिक्लेरेशन, एक महत्वपूर्ण, अनूठा दस्तावेज है। पिछले साल सितंबर में संयुक्त राष्ट्र संघ के महाधिवेशन में सत्यार्थी मूवमेंट फॉर ग्लोबल कंपैशन ने मोनाको देश की सहभागिता में एक विशेष बैठक आयोजित किया, जो करुणा के वैश्वीकरण से शासन तंत्र को करुणामय बनाने के विचार से आयोजित किया गया था। उस उच्च स्तरीय बैठक में राष्ट्राध्यक्ष, संयुक्त राष्ट्र संघ के वरिष्ठ अधिकारी, नोबेल पुरस्कार विजेता और मानवाधिकार कार्यकर्ता शामिल हुए थे। इसमें संवाद के बाद जो सहमति बनी, वह एक घोषणापत्र के रूप में सामने आई, जिसमें सबसे बड़ी बात यह थी कि उन्होंने करुणा की हमारी बदली परिभाषा को स्वीकार किया। सामान्य तौर पर करुणा को एक नाजुक भाव मान लिया जाता है। हमारी परिभाषा में करुणा वह शक्ति है, जो दूसरे की तकलीफ को अपनी पीड़ा की तरह महसूस करने से जन्मती है और उसके समाधान की प्रेरणा शक्ति बनती है। इसी के आधार पर समाज के हर क्षेत्र में विवेकपूर्ण समाधान की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए यह घोषणापत्र तैयार हुआ। भूटान पहला देश है, जिसने इसे अनुमोदित किया और वहां के प्रधानमंत्री ने इस पर हस्ताक्षर किया। बाद में एक अन्य छोटे से देश तिमोर लेस्ते ने भी हस्ताक्षर किया।

**विकसित करना होगा करुणामय नेतृत्व:** आज जब समाधानकर्ताओं और पीड़ितों के बीच खाई चौड़ी होती चली जा रही है, तब यह आवश्यक है कि शासन व्यवस्था, शिक्षा, चिकित्सा, न्याय, मीडिया आदि में करुणामय नेतृत्व विकसित किया जाए। इसका अर्थ यह हुआ कि इन सभी संस्थाओं या क्षेत्रों में लोग दूसरे की समस्याओं को अपना समझकर उसके निपटान के लिए नेतृत्व करें। यह काम लगातार व्यावहारिक प्रशिक्षण संवाद और अनुभवजनित ज्ञान जैसे प्रयोगों से संभव है। ऐसे कुछ वैज्ञानिक शोध हुए हैं, जिनसे साबित हुआ है कि अस्पतालों में चिकित्साकर्मियों के करुणाजनित व्यवहार के परिणामस्वरूप मरीजों का जल्दी और प्रभावशाली उपचार हो सका। इसी तरह कॉरपोरेट जगत में करुणामय नेतृत्व के कारण प्रबंधन में परस्पर विश्वास और सक्रिय भागीदारी, कर्मचारियों में संतोष, उत्साह और कंपनियों में उत्पादन-मुनाफा बढ़ गया।

**युद्ध का खामियाजा भुगतते हैं बच्चे:** यह पूरी मानवता के लिए बेहद चिंताजनक तथ्य है कि आज दुनिया में लगभग 47 करोड़ बच्चे युद्धग्रस्त क्षेत्रों में रहने को विवश हैं। हम सबको यह समझना जरूरी है कि इतिहास में बच्चे कभी युद्ध का कारण नहीं रहे। न ही कभी वे युद्ध लड़ते हैं। परंतु युद्ध का सबसे ज्यादा खामियाजा उन्हीं को भुगतना पड़ता है। परिवार से बिछड़ना, पढ़ाई छूट जाना, मनोवैज्ञानिक और मानसिक आघात जैसे स्थाई घाव उनके पूरे जीवन को प्रभावित करते हैं। दुर्भाग्य है कि वे हमारी राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय प्राथमिकता नहीं हैं। यदि वैश्विक नेताओं, नेतृत्वकर्ताओं ने अपनी जिम्मेदारी को ठीक से समझा होता तो दुनिया भर में इतने बच्चे असमय मौत के मुंह में न समाते।

**आवश्यक है करुणामय शिक्षा प्रणाली:** जब तक शिक्षा का उद्देश्य खुद की और देशों की आर्थिक तरक्की मात्र रहेगा, तब तक नागरिक स्वार्थी और आत्मकेंद्रित बनते रहेंगे। इसलिए जरूरी है कि पाठ्यक्रम और शिक्षा नीतियों के माध्यम से बच्चों में एक-दूसरे के प्रति नैतिक जवाबदेही का भाव सिखाया जाए, जिसे हम करुणामय शिक्षा प्रणाली कहते हैं।

**तभी होगा वैश्विक चुनौतियों का समाधान:** आज दुनिया के सामने मौजूद प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन जैसी तमाम वैश्विक चुनौतियों के लिए कई कारण जिम्मेदार हैं। सबसे बड़ा कारण कथनी और करनी का अंतर है। उपभोक्तावाद, औद्योगीकरण और मुनाफा पर आधारित जीवनशैली, पृथ्वी और पर्यावरण के विनाश का बड़ा कारण है। दूसरा कारण, इस दिशा में राजनैतिक इच्छा शक्ति का अभाव है। तीसरा, पर्यावरण विनाश और संरक्षण एकदेशीय नहीं हो सकता। यह धरती पर रहने वाले सभी लोगों को प्रभावित करता है। कम आबादी वाले अमीर देश, ज्यादा आबादी वाले गरीब देशों से कहीं अधिक कार्बन उत्सर्जन करते हैं। इसलिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जवाबदेही तय होनी चाहिए।

**पर्यावरण संरक्षण के लिए मिसाल है भूटान:** भूटान ने ऐसे कई प्रयोग किए हैं, जो पर्यावरण, मानवता और संस्कृति की रक्षा के लिए जाने जाते हैं। इसमें ग्रॉस हैप्पीनेस इंडेक्स भी शामिल है। खुशी के इस पैमाने को दूसरे कई देश भी मानते हैं। साथ ही भूटान के संविधान में यह प्रावधान है कि देश का सत्तर प्रतिशत जमीन वन क्षेत्र रहेगा, जिससे जैव विविधता और पर्यावरणीय संतुलन बना रहे। वहां के महाराज, जिग्मे खेसर नामग्येल वांगचुक और राजकुमारी सोनम जी सहित राजपरिवार, देश के मुख्य न्यायाधीश और अनेक राजनेताओं के साथ करुणामय समाज बनाने पर ठोस सहमति बनी, जिसे हम मिलकर लागू करने का समयबद्ध कार्यक्रम बना रहे हैं। *

प्रस्तुतिः सरस्वती रमेश

{ लघुकथाएं }

## यादों का बैंक

शहर में एक नया बैंक खुला-यादों का बैंक। यहां लोग पैसे नहीं, अपनी यादें जमा करते थे। खुशियों की यादों पर अच्छा ब्याज मिलता था, जबकि दुखद यादें हटाने के लिए लोग फीस देते थे।

एक दिन पचपन वर्षीय अजित वहां पहुंचा। उसने अपनी सबसे प्रिय याद जमा करने का फॉर्म भरा। कर्मचारी ने पूछा, 'कौन-सी याद है?'

अजित मुस्कुराया, 'वह दिन, जब मेरा पांच साल का बेटा पहली बार साइकिल चलाते हुए गिर पड़ा था। रोते-रोते फिर उठा और बोला- पापा, मैं हारूंगा नहीं।'

बैंक कर्मचारी चौंका, 'इतनी प्यारी याद क्यों जमा करना चाहते हैं? इस पर तो आपको अच्छा लाभ मिलेगा।'

अजित ने धीमे स्वर में कहा, 'इसलिए क्योंकि मेरा बेटा अब इस दुनिया में नहीं है। उसकी याद हर दिन मुझे रुलाती है।'

याद बैंक की मशीन ने अजीत की उस स्मृति को उसके मन से निकाल कर जमा कर लिया। अजित हल्का महसूस करने लगा।

कुछ महीने बाद वह फिर बैंक पहुंचा। इस बार उसके चेहरे पर बेचैनी थी, 'मुझे अपनी जमा की हुई याद वापस चाहिए।' उसने बैंक कर्मी से कहा।

'लेकिन क्यों? आपने तो दर्द से छुटकारा पाने के लिए उसे जमा किया था!' अजित की आंखें भर आईं। वह बोला, 'दर्द चला गया, पर उसके साथ मेरा बेटा भी चला गया। अब मैं रोता नहीं, लेकिन मुस्कुरा भी नहीं पाता। समझ में आया कि कुछ दुख बोझ नहीं होते, वे हमारे अपनों के आखिरी निशान होते हैं।'

बैंक कर्मी ने उसकी याद लौटा दी। बैंक से बाहर निकलते समय अजित की आंखों में आंसू थे, पर होंठों पर मुस्कान भी। उसे पहली बार लगा कि हर घाव भर जाना जरूरी नहीं, कुछ घाव ही हमें इंसान बनाए रखते हैं। *

-कृति आरके जैन

## श्रम का संगीत

पत्नी खर्राटे ले रही थी। पति की नींद खर्राटे की आवाज से टूट गई थी।

यह पहली ही बार था, जब पति को पत्नी के खर्राटे सुनने का अवसर मिला था। रोज तो पत्नी ही पति के खर्राटे की वजह से नींद टूटने की शिकायत किया करती थी, आज पति को यह मौका मिल गया था!

बस सुबह होने की प्रतीक्षा थी।

पति फिर से सोने की कोशिश करने लगा। आंखें मूंदते ही पत्नी की दिनचर्या उसकी आंखों के आगे आ गई, सुबह-सुबह उठना, बच्चों को तैयार करना, नाश्ता कराना, स्कूल बस तक छोड़ना। आकर पति को जगाना, चाय पिलाना। नाश्ते और लंच की तैयारी में लग जाना। पति के कपड़े निकालकर रखना। उनको नाश्ता कराना। उनका लंच पैक करना। पति के जाने के बाद घर की साफ-सफाई और गंदे कपड़ों को वॉशिंग मशीन में डालना। नहाना-धोना, पूजा-पाठ, नाश्ता करना। बच्चों को स्कूल से लाना। खिलाना-पिलाना, उनको होमवर्क करवाना। शाम में बच्चों को पार्क ले जाना। फिर साग-सब्जी, दूध, फल और जरूरी सामानों की खरीदारी करना। सबके लिए रात का खाना पकाना। पति के आने पर उन्हें चाय-पानी देना। बच्चों को खिलाकर पति के साथ खाने बैठना। थोड़ी देर टीवी पर कोई सीरियल देखना और फिर सो जाना।

'यह खर्राटा तो श्रम का संगीत है!' पता नहीं कहां से पति के मन में यह साहित्यिक भाव आया?

पत्नी के खर्राटे अब उसे संगीतमय लगने लगे। खर्राटों से उसे अब कोई शिकायत नहीं रही। *

- संजीव ठाकुर

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

## संवेदना से भरी कहानियां

चार दशक से अधिक समय से कहानी लेखन में सक्रिय वरिष्ठ लेखक गोविंद सेन की चयनित कहानियों का संकलन कुछ समय पूर्व प्रकाशित होकर आया है। इसमें उनकी अठारह कहानियां संकलित हैं।

ये कहानियां जीवन की विडंबनाओं और रिश्तों की पेचीदगियों को उजागर करने के साथ ही हमारी संवेदनाओं को झकझोरती भी हैं। मिसाल के तौर पर 'स्पीड ब्रेकर' कहानी मानवीय मनोवृत्ति को सामने लाती है, जिसमें पढ़े-लिखे व्यक्ति के मन में सहज तौर पर हीनभावना जन्म लेती है, जब उसे अपने से कम शिक्षित व्यक्ति, आर्थिक रूप से अधिक संपन्न दिखता है।

गरीब तबके के लोगों का जीवन, किस तरह छोटी-छोटी चीजों से भी वंचित रहने का दंश सहता रहता है, इसका मार्मिक वर्णन 'गुमशुदा चांद की वापसी' में किया गया है। संग्रह की एक छोटी सी कहानी 'दाढ़ी' में बहुत सरलता से सामाजिक विषमता की दुखती रग पर अंगुली रखी गई है।

संग्रह की लगभग सभी कहानियां पठनीयता से भरपूर हैं। इन कहानियों में न तो किसी वाद का झंडा उठाया गया है, न ही किसी विमर्श को लेकर हाय-तौबा की गई है। जानबूझ कर गढ़े गए शिल्प और भाषायी कलाबाजियों से मुक्त ये कहानियां बहुत सरल और सहज तरीके से हमारे मन के किसी कोने में हमेशा के लिए दर्ज होने में सक्षम हैं। *

**किताबः** चयनित कहानियां (कहानी-संग्रह), **लेखकः** गोविंद सेन,
**मूल्यः** 225 रुपए, **प्रकाशकः** न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशन, नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- 'ट्रायल में देरी ने न्यायिक अंतरात्मा को झकझोर दिया

# ट्रायल में देरी से 9 साल से जेल में बंद हत्या के आरोपी को जमानत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने हत्या के एक आरोपी को 9 साल से अधिक समय तक विचाराधीन कैदी के रूप में जेल में रहने और ट्रायल में लगातार हो रही देरी को देखते हुए जमानत दे दी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि किसी आरोपी के जेल में रहने की स्थिति में ट्रायल का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करना अदालत और अभियोजन, दोनों की जिम्मेदारी है। मामले में हो रही अत्यधिक देरी ने हमारी न्यायिक अंतरात्मा को झकझोर दिया है।

जस्टिस एम.एम. सुंदरेश और जस्टिस प्रसन्ना बी. वराले की पीठ ने संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत अपने अधिकारों का प्रयोग करते हुए लियाकत अली को जमानत प्रदान की। दंड संहिता की धारा 302 (हत्या), 382, 201 और धारा 34 के तहत दर्ज मामले में नौ वर्ष दो माह से अधिक समय से न्यायिक हिरासत में था। अदालत ने कहा कि वर्ष 2024 में आरोपी की पिछली जमानत याचिका पर अंतिम निर्णय हो जाने के बाद भी मुकदमे की सुनवाई में कोई उल्लेखनीय प्रगति नहीं हुई। अब तक अभियोजन पक्ष के 30 में से केवल 12 गवाहों की ही गवाही दर्ज की जा सकी है।

अदालत ने यह भी नोट किया कि अभियोजन का पूरा मामला परिस्थितिजन्य साक्ष्यों पर आधारित

### ट्रायल का शीघ्र संचालन सुनिश्चित

पीठ ने कहा, जब कोई आरोपी हिरासत में हो, तब ट्रायल का शीघ्र संचालन सुनिश्चित करना अदालत और अभियोजन एजेंसी, दोनों का दायित्व है। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि आरोपी कथित अपराध के समय किशोरावस्था में था और नौ वर्ष से अधिक समय से 'बिना उसकी किसी गलती' के जेल में है। अदालत ने यह भी नोट किया कि अभियोजन का पूरा मामला परिस्थितिजन्य साक्ष्यों पर आधारित है और वर्तमान गति को देखते हुए ट्रायल के पूरा होने में अभी काफी समय लग सकता है।

### राज्य सरकार का तर्क

पीठ ने टिप्पणी की कि ट्रायल में लगातार हो रही देरी और लंबे समय तक कारावास ने हमारी न्यायिक अंतरात्मा को झकझोर दिया है। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने तर्क दिया कि आरोपी नई जमानत याचिका सक्षम अदालत में दाखिल कर सकता था और अनुच्छेद 32 के तहत सीधे सुप्रीम कोर्ट आने की आवश्यकता नहीं थी। हालांकि, अदालत ने कहा कि इस मामले के असाधारण तथ्य संवैधानिक हस्तक्षेप की मांग करते हैं। अदालत ने आपराधिक न्यायशास्त्र के स्थापित सिद्धांतों का उल्लेख करते हुए दोहराया कि निर्दोषता की धारणा और 'जमानत नियम है, जेल अपवाद' के सिद्धांत को हमेशा ध्यान में रखा जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने याचिका स्वीकार करते हुए लियाकत अली को ट्रायल कोर्ट द्वारा निर्धारित शर्तों के अधीन जमानत पर रिहा करने का निर्देश दिया।

## ब्रिटिश सिख की मां को हत्या में इस्तेमाल हथियार हटाने पर जेल

लंदन। दक्षिण-पूर्व इंग्लैंड के साउथम्पटन में एक किशोर की चाकू मारकर हत्या करने के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे एक ब्रिटिश सिख युवक की मां को हत्या में इस्तेमाल हथियार घटनास्थल से हटाने के आरोप में तीन वर्ष के कारावास की सजा सुनाई गई है। किरण कौर (53) को शुक्रवार को साउथम्पटन क्राउन कोर्ट ने अपराधी की मदद करने का दोषी ठहराया था, जिसके बाद उसे तीन साल के कारावास की सजा सुनाई गई थी। भारत में जन्मी किरण कौर को अपने बेटे विक्रम डिगवा द्वारा हेनरी नोवाक की हत्या में इस्तेमाल हथियार अपने कब्जे में लेने और जांच में बाधा डालने के उद्देश्य से उसे घटनास्थल से हटाने का दोषी पाया गया। हेनरी नोवाक की हत्या उस समय कर दी गई थी जब वह महज 18 वर्ष का था।

## आतंकवाद पर शून्य सहिष्णुता भारत की कार्य नीति : राजनाथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को एक बार फिर से पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में की गई भारतीय सशस्त्र सेनाओं की 'ऑपरेशन सिंदूर' की कार्रवाई का उल्लेख करते हुए कहा कि यह अभियान देश के सैन्य बलों के अद्वितीय शौर्य का प्रतीक है। जिसने आतंकवादियों और उनके पनाहगारों को मुंहतोड़ जवाब दिया। साथ ही इसने पूरी दुनिया के सामने देश की रक्षा तैयारियों को सिद्ध करते हुए बताया कि आतंकवाद के खिलाफ 'शून्य सहिष्णुता' महज एक घोषणा नहीं है। बल्कि ये सरकार की कार्य नीति है। जो देश की उस क्षमता को प्रदर्शित करती है। जिसमें वह न केवल अपनी सीमाओं पर, उसके बाहर भी आतंकवादियों के ठिकानों को नेस्तनाबूद कर सकता है। रक्षा मंत्री ने यह जानकारी एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए दी है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के 12 वर्षों के कार्यकाल पर जोर देते हुए कहा कि केंद्र ने राष्ट्र प्रथम और सेनाएं प्रथम की भावना के साथ रक्षा क्षेत्र में किए गए बड़े बदलावों के जरिए इसे मजबूत बनाया है। अभियान में आकाश-तीर, आकाश मिसाइल, ब्रह्मोस और अन्य अत्याधुनिक रक्षा प्रणालियों का प्रभावी ढंग से उपयोग किया गया। यह बीते समूचे अंतराल के दौरान रखी गई मजबूत नींव का परिणाम है।

## जैकेट के शेष

### क्योंकि हम कानून ...

रोक-टोक और बिना पर्ची के कफ सीरप आसानी से उपलब्ध कराई जा रही है। एक तरफ जहां कुछ मेडिकल स्टोर्स पर नियमों का सख्ती से पालन किया जा रहा है और बिना पर्ची के दवा देने से साफ मना किया जा रहा है, वहीं दूसरी तरफ कई इलाकों में दवा दुकानदार धड़ल्ले से तय नियमों की धज्जियां उड़ा रहे हैं। हालांकि जगदलपुर और धमतरी में बिना पर्ची कफ सीरप नहीं मिली। 'हरिभूमि' संवाददाताओं ने खुद ग्राहक बनकर करीब 12 अलग-अलग ठिकानों से बिना किसी डॉक्टर के पर्चे के कफ सीरप खरीदी, जो सीधे तौर पर प्रतिबंधित दवाओं की अवैध बिक्री और प्रशासन की सुस्त निगरानी की पोल खोलता है। नशीले विकल्प के रूप में इस्तेमाल होने वाली इन सीरपों की यह बेधड़क बिक्री युवाओं के भविष्य और कानून व्यवस्था दोनों के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई है।

### बिना पर्ची सिरप ....

छूट मिलती थी, वह इस नए नियम के लागू होते ही पूरी तरह खत्म हो गई है। ड्रग्स टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड की सिफारिश पर संयुक्त सचिव हर्ष मंगला द्वारा जारी यह नया आदेश देशभर में तुरंत

### रायपुर के कई ....

यही वजह है कि खांसी का सिरप मांगने पर कैमिस्ट अपने विवेक से ही ग्राहकों को अलग-अलग सिरप उपलब्ध करा रहे हैं। कमल विहार, सेजबहार, डूंडा और दोरिया क्षेत्र के कई मेडिकल स्टोर पर बिना पर्ची के सिरप बेचे जाते मिले।

**बच्चों से लेकर बड़ों तक को बिना पर्ची के दी जा रही दवा :** हरिभूमि की टीम जब शहर के विभिन्न मेडिकल स्टोर पर पहुंची, तो पाया कि कई लोग बिना डॉक्टर की पर्ची के दवा लेने पहुंच रहे थे। कई ग्राहक कैमिस्ट से ही अच्छा सिरप देने की बात कह रहे थे। कुछ लोगों ने यह भी बताया कि डॉक्टर ने सर्दी-खांसी होने पर सिरप लेने की सलाह दी है, लेकिन उनके पास पर्ची नहीं है। ऐसी स्थिति में भी उन्हें बिना किसी प्रिस्क्रिप्शन के दवा उपलब्ध कराई जा रही थी। बता दें कि नए नियमों के अनुसार बिना डॉक्टर की पर्ची के सिरप बेचने पर सख्त कार्रवाई का प्रावधान है। ऐसे मामलों में दवा विक्रेताओं का लाइसेंस भी रद्द किया जा सकता है। सरकार ने यह निर्णय ओवर-द-काउंटर मिलने वाले सिरप से होने वाले नुकसान और बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया है।प्रभाव से लागू कर दिया गया है।

### चादर लेकर पहुंचे ...

भर्ती कराया गया है और चिकित्सकों की निगरानी में उन्हें आवश्यक उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। अस्पताल के आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि डॉक्टर सोनम वांगचुक की चिकित्सकीय जांच कर रहे हैं। एक सूत्र ने कहा, सोनम वांगचुक को आवश्यक चिकित्सकीय देखभाल के लिए सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया है। लंबे समय से भूख हड़ताल और शरीर में पानी की कमी के कारण वह काफी कमजोर हो गए हैं। हालांकि, उनकी स्थिति फिलहाल स्थिर है, लेकिन उनके शरीर के विभिन्न स्वास्थ्य मानकों को सामान्य करने के लिए लगातार निगरानी और उपचार की आवश्यकता है। दिल्ली पुलिस ने एक बयान में कहा कि विशेषज्ञ चिकित्सकों की सलाह और दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेशों के अनुपालन में सोनम वांगचुक को 'आवश्यक चिकित्सकीय देखभाल' के लिए अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने बताया कि इस दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों ने कार्रवाई में बाधा डालने का प्रयास किया, जिससे कुछ समय के लिए अफरा-तफरी की स्थिति पैदा हुई। पुलिस ने कहा कि हालांकि, पुलिसकर्मियों ने अधिकतम संयम बरतते हुए पूरी कार्रवाई सफलतापूर्वक पूरी की। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों से अपना आंदोलन समाप्त करने की अपील करते हुए कहा कि वे जल्द से जल्द शांतिपूर्वक धरना स्थल खाली कर दें। वांगचुक ने शुक्रवार रात कहा था कि बिगड़ती स्वास्थ्य स्थिति के बावजूद वह अपना अनशन जारी रखने के लिए दृढ़ हैं। उनका दावा था कि 20 दिन की भूख हड़ताल के दौरान उनके शरीर का 20 प्रतिशत हिस्सा क्षीण हो गया है। उन्होंने एक वीडियो संदेश में कहा था, प्याज की कीमतों को लेकर सरकारें गिर चुकी हैं। मेरे शरीर का 20 प्रतिशत हिस्सा क्षीण हो गया है। अब समय आ गया है कि यह सरकार युवाओं की आवाज सुने। उन्होंने इस दौरान छात्रों के आंदोलन के प्रति अपना समर्थन भी दोहराया।

**वांगचुक ने तरल पदार्थ, दवा लेने से किया इंकार :** सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने निर्जलीकरण और चयापचय संबंधी समस्याओं के बावजूद नसों के माध्यम से दिए जाने वाले तरल पदार्थ और किसी भी तरह की दवा लेने से इंकार कर दिया है।

**दीपके ने शुरू की अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल :** पुलिस की कार्रवाई के तुरंत बाद कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारियों पर पुलिस ने बल प्रयोग किया। दीपके ने कहा, दिल्ली पुलिस ने मेरे साथ मारपीट की है।

### पांच लोगों की ....

पहलुओं पर जांच करेगी। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मृतक पर करीब 20 लाख रुपए का कर्ज था। इसमें से कुछ बैंक और कुछ पैसे व्यक्तियों से लिए गए। हालांकि एक चौंकाने वाली बात यह है कि चार दिन पहले मृतक ने परिवार के लिए महीनेभर का राशन जमा किया था। अचानक ऐसे **क्या हालात बने कि पूरे परिवार** : ने ही आत्महत्या कर ली। पुलिस अलग-अलग एंगल से जांच कर रही है।

**सबसे सज्जनता से पेश आता था :** मृतक के घर के आस-पास रहने वाले लोगों का कहना है कि सैयद शाहिद अली लोगों से कम बात करता था। लेकिन जब भी बात करता था सलीके से पेश आता। मुताबिक मृतक पांच भाई थे, उनमें सबसे बड़ा सैयद था। मृतक अपने भाइयों के अलग रहता था। पारिवारिक मसलों पर चर्चा भी नहीं होती थी। इस वजह से कर्ज के संबंध में मृतक के भाई भी पुलिस को कुछ नहीं बता पा रहे। **चाह माह पहले मृतका उर्स में मायका गई थी :** सैयद शाहिद की पत्नी राबिया के भाई अकबर ने बताया कि उनकी बहन चार माह पूर्व उर्स में शामिल होने दुर्ग आई थी। इसके बाद बीच-बीच में उनका अपनी बहन के साथ सामान्य बातचीत होती थी। बातचीत में मृतका ने अपने भाई को अपने परिवार के माली हालत के बारे में किसी तरह से कोई चर्चा नहीं की थी। घटना की जानकारी मिलने के बाद अकबर तथा उनके परिवार के लोग शुक्रवार रात रायपुर पहुंच गए हैं।

**बैट्री रिपेयरिंग का कारोबार :** पड़ोसियों के अनुसार सैयद शाहिद अली तथा उनके परिवार रहन सहन में सादगी दिखती थी। परिवार ताम झाम से दूर रहता था। मृतक मौदहापारा में बैट्री रिपेयरिंग का काम करता था। मृतक के जिन लोगों के साथ संपर्क था, उन लोगों ने बताया कि एक दशक पूर्व सैयद शाहिद अली ओपोलो बैट्री में काम करता था, तब उनकी माली हालत बहुत अच्छी थी। उसके बाद क्या हुआ पता नहीं।

### 'श्रीकांत' बेस्ट हिंदी ...

ने बताया कि तेलुगु फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' ने भरपूर मनोरंजन के लिए सर्वश्रेष्ठ लोकप्रिय फिल्म का पुरस्कार जीता।

## पेज एक के शेष

### पंचायतों में 61 फीसदी ...

पड़ रहा है। रिपोर्ट में पैसों की हेराफेरी, योजनाओं को लागू करने में सुस्ती और प्रशासनिक ढिलाई से जुड़ी कई बड़ी कमियां सामने आई हैं।

**ग्राम सभाओं में लोग ही नहीं पहुंचे :** रिपोर्ट में सबसे चौंकाने वाला खुलासा ग्राम सभाओं को लेकर हुआ है। जांच के लिए चुनी गई 36 ग्राम पंचायतों में से किसी भी ग्राम सभा की बैठक में कोरम पूरा नहीं किया गया। इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों पर कोई कार्रवाई नहीं की गई और न ही कई पंचायतों ने अपना सालाना हिसाब-किताब तैयार किया।**पंचायतों का पैसा रोका:** नियम के मुताबिक राज्य सरकार को भू-राजस्व, टैक्स और आबकारी ड्यूटी से होने वाली कमाई का एक हिस्सा पंचायतों को देना था, लेकिन यह राशि उपलब्ध नहीं कराई गई। 2018 से 2023 के बीच राज्य वित्त आयोग की सिफारिश के मुकाबले स्थानीय निकायों को 3,243.46 करोड़ कम मिले। माइनिंग रॉयल्टी और स्टाम्प ड्यूटी जैसे बड़े मदों से भी पंचायतों को सिर्फ 398.20 करोड़ ही ट्रांसफर किए गए।

### बिलासपुर में अलर्ट, एनएच पर ...

उपर से पानी बहने के कारण रायपुर- बिलासपुर का संपर्क टूटा हुआ है। भारी बारिश के बाद शहर के कई इलाकों में जलभराव, बिजली संकट, पेयजल आपूर्ति में बाधा, कीचड़, क्षतिग्रस्त सड़कें और यातायात अव्यवस्था एक साथ सामने आई। कई कॉलोनियों में लोग देर रात तक घरों और दुकानों से पानी निकालते रहे, जबकि दूसरी ओर बिजली बहाल होने का इंतजार करते रहे। बारिश के बाद सामने आई इन समस्याओं ने यह संकेत दिया कि शहर अब केवल जलभराव ही नहीं, बल्कि बिजली व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति और क्षतिग्रस्त सड़क जैसे कई मोर्चों पर एक साथ चुनौतियों का सामना कर रहा है। हर तरफ 6 से 8 फीट तक पानी भर गया: लोगों के घरों में पानी घुसने से भारी तबाही का नजारा देखने को मिला। जिन इलाकों में पिछले 20-25 साल में कभी पानी नहीं भरा, वहां भी इस बार लोगों को पूरी रात घर नहीं, बल्कि अपना सामान बचाने की मशक्कत करते रहे। हैरानी की बात है कि जिन इलाकों में जलभराव रोकने के लिए करोड़ों का काम हुआ है, वह इलाका भी जलमग्न नजर आया। वहीं, लोगों ने पूरे दिन ग्राउंड फ्लोर की जगह पहली मंजिल पर दिन बिताई। बारिश का सबसे ज्यादा असर अरपापार, रायपुर रोड, सकरी और शहर की बाहरी कॉलोनियों में देखने को मिला।

### हरिभूमि-आईएनएच का जिला...

मुदलियार, उद्योगपति बहादुर अली, शिक्षा मंडल राजनांदगांव के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता सुरेश एचलाल, वरिष्ठ पत्रकार सुशील कोठारी, महावीर ग्रुप के एमडी विनोद बोहरा, उद्योगपति सुनील मुंदड़ा, उद्योगपति सुनील अग्रवाल, चिकित्सक डॉ. प्रकाश खुंटे, चेंबर ऑफ कामर्स अध्यक्ष कमलेश बैद, कैट अध्यक्ष राजू डागा शामिल होंगे। इसके साथ ही जिले के कलेक्टर जितेन्द्र यादव एवं एसपी अंकिता शर्मा से भी जिले को लेकर चर्चा की जाएगी।

### ओवर टाइम भुगतान घोटाला...

करने 20 जुलाई तक पुलिस रिमांड हासिल की है। त्रिपाठी को जांच एजेंसी ने शुक्रवार को पूछताछ करने बुलाया, इसके बाद उन्हें दूसरे दिन गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। त्रिपाठी से पूछताछ में ओवर टाइम भुगतान घोटाले में कई अहम खुलासे हो सकते हैं। प्रवर्तन निदेशालय ने 29 नवंबर 2023 को तीन लोगों के पास से 28.80 लाख रुपए नकद बरामद किए। जानकारी जुटाने पर यह राशि ओवर टाइम भुगतान घोटाले से जुड़े होने की बात सामने आई। इसके बाद जांच एजेंसी ने इसकी सूचना राज्य शासन को भेजी, जिसके आधार पर ईओडब्ल्यू-एसीबी ने एफआईआर दर्ज कर विस्तृत जांच शुरू की। जांच में सामने आया कि वर्ष 2019-20 से 2023-24 के बीच कर्मचारियों के ओवरटाइम, बोनस, अतिरिक्त चार कार्य दिवस और सर्विस चार्ज के नाम पर मैनपावर एजेंसियों को नियमों के विपरीत भारी भुगतान किया गया।

**ओवर टाइम के नाम पर 182.98 करोड़ का भुगतान:** जांच एजेंसियों के अनुसार वर्ष 2019 से 2023 के बीच ओवर टाइम के नाम पर 182.98 करोड़ रुपए का अतिरिक्त भुगतान किया गया। इसमें लगभग 101.20 करोड़ रुपए ओवरटाइम, 12.21 करोड़ रुपए बोनस, 54.46 करोड़ रुपए अतिरिक्त चार कार्य दिवस और 15.11 करोड़ रुपए सर्विस चार्ज के नाम पर जारी किए गए। आरोप है कि इस राशि का बड़ा हिस्सा कथित कमीशन के रूप में सिंडिकेट के जरिए विभिन्न लोगों तक पहुंचाया गया।

### सर्पदंश से मौत की फर्जी रिपोर्ट...

महमंद निवासी निसार खान व लता सूर्यवंशी की मौत के मामले में पुलिस अपराध कायम कर जांच में जुटी हुई थी। जांच में खुलासा हुआ दोनों मामले में पूर्व में सिम्स में पदस्थ नागपुर निवासी डा. प्रियंका सोनी पति निहित सविता मोहन 37 साल के द्वारा पोस्टमार्टम किया गया था और सर्पदंश से मौत होने की फर्जी पोस्टमार्टम रिपोर्ट बनाई गई थी। 18 जुलाई 2026 को एएसआई देवेन्द्र तिवारी ने दोनों मामले में फरार डा. प्रियंका सोनी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है। ज्ञात हो कि पूर्व में उक्त दोनों मामले में मृतक निसार खान की पत्नी सफीना बानो व मृतक लता सूर्यवंशी के पति संतोष सूर्यवंशी वकील रंजित कुमार चतुर्वेदी अटल आवास सैदा निवासी को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। उक्त दोनों मामले में फर्जी प्रकरण बनाने वाले मुख्य आरोपी वकील पेण्डारी निवासी श्रवण वस्त्रकार पुलिस पकड़ से बाहर है। बताया जा रहा है कि वकील श्रवण वस्त्रकार लंबे समय से गंभीर बीमारी से ग्रस्ति है और उसका इलाज चल रहा है।

## उद्धव को जोर का झटका छह बागी लोकसभा सांसद अब शिंदे गुट के खाते में

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शनिवार को टीएमसी और शिवसेना (यूबीटी) के बागी सांसदों की स्थिति पर फैसला लिया है। शिंदे गुट में उद्धव गुट के छह बागी सांसदों के विलय को मंजूरी मिल गई है, जबकि तृणमूल कांग्रेस के 20 सांसद सदन में अलग बैठेंगे। लोकसभा अध्यक्ष के फैसले से महाराष्ट्र की उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) को बड़ा झटका लगा है। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना में उद्धव गुट के छह सांसदों के विलय को लोकसभा सचिवालय ने मंजूरी दे दी है। इसके तहत शिवसेना यूबीटी के सांसद रहे संजय हरिभाऊ जाधव, भाऊसाहेब राजाराम वाकचौरे, ओमप्रकाश भूपाल सिंह निंबालकर, संजय दीना पाटिल, संजय उत्तमराव देशमुख और नागेश बापुराव पाटिल अष्टीकर अब शिंदे गुट के सांसद हो गए हैं।

### लोकसभा में दलों की वर्तमान स्थिति

लोकसभा में सबसे बड़ी पार्टी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) है, जिसके 239 सांसद हैं और इसके नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं। दूसरे स्थान पर कांग्रेस है, जिसके 98 सांसद हैं और नेता राहुल गांधी हैं। समाजवादी पार्टी 37 सांसदों के साथ तीसरे स्थान पर है। तृणमूल कांग्रेस के 28, द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) के 22, तेलुगु देशम पार्टी के 16, शिवसेना (एकनाथ शिंदे) के 13 और जनता दल (यूनाइटेड) के 12 सांसद हैं। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के आठ, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के पांच, जबकि माकपा, राष्ट्रीय जनता दल और वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के चार-चार सांसद हैं।

### टीएमसी बागी सांसदों को भी बैठक के लिए निमंत्रण

**हरिभूमि न्यूज. नई दिल्ली ।** तृणमूल कांग्रेस के नेशनल सिटिजन्स पार्टी ऑफ़ इंडिया (एनसीपीआई) में शामिल हो चुके 20 लोकसभा सांसदों को मॉनसून सत्र से पूर्व रविवार शाम को होने वाली लोकसभा/राज्यसभा में राजनीतिक दलों के फ्लोर लीडर्स की बैठक के लिए बुलाया गया है। इन सांसदों की तरफ से टीएमसी से अलग हुए गुट की ओर से सांसद सुदीप बंद्योपाध्याय और काकोली घोष इस सर्वदलीय बैठक में हिस्सा लेंगे। दोनों सांसद अब नेशनल सिटिज़न पार्टी ऑफ इंडिया के नाम से बने नए गुट का प्रतिनिधित्व करेंगे। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने मॉनसून सत्र से पूर्व होने वाली सर्वदलीय बैठक के लिए नेशनल सिटिज़न्स पार्टी ऑफ़ इंडिया एनसीपीआई में शामिल हुए तृणमूल कांग्रेस के 20 बागी लोकसभा सांसदों को आमंत्रित किया है।

## राशिफल

**मेष** — मन प्रसन्न रहेगा। परिवार में सुख-शान्ति रहेगी। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। भवन के रख-रखाव एवं साज-सज्जा के कार्यों पर खर्च बढ़ेंगे।

**वृष** — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। लेखनादि-बौद्विक कार्यों से आय हो सकती है।

**मिथुन** — मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु फिर भी आत्मसंयत रहें। रहन-सहन भी अव्यवस्थित रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। स्वाथ्य का ध्यान रखें।

**कर्क** — पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ बढ़ेगी। कारोबार के लिए विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। भाइयों का सहयोग रहेगा। यात्रा के योग बन रहे हैं।

**सिंह** — व्यर्थ के क्रोध से बचें। बातचीत में सन्तुलित रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। व्यवधान आ सकते हैं। आय में कमी आ सकती है।

**कन्या** — अपनी भावनाओं को वश में रखें। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा।

**तुला** — पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। शैक्षिक एवं शोधादि कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। परिश्रम अधिक रहेगा। खर्चों में वृद्धि होगी।

**वृश्चिक** — व्यर्थ के क्रोध से बचें। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं।

**धनु** — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। संयत रहें। व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद-परिणाम मिलेंगे। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

**मकर** — आत्मसंयत रहें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। लेखनादि-बौद्विक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी और आय के साधन भी बनेंगे। खर्च भी बढ़ेंगे। रुचि बढ़ेगी।

**कुंभ** — मन शान्त तो रहेगा। फिर भी धैयशीलता बनाये रखने का प्रयास करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धार्मिक संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है।

**मीन** — मन अशान्त तो हो सकता है। वाणी में मधुरता भी रहेगी। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है।

22 जुलाई को देश की समुद्री सेना के जंगी बेड़े में शामिल होगा यह युद्धपोत

## मालवन युद्धपोत का प्रतीक चिन्ह जारी, केंद्र में बाघ के पंजे की तस्वीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

नौसेना ने शनिवार को पनडुब्बी रोधी युद्ध-कौशल में माहिर उथले जल क्षेत्र में कार्रवाई करने वाले (एएसडब्ल्यू-एसडब्ल्यूसी) मालवन युद्धपोत के शिखर (प्रतीक चिन्ह) का उद्घाटन किया है। जिसके केंद्र में 'बाघ के पंजे यानी बाघ नख' की एक अनोखी तस्वीर लगाई गई है।

यह युद्धपोत अगले सप्ताह 22 जुलाई को नौसेना में आधिकारिक रूप से शामिल होगा। कर्नाटक के कारवार में समारोह आयोजित किया जाएगा। जिसकी अध्यक्षता वायुसेनाप्रमुख एयरचीफ मार्शल ए.पी.सिंह करेंगे। नौसेना ने 18 जुलाई को एक्स पर एक वीडियो पोस्ट साझा कर यह जानकारी दी है।

### शिवाजी की वजह से प्रचलित हुआ बाघ नख

बाघ का पंजा, भारतीय उपमहाद्वीप में प्रयोग किया जाने वाला एक पारंपरिक और छिपाकर रखे जाने वाला घातक हथियार है। जिसमें खासतौर पर लोहे के करीब चार-पांच घुमावदार ब्लेड होते हैं। जो मुट्ठी के आकार के आधार से जुड़े होते हैं, जिन्हें उंगलियों में छल्लों के माध्यम से पहना जाता है। देश के अंदर इस हथियार के प्रचलन का सबसे बड़ा कारण मराठा साम्राज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज द्वारा इसका प्रयोग किया जाना है। उन्होंने 1659 में प्रतापगढ़ युद्ध के दौरान बीजापुर सल्तनत के सेनापति अफजल खां के हमले के जवाब में अपने बचाव के लिए इसी बाघ नख का ही उपयोग किया था।

**साहस, निर्भीकता का प्रतीक :** नौसेना की पोस्ट के मुताबिक, मालवन का बाघ के नख वाला यह प्रतीक चिन्ह साहस, चपलता और निर्भीकता का प्रतीक है। समुद्र में लहरों से घिरा हुआ यह जहाज अपनी दृढ़ता को प्रतिबिंबित करता है। साथ ही यह बताता है कि हमेशा सतर्क रहें और देश की समुद्री सीमाओं की रक्षा में चुपचाप प्रहार करें।


**गुमशुदा**

नाम -प्रदीप महोबिया

उम्र-32वर्ष, पता-शांति नगर, तिफरा, थाना सिरगिट्टी, जिला- बिलासपुर (छ.ग.) दिनांक 5 जून 2026 को शाम 6 बजे घर से कहीं निकल गया है और अभी तक वापस नहीं लौटा है। जिसका रिपोर्ट सिरगिट्टी थाना में दर्ज है। अत: जिस किसी सज्जन को इसके बारे में जानकारी मिले या कहीं दिखाई दे तो इस नंबर पर सूचना देने की कृपा करें-

चंद्र कुमार महोबिया

मो.-9685908140, 9993606090



**रायपुर विकास प्राधिकरण**

भक्त माता कर्मा व्यावसायिक परिसर, न्यू राजेन्द्र नगर, रायपुर (छत्तीसगढ़)

**अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना**

(क्रमांक- 14 दिनांक 17.07.2026)

रायपुर विकास प्राधिकरण द्वारा छ.ग. शासन के एकल प्रणाली पंजीयन के अंतर्गत ''द'' श्रेणी (एक करोड़ तक के निर्माण कार्यों के लिये) एवं उससे ऊपर की श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु मुहरबंद निविदाएँ प्राधिकरण की निर्धारित निविदा प्रपत्र ''बी'' आयटम दरों पर "NON SOR" आयटम हेतु दिनांक **28.07.2026** को अपरान्ह 4.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। जो उसी दिन अपरान्ह 4.15 बजे तक प्राधिकरण कार्यालय में उपस्थित निविदाकर्ताओं के समक्ष खोली जावेगी।

| क्रं. | कार्य का विवरण | अनुमानित लागत | धरोहर राशि | निविदा प्रपत्र की कीमत | कार्य पूर्ण करने की अवधि |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| 1. | Renovation Carpentry & Interior Furnishing Works of Conference Hall at 3rd Floor, Bhakt Mata Karma Vyavsayik Parisar, New Rajendra Nagar, Raipur (C.G.) | रू. 19,65,090/- | रू. 39,500/- | रू. 2,000/- | 45 दिन |

निविदा प्रपत्र प्राधिकरण कार्यालय में सहायक अधीक्षक (तक.) से शासकीय कार्य दिवसों में दिनांक **27.07.2026** को (दोपहर 1.30 बजे तक) निर्धारित राशि नगद में राशि जमा कर प्राप्त किया जा सकता है।

कार्यपालन अभियंता


## शब्द पहेली - 6291

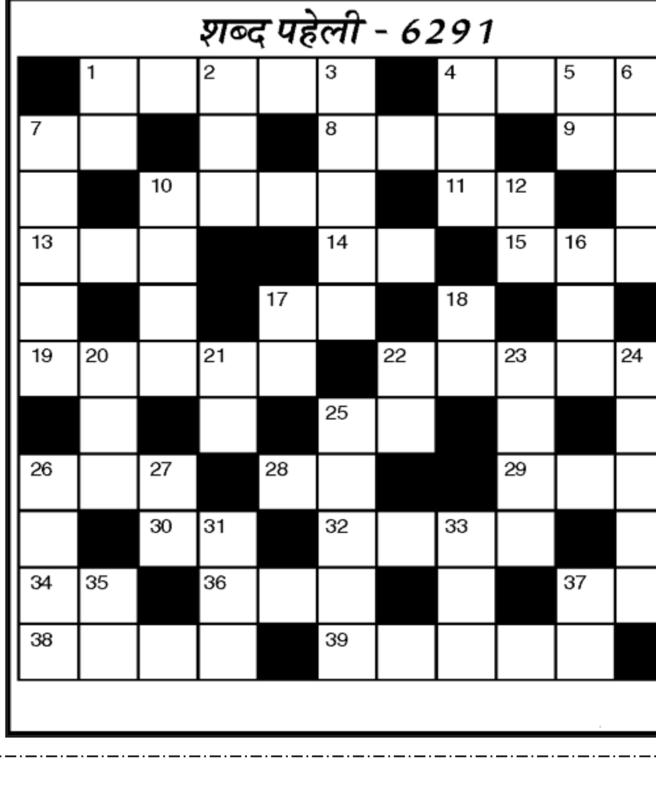

**बाएँ से दाएँ**

1.आरोपित, तथाकथ्य-5
4.प्रलय, वज्रपात-4
7.परिमाण, माप-2
8.प्लेट,तश्तरी-3
9.भीगा हुआ-2
10.वेश्या, गणिका-4
11.ज्वालामुखी से निकला द्रव पर्दाथ-2
13.अपवित्र (उर्दू-3)
14.दान करने वाला-2
15.आंचल-3
17.पंख-2
19.चाहे जो भी हो -5
22.अनूठापन,विचित्रता-5
25.उम्मीद,आस-2
26.अनाशवान,अक्षय-3
28.सुनील शेट्टी की पहली फिल्म-2
29.बंदर, मर्कट-3
30.सम्मान, आदर-2
32.करामात,करिश्मा-4
34.नवीन,नव-2
36.नसीरुद्दीन और अर्चना पूरणसिंह की फिल्म-3
37.शारीरिक ऊंचाई-2
38.भाग्य,लक-4
39.रावण,दशानन-5

**ऊपर से नीचे**

1.तपस्या-2
2.कॉफी-3
3.तरफदारी करनेवाला-5
4.जन जाति, झुंड-3
5.वोट-2
6.बढ़ई,खाती-4
7.जो मुनासिब न हो-5
10.भाग्य (उर्दू-4)
12.प्रतिज्ञा,वचन-2
16.राजा,राजन-3
17.क्षण-2
18.संपूर्ण,देवी का एक नाम-2
20.रनिवास (उर्दू-3)
21.नुकसान,घाटा-2
22.रजनी, रात्रि-2
23.अनुपम,बेजोड़-4
24.जिसे घर में ही कैद किया गया हो-5
25.आतंक फैलानेवाला-5
26.धरोहर,थाती-4
27.लक्ष्मी-2
31.निगाह,दृष्टि-3
33.बैचेनी,परेशानी,संघर्ष-3
35.लद्दाख में पाया जानेवाला बैल जैसा एक जानवर-2
37.टैक्स, हाथ-2

**शब्द पहेली- 6290 का हल**

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ल | गा | म | | अ | | त | र | ब | त | र |
| ल | | त | म | स | | ह | म | ला | | खै |
| क | श | | | ल | | ल | | | का | ल |
| | ही | | क | हा | नी | का | र | | र | |
| ब | द | मा | श | | र | | च | म | क | ना |
| | | | ल | क्ष | | सी | ना | | | |
| र | त | ज | गा | | आ | | का | म | या | ब |
| | र | | ना | ना | स | सु | र | | च | |
| श | ह | | | म | | श | | | क | म |
| ह | | त | ना | व | | पा | य | ल | | हु |
| त | ल | ब | गा | र | | न | | ब | ल | वा |

## सूडोकु नवताल - 6301

★☆☆☆☆ सरल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 4 | | 7 | | 1 | | | 3 |
| 3 | | 5 | | 4 | | 1 | | |
| | 2 | | | | 8 | | | |
| 4 | | 3 | | | | | | |
| | 8 | | | 2 | | | 1 | |
| | | | | | | 8 | | 6 |
| | | | 2 | | | | 3 | |
| | | 9 | | 8 | | 2 | | 4 |
| 1 | | | 4 | | 6 | | 9 | |

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

**सूडोकु नवताल - 6300 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 9 | 2 | 7 | 4 | 8 | 6 | 5 | 3 | 1 |
| 5 | 1 | 6 | 3 | 2 | 9 | 4 | 8 | 7 |
| 3 | 4 | 8 | 7 | 1 | 5 | 9 | 6 | 2 |
| 8 | 3 | 4 | 9 | 5 | 1 | 2 | 7 | 6 |
| 7 | 6 | 5 | 8 | 4 | 2 | 3 | 1 | 9 |
| 1 | 9 | 2 | 6 | 3 | 7 | 8 | 5 | 4 |
| 6 | 7 | 3 | 2 | 9 | 8 | 1 | 4 | 5 |
| 2 | 8 | 1 | 5 | 7 | 4 | 6 | 9 | 3 |
| 4 | 5 | 9 | 1 | 6 | 3 | 7 | 2 | 8 |

# मिड या स्मॉल-कैप फंड: 10 साल में किसने दिखाया दम

दोनों श्रेणियों ने दिया शानदार रिटर्न, लेकिन जोखिम और उतार-चढ़ाव में मिड-कैप बेहतर

## दोनों का निफ्टी-50 से बेहतर रहा प्रदर्शन

- सिर्फ ज्यादा रिटर्न पर न करें फैसला, पहले जोखिम व वोलैटिलिटी भी समझें
- स्मॉल-कैप ने बेंचमार्क को पीछे छोड़ा, मिड-कैप कम जोखिम संग बेहतर
- विशेषज्ञ बोले, गिरावट से घबराने के बजाय विविधीकृत पोर्टफोलियो अपनाएं
- दोनों फंडों में संपत्ति बनाने की क्षमता, लेकिन क्षमता के अनुसार करें फैसला
- विविधीकरण और लंबी अवधि बेहतर रिटर्न दिलाने की सबसे कारगर रणनीति

**निवेश मंत्रा**
**बिजनेस डेस्क**

म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले अधिकांश निवेशकों के सामने सबसे बड़ा सवाल होता है कि लंबी अवधि के लिए मिड-कैप फंड चुनें या स्मॉल-कैप फंड। दोनों श्रेणियों ने पिछले एक दशक में शानदार रिटर्न दिए हैं और निवेशकों की संपत्ति में उल्लेखनीय वृद्धि की है। हालांकि, सिर्फ रिटर्न देखकर निवेश का फैसला करना सही नहीं होता। किसी भी निवेश विकल्प का चयन करते समय उसके जोखिम, उतार-चढ़ाव, निवेश अवधि और वित्तीय लक्ष्य को भी ध्यान में रखना जरूरी है। एक रिपोर्ट के अनुसार पिछले 10 वर्षों में मिड-कैप और स्मॉल-कैप दोनों श्रेणियों ने लंबी अवधि के निवेशकों को आकर्षक रिटर्न दिया है। जहां स्मॉल-कैप फंड का औसत 10 वर्षीय वार्षिक रिटर्न (सीएजीआर) 16.69 प्रतिशत रहा, वहीं मिड-कैप फंड ने 16 प्रतिशत का औसत रिटर्न दिया। यानी दोनों के बीच रिटर्न का अंतर बहुत अधिक नहीं है, लेकिन जोखिम और प्रदर्शन के तरीके में स्पष्ट अंतर दिखाई देता है।

### स्मॉल-कैप ने बेंचमार्क को पछाड़ा

आंकड़ों के अनुसार, स्मॉल-कैप फंड अपने बेंचमार्क बीएसई 250 स्मॉलकैप टोटल रिटर्न इनडेक्स से बेहतर प्रदर्शन करने में सफल रहे। दूसरी ओर, मिड-कैप फंड अपने बेंचमार्क बीएसई 150 मिडकैप टोटल रिटर्न इनडेक्स से थोड़ा पीछे रहे। इससे यह संकेत मिलता है कि स्मॉल-कैप फंड मैनेजरों ने बेहतर स्टॉक चयन के जरिए अतिरिक्त रिटर्न (अल्फा) बनाने में सफलता हासिल की। 10 वर्षों के प्रदर्शन में निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप डायरेक्ट, क्वांट स्मॉल कैप, एक्सिस स्मॉल कैप और एसबीआई स्मॉल कैप जैसे फंड शीर्ष प्रदर्शनकर्ताओं में शामिल रहे। वहीं मिड-कैप श्रेणी में इनवेस्को इंडिया मिड कैप, एडलवाइस मिड कैप, निप्पॉन इंडिया ग्रोथ और कोटक मिडकैप फंड ने बेहतरीन प्रदर्शन किया।

### रिटर्न के साथ जोखिम भी समझें

अक्सर निवेशक केवल अधिक रिटर्न देखकर निवेश कर देते हैं, जबकि वास्तविक तस्वीर जोखिम के आंकड़ों से सामने आती है। पिछले तीन वर्षों के आंकड़ों के अनुसार, स्मॉल-कैप फंड का स्टैंडर्ड डिविएशन 20.33 प्रतिशत रहा, जबकि मिड-कैप फंड का यह आंकड़ा 17.88 प्रतिशत था। इसका मतलब है कि स्मॉल-कैप फंड में कीमतों का उतार-चढ़ाव ज्यादा रहा और इनमें निवेश करने वालों को अधिक अस्थिरता का सामना करना पड़ा। इसी तरह जोखिम के मुकाबले मिलने वाले रिटर्न को मापने वाले शार्प रेशियो में भी मिड-कैप फंड आगे रहे। मिड-कैप फंड का शार्प रेशियो 0.79 रहा, जबकि स्मॉल-कैप फंड का 0.69। इसका अर्थ है कि मिड-कैप फंड ने अपेक्षाकृत कम जोखिम लेकर बेहतर जोखिम-समायोजित रिटर्न दिया। हालांकि दोनों श्रेणियों का सॉर्टिनो रेशियो समान रहा, जिससे स्पष्ट होता है कि डाउनसाइड जोखिम को ध्यान में रखने पर दोनों का प्रदर्शन लगभग बराबर रहा।

**लंबी अवधि के निवेशकों को मिला फायदा :** विशेषज्ञों का मानना है कि पिछले 10 वर्षों की सबसे बड़ी सीख यही है कि जिन्होंने बाजार की गिरावट के दौरान घबराकर निवेश नहीं निकाला और लंबे समय तक निवेश बनाए रखा, उन्हें दोनों श्रेणियों में शानदार रिटर्न मिला। बाजार में गिरावट हर चक्र का सामान्य हिस्सा है और इसे निवेश यात्रा का स्वाभाविक चरण माना जाना चाहिए। मिड-कैप और स्मॉल-कैप फंड को केवल अधिक उतार-चढ़ाव के कारण नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। लंबी अवधि में दोनों श्रेणियों ने निफ्टी 50 से बेहतर प्रदर्शन किया है और निवेशकों के लिए अच्छी संपत्ति बनाने की क्षमता दिखाई है।

### विविधीकरण सबसे बेहतर रणनीति

विशेषज्ञों का कहना है कि पूरे निवेश को केवल स्मॉल-कैप या केवल मिड-कैप में लगाना समझदारी नहीं है। बेहतर रणनीति यह है कि निवेशकों का पोर्टफोलियो सभी मार्केट कैप में संतुलित रूप से विभाजित हो। उदाहरण के तौर पर यदि किसी निवेशक के 10 लाख रुपये पूरी तरह स्मॉल-कैप फंड में लगे हों और बाजार में गिरावट आए, तो पूरे पोर्टफोलियो पर उसका असर पड़ेगा। जबकि यदि पोर्टफोलियो में लगभग 55 प्रतिशत लार्ज-कैप, 23 प्रतिशत मिड-कैप और 22 प्रतिशत स्मॉल-कैप का संतुलित निवेश हो, तो बाजार की गिरावट का प्रभाव काफी कम हो सकता है। यही कारण है कि वित्तीय योजनाकार हमेशा विविधीकरण को सफल निवेश की सबसे महत्वपूर्ण रणनीति मानते हैं।

### किस निवेशक के लिए कौन सा फंड?

यदि आपकी निवेश अवधि 7 से 10 वर्ष या उससे अधिक है और आप बाजार के उतार-चढ़ाव को सहन कर सकते हैं, तो स्मॉल-कैप फंड आपके पोर्टफोलियो में बेहतर वृद्धि की संभावना जोड़ सकते हैं। वहीं यदि आप अच्छा रिटर्न चाहते हैं लेकिन अपेक्षाकृत कम जोखिम लेना पसंद करते हैं, तो मिड-कैप फंड अधिक उपयुक्त विकल्प हो सकते हैं। पहली बार निवेश करने वालों के लिए भी सलाह दी जाती है कि वे सीधे स्मॉल-कैप में बड़ी राशि लगाने के बजाय लार्ज-कैप और मिड-कैप के साथ सीमित हिस्सेदारी स्मॉल-कैप में रखें।

### एसआईपी धन सृजन का सबसे प्रभावी तरीका

पिछले 10 वर्षों का रिकॉर्ड बताता है कि मिड-कैप और स्मॉल-कैप दोनों श्रेणियों ने निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया है। जहां स्मॉल-कैप फंड ने थोड़ा अधिक रिटर्न और बेहतर अल्फा दिया, वहीं मिड-कैप फंड ने कम उतार-चढ़ाव और बेहतर जोखिम-समायोजित प्रदर्शन के दम पर अपनी अलग पहचान बनाई। निवेशकों को केवल अधिक रिटर्न के आकर्षण में निर्णय लेने के बजाय अपने वित्तीय लक्ष्य, निवेश अवधि और जोखिम उठाने की क्षमता के आधार पर पोर्टफोलियो तैयार करना चाहिए। नियमित एसआईपी, लंबी अवधि का नजरिया और विविधीकृत निवेश रणनीति ही धन सृजन का सबसे प्रभावी तरीका साबित हो सकती है।

---

**बिजनेस साइट**

# टाटीबंध में चौहान हेवी व्हीकल्स सर्विस सेंटर का शुभारंभ

### वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

**रायपुर।** राजधानी के टाटीबंध स्थित चौहान ग्रुप रिसॉर्ट्स में शनिवार को चौहान हेवी व्हीकल्स सर्विस सेंटर का शुभारंभ किया गया। यह अशोक लेलैंड का अधिकृत (ऑथराइज्ड) हेवी कमर्शियल व्हीकल्स सर्विस सेंटर है। उद्घाटन के साथ ही पंचवटी वृक्षारोपण अभियान की भी शुरुआत की गई। कार्यक्रम में उद्योग, रोजगार सृजन और पर्यावरण संरक्षण को एक साथ आगे बढ़ाने का संदेश दिया गया। समारोह के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक सुरेश जोशी तथा छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत, दीप प्रज्ज्वलन और पारंपरिक विधि-विधान से हुआ। इसके बाद नवीन सर्विस सेंटर का विधिवत लोकार्पण किया गया। अतिथियों ने पंचवटी परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। इस

अवसर पर चौहान ग्रुप के प्रमुख अजय चौहान ने कहा कि नया सर्विस सेंटर ग्राहकों को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी उपलब्ध कराएगा। उन्होंने बताया कि समूह भविष्य में भी सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और कौशल विकास जैसे क्षेत्रों में कार्य करता रहेगा। कार्यक्रम में अशोक लेलैंड की ओर से छत्तीसगढ़-विदर्भ ओरिजिनल पार्ट्स मैनेजर कुलेश्वर साहू भी उपस्थित रहे। समारोह के अंत में आंचल चौहान ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया, जिसके बाद हाई-टी के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

---

# छोटी-छोटी बचत से बनाएं बड़ा फंड, भविष्य होगा सुरक्षित

बढ़ती महंगाई, बदलती जीवनशैली और बढ़ते खर्चों के बीच हर व्यक्ति की सबसे बड़ी चिंता होती है कि आखिर बचत कैसे बढ़ाई जाए। आम धारणा यह है कि पैसे बचाने के लिए अपनी पसंद, शौक और मनोरंजन पर रोक लगानी पड़ती है, लेकिन वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि अच्छी बचत का मतलब कंजूसी करना नहीं, बल्कि समझदारी से खर्च करना है। यदि आय, खर्च और निवेश के बीच संतुलन बनाया जाए तो बिना लाइफस्टाइल से समझौता किए हर महीने अच्छी-खासी बचत की जा सकती है। दरअसल, आज के समय में वित्तीय सुरक्षा केवल अधिक कमाई पर निर्भर नहीं करती, बल्कि इस बात पर भी निर्भर करती है कि कमाई का कितना हिस्सा सही तरीके से उपयोग और निवेश किया जा रहा है। यदि व्यक्ति छोटी-छोटी वित्तीय आदतों में बदलाव कर ले तो वह न केवल अपने मासिक खर्चों को नियंत्रित कर सकता है, बल्कि भविष्य के बड़े वित्तीय लक्ष्यों जैसे घर खरीदना, बच्चों की शिक्षा, रिटायरमेंट और इमरजेंसी फंड को भी आसानी से पूरा कर सकता है।

### खर्चों का रिकॉर्ड रखना बचत की पहली सीढ़ी

वित्तीय योजना की शुरुआत हमेशा इस सवाल से होती है कि आपका पैसा आखिर खर्च कहां हो रहा है। अधिकांश लोग यह मानते हैं कि वे बहुत अधिक खर्च नहीं करते, लेकिन जब महीनेभर के बैंक स्टेटमेंट या डिजिटल भुगतान का रिकॉर्ड देखा जाता है तो कई ऐसे खर्च सामने आते हैं, जिनकी वास्तव में कोई जरूरत नहीं होती। बिना इस्तेमाल वाले ओटीटी सब्सक्रिप्शन, बार-बार ऑनलाइन खाना मंगाना, छोटी-छोटी ऑनलाइन शॉपिंग, महंगी कॉफी या बार-बार कैब का उपयोग जैसी आदतें महीने के अंत तक हजारों रुपये का अतिरिक्त खर्च करा देती हैं। यदि व्यक्ति अपने सभी खर्चों को मोबाइल ऐप, एक्सेल शीट या डायरी में दर्ज करना शुरू कर दे तो उसे तुरंत समझ आ जाएगा कि बचत की सबसे अधिक संभावना कहां है।

### जरूरत और वैल्यू में फर्क समझना जरूरी

अक्सर लोग आकर्षक ऑफर या फैशन के प्रभाव में ऐसी चीजें खरीद लेते हैं, जिनकी उन्हें वास्तव में आवश्यकता नहीं होती। वित्तीय विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि हर खरीदारी से पहले खुद से तीन सवाल पूछें क्या यह वास्तव में जरूरी है? क्या इसका उपयोग लंबे समय तक होगा? और क्या इसे अभी खरीदना आवश्यक है? ऐसी वस्तुओं या अनुभवों पर खर्च करना बेहतर माना जाता है जो लंबे समय तक लाभ दें। उदाहरण के लिए, कोई नई स्किल सीखना, स्वास्थ्य पर खर्च करना, परिवार के साथ यात्रा करना या अच्छी किताबें खरीदना ऐसे निवेश हैं जो लंबे समय तक मूल्य देते हैं। इसके विपरीत केवल दिखावे के लिए की गई खरीदारी कुछ समय बाद महत्व खो देती है।

### 'फन बजट' बनाएं, बचत भी होगी व खुशी भी

कई लोग बचत करने के उत्साह में अपने सभी मनोरंजन संबंधी खर्च बंद कर देते हैं। शुरुआत में यह आसान लगता है, लेकिन कुछ समय बाद व्यक्ति मानसिक रूप से थक जाता है और फिर अचानक जरूरत से ज्यादा खर्च करने लगता है। इस स्थिति से बचने के लिए विशेषज्ञ हर महीने एक निश्चित राशि केवल मनोरंजन, घूमने-फिरने, फिल्म देखने या दोस्तों के साथ समय बिताने के लिए अलग रखने की सलाह देते हैं। इसे 'फन बजट' कहा जाता है। इससे व्यक्ति बिना किसी अपराधबोध के अपनी पसंद की गतिविधियों का आनंद ले सकता है और उसका कुल बजट भी नहीं बिगड़ता।

### लाइफस्टाइल इन्फ्लेशन बड़ा वित्तीय जाल

वित्तीय दुनिया में एक शब्द काफी लोकप्रिय है। 'लाइफस्टाइल इन्फ्लेशन'। इसका मतलब है कि जैसे-जैसे आय बढ़ती है, वैसे-वैसे व्यक्ति अपने खर्च भी बढ़ा देता है। नई नौकरी मिलने पर महंगा मोबाइल खरीद लेना, वेतन बढ़ते ही लग्जरी कार की ईएमआई शुरू कर देना या हर सप्ताह महंगे रेस्टोरेंट जाना इसी प्रवृत्ति के उदाहरण हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि वेतन बढ़ने पर सबसे पहले बचत और निवेश की राशि बढ़ानी चाहिए। यदि हर वेतन वृद्धि का कम से कम 40 से 50 प्रतिशत हिस्सा सीधे एसआईपी, पीपीएफ, एनपीएस या अन्य निवेश विकल्पों में लगाया जाए तो कुछ वर्षों में बड़ा निवेश कोष तैयार किया जा सकता है।

### रोजमर्रा की छोटी आदतों में करें बड़ा बदलाव

बचत के लिए हमेशा बड़े बदलाव की जरूरत नहीं होती। छोटी-छोटी आदतें भी लंबी अवधि में बड़ा असर डालती हैं। उदाहरण के लिए, किसी भी सामान को खरीदने से पहले ऑनलाइन कीमतों की तुलना करना, कैशबैक और डिस्काउंट ऑफर का लाभ उठाना, अनावश्यक गैजेट अपग्रेड से बचना, बिजली और पानी की बचत करना तथा सप्ताह में कुछ दिन बाहर खाने की बजाय घर का भोजन करना जैसी आदतें हर महीने अच्छी रकम बचा सकती हैं। इसी तरह क्रेडिट कार्ड का उपयोग केवल उतना ही करें, जितना समय पर चुका सकें। अनावश्यक ईएमआई से बचना और हर महीने आय का कम से कम 20 से 30 प्रतिशत बचत या निवेश के लिए अलग रखना वित्तीय अनुशासन का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है।

---

# 5 वर्ष में 101 इक्विटी फंड्स ने दोगुना किया निवेश

शेयर बाजार में पिछले दो वर्षों के उतार-चढ़ाव के बावजूद लंबी अवधि में इक्विटी म्यूचुअल फंड्स ने निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया है। आंकड़े बताते हैं कि पिछले पांच वर्षों में 310 इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में से 101 फंड्स ने निवेशकों का पैसा दोगुना या उससे अधिक कर दिया। यानी हर तीन में से लगभग एक इक्विटी फंड ने 100 फीसदी से ज्यादा एब्सोल्यूट रिटर्न दिया। इतना ही नहीं, चार म्यूचुअल फंड ऐसे भी रहे जिन्होंने केवल तीन वर्षों में ही निवेशकों का पैसा दोगुना कर दिया। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि निवेश का फैसला केवल पुराने रिटर्न के आधार पर नहीं करना चाहिए, क्योंकि बाजार और सेक्टर का प्रदर्शन समय के साथ बदलता रहता है।

### इंफ्रास्ट्रक्चर और पीएसयू फंड्स रहे सबसे आगे

पांच साल के प्रदर्शन पर नजर डालें तो सबसे अधिक फायदा सेक्टोरल और थीमैटिक फंड्स में निवेश करने वालों को मिला। खासतौर पर इंफ्रास्ट्रक्चर, पीएसयू, पावर और मिडकैप से जुड़े फंड्स ने जबरदस्त रिटर्न दिए। सबसे आगे आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल इंफ्रास्ट्रक्चर फंड रहा, जिसने पांच साल में करीब 188 प्रतिशत का एब्सोल्यूट रिटर्न दिया। यानी एक लाख रुपये का निवेश लगभग 2.88 लाख रुपये हो गया। इसके बाद एसबीआई पीएसयू फंड और एलआईसी एमएफ इंफ्रास्ट्रक्चर फंड ने करीब 183 प्रतिशत का रिटर्न दिया। वहीं आदित्य बिड़ला सन लाइफ पीएसयू इक्विटी फंड ने 179 प्रतिशत, डीएसपी इंडिया टाइगर फंड ने 176.51 प्रतिशत और निप्पॉन इंडिया पावर एंड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड ने लगभग 174 प्रतिशत का रिटर्न दिया।

**OFFICE OF THE MUNICIPAL CORPORATION RAIPUR**

**Notice Inviting Tender (1st Call)**

SYSTEM TENDER NO/ 195584 /NIT NO: 141/Comm./F.P./ Raipur Dated 15-07-2026

Online bids are invited for the following works up to 07/08/2026 at 17:30 hours.

Online tender is invited by the Commissioner, Municipal Corporation, Raipur for the following work in Form "F" for lump Sum contract from the contractors registered with Unified Registration System (Single Window) on GoCG PWD & e-Procurement System Portal (https://cgeprocurement.gov.in) through sub portal https://uadd.cgeprocurement.gov.in as per the 'key Dates' mentioned below. All other conditions for submission of tenders and criteria for prequalification etc. have been mentioned in the tender documents.

| Sr. No. | System Tender No. | Name of Work | Probable Amount of Contract (Rs. In Lakh) (inclusive 5 years O&M) | Earnest Money TDR/FDR in favour of COMMISSIONER MUNICIPAL CORPORATION RAIPUR (Rs. In Lakh) | Cost of Tender Document | Eligible class of contract or /firm | Time allowed for Completion |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 195584 | Construction of WTP of Capacity 150 MLD, 16.00m Dia. Intake well, 1200 mm Dia. DI K-9 Pipe Raw & Clear Water Pumping Main, Raw & Clear Water Pumping Machinery, Sub Station, SCADA With All Necessary Components And O&M for 5 Years | 14942.22 Lakhs | 75.00 Lakhs | Rs 25000/- in the form of DD in favour of COMMISSIONER MUNICIPAL CORPORATION RAIPUR | A Class | 24 Months (including 03 (three) months trial run), and 5 (five) years Operation and maintenance Rs |

COMMISSIONER
MUNICIPAL CORPORATION
RAIPUR (C.G.)

**कार्यपालक अभियंता का कार्यालय**
**ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, गोड्डा।**

ई–निविदा आमंत्रण सूचना

ई– निविदा सूचना संख्या – RWD/SD/GODDA/05/2026-27

1.कार्य की विस्तृत विवरणी :

| क्रम | प्रखंड | कार्य का नाम | प्राक्कलित राशि | अग्रधन की राशि | परिमाण विपत्र का मूल्य | कार्य पूर्ण करने की अवधि |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | मेहरमा | गोड्डा जिला के प्रखण्ड मेहरमा अन्तर्गत मेहरमा पंचायत में तेलियाडीह गाँव से सुरनी गाँव के बीच कोआ नदी में पुल निर्माण। | 3,62,05,900.00 | 7,24,500.00 | 10,000.00 | 18 माह |

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि – 28.07.2026
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय – दिनांक 28.07.2026 से दिनांक 18.08.2026 को अपराह्न 5:00 बजे तक
4. ई–निविदा खोलने का स्थान – कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, गोड्डा।
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय – 20.08.2026 अपराह्न 2:00 बजे
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, गोड्डा।
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 9771979309
8. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।
11. ई निविदा रद्द करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी के पास सुरक्षित रहेगा।
12. किसी भी निविदाकार के यंत्र–संयंत्र एवं बिड क्षमता के मापदंडों पर प्रत्येक में सक्षम होने पर ही तकनीकी योग्यता पर विचार किया जायेगा।
13. जिस संवेदक का विभाग में पूर्व आवंटित कोई कार्य लंबित है अथवा उनका कार्यान्वयन संतोशजनक नहीं रहा है, उन्हें कार्य आवंटन पर विचार नहीं किया जायेगा।
14. किसी भी संवेदक को कार्य आवंटन के उपरांत सबलेट करना एकरारनामा शर्त्त का उल्लंघन होगा एवं समुचित सूचना प्राप्त होने पर एकरारनामा रद्द करते हुए संवेदक को काली सूची में डालने की कार्रवाई की जायेगी।
15. किसी भी संवेदक के कार्य आवंटन के क्रम में उनके ग्रामीण कार्य विभाग (ग्रा.वि.वि.+मु.मं.ग्रा.से.यो.) के अन्तर्गत कुल कार्य भार के आलोक में उपलब्ध यंत्र–संयत्र एवं वित्तीय क्षमता की सीमा तक नये कार्य आवंटन पर विचार किया जायेगा।
15. पथ निर्माण विभाग, झारखंड, राँची का पत्र संख्या 2146 (S) दिनांक 09.09.2020 में निहित प्रावधान के आलोक में निविदा की कार्यवाही की जा रही है।
16. आमंत्रित निविदा के समय निर्धारण के लिए JPWD Code 2012 के Para-159a का अनुपालन किया गया है।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल,गोड्डा।

PR 385254 Rural Development(26-27)D

**कार्यपालक अभियंता का कार्यालय**
**ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, गोड्डा**

ई–निविदा आमंत्रण सूचना

ई– निविदा सूचना संख्या – RWD/SD/GODDA/07/2026-27

1.कार्य की विस्तृत विवरणी :

| क्रम | प्रखंड | कार्य का नाम | प्राक्कलित राशि | अग्रधन की राशि | परिमाण विपत्र का मूल्य | कार्य पूर्ण करने की अवधि |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | सुन्दरपहाड़ी | गोड्डा जिला के प्रखण्ड सुन्दरपहाड़ी में पंचायत बांसजोरी, ग्राम–पहाड़पुर एवं चतरा के बीच चतरा नदी पर पुल निर्माण। | 3,59,49,100.00 | 7,19,000.00 | 10,000.00 | 18 माह |

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि – 28.07.2026
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय – दिनांक 28.07.2026 से दिनांक 18.08.2026 को अपराह्न 5:00 बजे तक
4. ई–निविदा खोलने का स्थान – कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, गोड्डा।
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय – 20.08.2026 अपराह्न 2:00 बजे
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, गोड्डा।
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 9771979309
8. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।
11. ई निविदा रद्द करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी के पास सुरक्षित रहेगा।
12. किसी भी निविदाकार के यंत्र–संयंत्र एवं बिड क्षमता के मापदंडों पर प्रत्येक में सक्षम होने पर ही तकनीकी योग्यता पर विचार किया जायेगा।
13. जिस संवेदक का विभाग में पूर्व आवंटित कोई कार्य लंबित है अथवा उनका कार्यान्वयन संतोषजनक नहीं रहा है, उन्हें कार्य आवंटन पर विचार नहीं किया जायेगा।
14. किसी भी संवेदक को कार्य आवंटन के उपरांत सबलेट करना एकरारनामा शर्त्त का उल्लंघन होगा एवं समुचित सूचना प्राप्त होने पर एकरारनामा रद्द करते हुए संवेदक को काली सूची में डालने की कार्रवाई की जायेगी।
15. किसी भी संवेदक के कार्य आवंटन के क्रम में उनके ग्रामीण कार्य विभाग (ग्रा.वि.वि.+मु.मं.ग्रा.से.यो.) के अन्तर्गत कुल कार्य भार के आलोक में उपलब्ध यंत्र–संयत्र एवं वित्तीय क्षमता की सीमा तक नये कार्य आवंटन पर विचार किया जायेगा।
15. पथ निर्माण विभाग, झारखंड, राँची का पत्र संख्या 2146 (S) दिनांक 09.09.2020 में निहित प्रावधान के आलोक में निविदा की कार्यवाही की जा रही है।
16. आमंत्रित निविदा के समय निर्धारण के लिए JPWD Code 2012 के Para-159a का अनुपालन किया गया है।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल,गोड्डा

PR 385259 Rural Development(26-27).D

दोपहर 3.30 बजे से आमने-सामने होंगी गिल और ब्रुक की टीमें

# लॉर्ड्स में महामुकाबला आज, रोहित की लय और गिल की साख दांव पर

एजेंसी ▶▶| लंदन

भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ निर्णायक तीसरे एक दिवसीय क्रिकेट मैच के लिए जब रविवार को लॉर्डस पर उतरेगी तो समूचे क्रिकेट जगत की नजरें 'हिटमैन' रोहित शर्मा पर लगी होंगी।

तमाम अटकलों के बीच बीसीसीआई ने साफ तौर पर कहा है कि यह रोहित के कैरियर का आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं होगा लेकिन पहले दो मैचों में नाकाम रहे भारत के पूर्व कप्तान खुद को साबित जरूर करना चाहेंगे। फ्रंटफुट पर बेहतरीन पूल शॉट खेलने और स्पिनरों को मैदान के चारों ओर खेलने वाले रोहित इस श्रृंखला में उस लय में नहीं दिखे, जिससे इन अटकलों को बल मिला कि 39 वर्ष का यह दिग्गज अगले साल दक्षिण अफ्रीका में होने वाला वनडे विश्व कप नहीं खेल सकेगा।

## आर्चर और रोहित होंगे आमने-सामने

'क्रिकेट का घर' कहे जाने वाले लॉर्डस पर बल्लेबाजों की मददगार पिच पर शायद उन्हें लय हासिल करने में मदद मिले। बतौर कप्तान रोहित ने मोर्चे से अगुवाई करते हुए हमेशा पावरप्ले में जोखिमभरे शॉट्स खेले हैं। उनके प्रशंसक रविवार को उसी रोहित को देखना चाहते हैं। पहले दस ओवर में उन्हें जोफ्रा आर्चर की तूफानी गेंदों का सामना करना होगा। कप्तान शुभमन गिल भी बड़ी पारी खेलना चाहेंगे, जो सोफिया गार्डंस पर आसानी से आउट हो गए थे।

### टीमें इस प्रकार हैं

**भारत :** शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उप-कप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), इशान किशन (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, शिवम दुबे, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, गुरनूर बराड़, प्रिंस यादव, हर्ष दुबे।

**इंग्लैंड :** हैरी ब्रूक (कप्तान), बेन डकेट, जोस बटलर (विकेटकीपर), टॉम बैंटन, जो रूट, जैकब बेथेल, विल जैक्स, रेहान अहमद, लियाम डॉसन, जेम्स कोल्स, सैम कुरेन, गस एटकिंसन, जोफ्रा आर्चर, जोस टंग, साकिब महमूद, आदिल राशिद।

## कोहली का शानदार फॉर्म बरकरार

दूसरी ओर विराट कोहली का शानदार फॉर्म बरकरार है। वह बृहस्पतिवार को दूसरे शतक की ओर बढ रहे थे लेकिन आर्चर की गेंद पर आउट हो गए, जिसके बाद भारत का मध्यक्रम ढह गया और टीम को पराजय का सामना करना पड़ा। अब भारतीय टीम उससे सबक लेकर उतरेगी। केएल राहुल की जगह उतरे ईशान किशन शॉर्ट गेंद पर विकेट गंवा बैठे। उछलती गेंदों के सामने भारतीय बल्लेबाजों की कमजोरी जाहिर हो गई। श्रेयस अय्यर ने मध्यक्रम में अच्छा खेला और आदिल रशीद के साथ स्पिनरों का बखूबी सामना किया।

## वॉशिंगटन बाहर हर्ष दुबे को मौका

बाएं हाथ के स्पिनर हर्ष दुबे को इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में होने वाले तीसरे और अंतिम वनडे मैच के लिए भारतीय टीम में चोटिल वॉशिंगटन सुंदर की जगह शामिल किया गया है। वनडे सीरीज फिलहाल 1-1 से बराबर है। बीसीसीआई ने कहा, 'पुरुष चयन समिति ने इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में होने वाले तीसरे और अंतिम वनडे के लिए वॉशिंगटन सुंदर के स्थान पर हर्ष दुबे को टीम में शामिल किया है।

# खिताबी महासंग्राम आज

## अर्जेंटीना के सामने स्पेन का स्टील डिफेंस

एजेंसी ▶▶| न्यूयॉर्क

एक ओर लियोनेल मेस्सी का करिश्मा है तो दूसरी तरफ टूर्नामेंट में सिर्फ एक गोल गंवाने वाली स्पेन का अभेद डिफेंस। विश्व फुटबॉल की बादशाहत के लिए मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना का सामना रविवार को स्पेन से होगा तो 'आक्रमण और बचाव' की रोचक जंग देखने को मिलेगी। 2010 की चैंपियन स्पेन ने टूर्नामेंट में फाइनल तक के सफर में सिर्फ एक गोल क्वार्टर फाइनल में बेल्जियम के खिलाफ गंवाया है जबकि अर्जेंटीना ने अब तक इस टूर्नामेंट में सात मैचों में सबसे ज्यादा 19 गोल दागे हैं। यह मुकाबला केवल दो टीमों के बीच नहीं, बल्कि दो अलग-अलग फुटबॉल शैलियों का भी है।

## मेस्सी-यमाल में होगी भिड़ंत

खिताबी मुकाबले को बार्सीलोना के पूर्व नंबर 10 मेस्सी और वर्तमान में 10 नंबर जर्सी पहनने वाले स्पेन के लामिन यमाल के बीच मुकाबले के तौर पर भी देखा जा रहा है। फाइनल से पहले मेस्सी और यमाल की वायरल हुई दो दशक पुरानी तस्वीर ने इसे और रोचक मोड़ दे दिया है, जिसमें मेस्सी बाथटब में 'बेबी यमाल' को नहलाते दिख रहे हैं। अब देखना यह है कि अर्जेंटीना 1958 और 1962 में ब्राजील के बाद लगातार दूसरी बार विश्व कप जीतने वाली टीम बनती है या स्पेन एक बार फिर 'जाइंटकिलर' साबित होता है।

## यूरोप और दक्षिण अमेरिका में जंग

कागजों पर बराबरी के दिख रहे इस मुकाबले में यदि अर्जेंटीना का अनुभव और मेस्सी का जादू चलता है तो ट्रॉफी दक्षिण अमेरिका जा सकती है, लेकिन यदि स्पेन ने अपनी लय और अनुशासित खेल बरकरार रखा तो यूरोप की नई बादशाहत स्थापित हो सकती है। यही अनिश्चितता इस फाइनल को यादगार बनाने के लिए काफी है।

## अर्जेंटीना को झेलनी पड़ी पक्षपात की तोहमतें

छह बार की चैंपियन अर्जेंटीना और मेस्सी को इस सफर में पक्षपात की भी तोहमतें झेलनी पड़ी लेकिन मेस्सी ने अब तक 8 और विश्व कप कैरियर में 21 गोल दागकर आलोचकों का मुंह बंद कर दिया। इस टूर्नामेंट में उनके और एमबाप्पे के आठ गोल हैं लेकिन चार में सहायता करके मेस्सी 'गोल्डन बूट' की दौड़ में फिलहाल आगे हैं। इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में दूसरे गोल में जिस तरह से उन्होंने सूत्रधार की भूमिका निभाई, उससे विरोधी भी दंग रह गए।

महिला क्रिकेट

# शतक बनाने के लिए नहीं बदलूंगी अपने खेलने का अंदाज : यास्तिका

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की विकेटकीपर-बल्लेबाज यास्तिका भाटिया का कहना है कि उन्होंने लॉर्ड्स में अपनी ऐतिहासिक शतकीय पारी के दौरान अपने बल्लेबाजी के अंदाज में कभी बदलाव लाने की कोशिश नहीं की। भाटिया ने कहा कि भारत के आक्रामक क्रिकेट ब्रांड पर टिके रहना उनके लिए निजी उपलब्धियों से ज्यादा अहम है।

भाटिया ने कहा, मैंने शतक के बारे में ज्यादा नहीं सोचा था। मेरा मकसद था कि मैं अपने हिसाब से खेलूंगी और आक्रामक क्रिकेट खेलूंगी। बेशक में 80 या 90 रन के आस-पास रहूं, लेकिन गेंद को उसकी मेरिट के हिसाब से खेलूंगी। मैं सिर्फ शतक बनाने के लिए अपने खेलने का अंदाज नहीं बदलूंगी।

यास्तिका ने अपने शतक को व्यक्तिगत से ज्यादा टीम की उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि पिछले तीन सालों से हम सकारात्मक क्रिकेट खेल रहे हैं। उन्होंने कहा, अमोल सर मुझे

टी20 के दौरान भी यही बता रहे थे कि हम सब एक तरह का क्रिकेट खेल रहे हैं, जहां हम आक्रामक रहना चाहते हैं और समय सकारात्मक रहना चाहते हैं।

## सभी फॉर्मेट में भारत की बनी पहचान

यास्तिका ने कहा कि उस अप्रोच को अपनाने से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी आसान हो गई और इसने उनकी ऐतिहासिक पारी को पूरा करने के तरीके पर असर डाला। उनके शतक ने न केवल उन्हें लॉर्ड्स ऑनर्स बोर्ड में जगह दिलाई, बल्कि उस निडर अप्रोच को भी दिखाया, जिसने सभी फॉर्मेट में भारत की बल्लेबाजी की पहचान बनाई है।

# भारतीय ध्वजवाहक होंगी मीराबाई और लवलीना

ग्लासगो में 23 जुलाई को राष्ट्रमंडल खेलों का उद्घाटन समारोह

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू और लवलीना बोरगोहेन ग्लासगो में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों के उद्घाटन समारोह में भारत की ध्वज और बैटन वाहक होंगी। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने शनिवार को यह घोषणा की। कम खिलाड़ियों वाले इस बहु-खेल आयोजन का उद्घाटन समारोह 23 जुलाई को आयोजित किया जाएगा।

आईओए अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा, 'यह गर्व का विषय है कि मीराबाई और लवलीना 'ओवीओ हाइड्रो' में यह जिम्मेदारी निभाएंगी। मैं दोनों खिलाड़ियों और पूरे भारतीय दल को शुभकामनाएं देती हूं।' उन्होंने कहा, ' भारतीय टीम के उद्घाटन समारोह में दो महिला खिलाड़ियों को यह सम्मान मिलना गर्व की बात है। इससे खेलों के माहौल और दिशा की शुरुआत होगी। दोनों खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई बार भारत का मान बढ़ाया है। वे इस समय ब्रिटेन में खेलों की तैयारी में पूरी मेहनत कर रही हैं।'

## चानू एक दशक से प्रमुख भारोत्तोलक

बत्तीस साल की होने जा रहीं मीराबाई चानू पिछले करीब एक दशक से भारत की प्रमुख भारोत्तोलक रही हैं। उन्होंने 2021 तोक्यो ओलंपिक में महिलाओं की 49 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक जीता था। इसके बाद 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक हासिल किया। पेरिस ओलंपिक (2024) में वह अपने पिछले प्रदर्शन को दोहरा नहीं सकीं, लेकिन ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में वह अब भी भारत के लिए पदक की सबसे बड़ी दावेदारी में शामिल हैं।

## प्रमुख पदक दावेदार लवलीना

मुक्केबाज लवलीना ने तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। इसके बाद उन्होंने 2023 विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक हासिल किया। उन्होंने 2023 एशियाई खेलों में हांगझोउ में रजत पदक भी जीता था। ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में लवलीना को भी भारत की प्रमुख पदक दावेदार खिलाड़ियों में माना जा रहा है।

जापान ओपन : फाइनल में आज सामना जापान की यामागुची से

# सिंधु खिताब के करीब, युफेई ने बीच में छोड़ा कोर्ट

एजेंसी ▶▶| टोकियो

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू दो साल से अधिक समय में पहली बार फाइनल में पहुंच गई जब जापान की चेन युफेइ ने जापान ओपन महिला एकल सेमीफाइनल में शनिवार को बीच में ही कोर्ट छोड़ दिया।

सिंधू उस समय 21-19, 15-10 से आगे थी जब चेन को मांसपेशी की चोट के कारण पीछे हटना पड़ा। यह लखनऊ में सैयद मोदी इंटरनेशनल के बाद सिंधू का पहला फाइनल होगा। वह 2024 मलेशिया ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट में भी उपविजेता रही थी। आखिरी बार उन्होंने 2022 में सिंगापुर ओपन सुपर 500 खिताब जीता था।

## यामागुची का सिंधू के खिलाफ रिकॉर्ड 14-10 का

फाइनल में रविवार को सिंधू का सामना जापान की अकाने यामागुची से होगा, जिन्होंने इंडोनेशिया की पुत्री कुसुमा वरदानी को दूसरे सेमीफाइनल में हराया। यामागुची का सिंधू के खिलाफ रिकॉर्ड 14-10 का है, जिनमें पिछले छह में से पांच मैच उन्होंने जीते हैं।

## मेरे लिए हर मैच पहले मैच की तरह : सिंधू

मैच के बाद सिंधू ने कहा,'मुझे खुशी है कि फाइनल में पहुंच सकी।' उन्होंने कहा,' मेरे लिए हर मैच पहले मैच की तरह है , खासकर आज का मैच। शुरू से ही फोकस बनाए रखना जरूरी था क्योंकि शीर्ष रैंकिंग के खिलाड़ियों के खिलाफ हर अंक मायने रखता है।' सिंधू ने कहा,' मैंने अपना फोकस बनाए रखा था और मेरे कोच भी बार बार यही कह रहे थे। पहले गेम में मैंने बढत बना ली थी लेकिन वह काफी करीब आ गई, जिसके बाद फोकस बनाए रखना जरूरी था।


pnb **पंजाब नैशनल बैंक**
सीओ-एसएएम, रायपुर (छ.ग.)

**ई-नीलामी तिथि - 20/08/2026**
समय: सुबह 11.00 बजे से शाम 4.00 बजे तक

**सरफेसी अधिनियम 2002 (2002 का अधिनियम 54) के अन्तर्गत बैंक में बंधक रखी गई अचल संपत्ति की बिक्री**
APPENDIX-IV-A [See proviso to rule 8(6)]

वित्तीय अस्तियों के प्रतिभूतिकरण व पुर्ननिर्माण तथा सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के अचल संपत्तियों की ई-निलामी सूचना सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के तहत जारी की जा रही है। इस सूचना के द्वारा उधारकर्ताओं, जमानतदाताओं तथा आम जनता को सूचित किया जाता है। कि नीचे वर्णित अचल संपत्तियाँ सुरक्षित लेनदार के पास बंधक है एवं इन संपत्तियो को बैंक के प्रधिकृत अधिकारी द्वारा रचनात्मक/भौतिक /सांकेतिक द्वारा अधिकार में ले लिया गया है। इन संपत्तियो की विक्रय "जहाँ है जैसा है" जो भी है जैसा भी है" नीचे दिये कॉलामो में वर्णित तिथि में बैंक/सुरक्षित लेनदार के देय राशि उधारकर्ताओं तथा जमानतदारो से वसुली के लिए किया जा रहे है। आरक्षित मूल्य तथा ब्याना राशि नीचे तालिका में संपत्तियों के समस्त दर्शाई गई है।

**सुरक्षित संपत्तियों की अनुसुची**

| क्र. | खाताधारक का नाम / उधारकर्ता / जमानतदार का नाम व पता / शाखा का नाम | बंधक चल/अचल संपत्तियों का विवरण / मालिक का नाम | 1) 13(2) के तहत डिमांड नोटिस की तिथि 2) बकाया राशि 3) कब्जा तिथि सरफेसी एक्ट 2002 के नियम 13(4) के तहत 4) कब्जा की प्रकृति | आरक्षित मूल्य (लाख में) / ईएमडी (लाख में) / बोली वृद्धि राशि-10000/- प्रत्येक संपति के लिये |
|---|---|---|---|---|
| 1 | उधारकर्ता: **श्री अनिल कुमार वर्दियानी** पिता श्री हरिलाल वर्दियानी एवं **श्रीमती रेखा वर्दियानी** पति श्री अनिल कुमार वर्दियानी, पता: शांति कॉलोनी शंकर दाह रोड, धमतरी (छ.ग), **शाखा -धमतरी (057410), संपर्क :श्री सुशांत कुमार बिस्वाल, 9439447705** | खसरा नंबर 411/2 (शामिल खसरा नं. 411/18), खसरा नं. 411/6 (शामिल खसरा नं. 411/18), खसरा नं. 411/27, खसरा नं. 411/10, खसरा नं. 412/2, खसरा नं. 412/3, खसरा नं. 1270, खसरा नं. 1271/1, खसरा नं. 1271/2, खसरा नं. 1271/3, खसरा नं. 1272, खसरा नं. 1273, खसरा नं. 1274, खसरा नं. 1275, खसरा नं. 1276/1, खसरा नं. 1276/2, खसरों की कुल संख्या 14 जिसमें क्षेत्रफल- 1200 वर्गफीट, प्लॉट नं. 30, मौजा - धमतरी, प.ह नं. 16, आर.एन.एम: धमतरी, तहसील /जिला: धमतरी, मालिकाना हक -श्रीमती रेखा वर्दियानी पति श्री अनिल कुमार वर्दियानी। | 1) **09/12/2025** 2) **रू 8,44,354.68** + दिनांक 29.11.2025 से ब्याज प्रभावी 3) **23.04.26** को सांकेतिक कब्जा | रू **29.66** लाख / रू **2.96** लाख |
| 2 | उधारकर्ता: **श्री अशोक कुमार मिश्रा** पिता श्री बंसीधर मिश्रा, पता -नेताजी भवन गली, मच्छी तालाब, गुढ़ियारी जिला -रायपुर, (छ.ग)-492009, **जमानतदार: श्री बृज किशोर दुबे पिता श्री लक्ष्मी नारायण दुबे,** पता: वार्ड नंबर 01, आमापारा, बंचापाल, फरसगांव, छ.ग-494228. **शाखा - स्टेशन रोड, रायपुर, (106600), संपर्क : श्री वरुण पुरोहित, 9672928833** | खसरा नंबर 1342/1, 1343 (संयुक्त खसरा का भाग),कुल क्षेत्रफल 2000 वर्गफ़ीट, मौज़ा - खुसलपुर, रायपुर खास, प.ह. नं.-106(ए), आरआईसी: रायपुर, तहसील/ज़िला: रायपुर पर स्थित संपत्ति , मालिकाना हक- श्री अशोक कुमार मिश्रा पिता श्री बंसीधर मिश्रा। सीमाएँ :- उत्तर -सड़क, दक्षिण - गणेश साहू की भूमि, पूर्व - सड़क , पश्चिम - विक्रेता की शेष भूमि। | 1) **06.01.2026** 2) **रू 13,02,846.37** + दिनांक 31.12.2025 से ब्याज प्रभावी 3) **06.04.26** को सांकेतिक कब्जा | रू **41.40** लाख / रू **4.14** लाख |
| 3 | उधारकर्ता: **श्री बंजारी साहू** पिता श्री परस राम साहू एवं **श्रीमती मन्होरा बाई** पिता श्री बंजारी साहू , पता: मकान नंबर -74/एई कुरूद, तहसील आरंग, जिला- -रायपुर, (छ.ग)-492015, **शाखा - राखी (174410) संपर्क : श्री शैलेश शर्मा, 9399951512** | **मकान** नंबर 74/13, खसरा नंबर 329, मौज़ा: कुरुद, आरआईसी: मंदिर हसौद, तहसील: आरंग, ज़िला: रायपुर में क्षेत्र - 0.01 हेक्टेयर (1076 वर्ग फ़ीट) पर स्थित भूमि एवं भवन का समस्त भाग तथा अंश, मालिकाना हक- श्री बंजारी साहू पिता श्री पारस राम साहू। सीमाएँ :- उत्तर - खसरा नंबर 324 की भूमि, दक्षिण - खसरा नंबर 328 की भूमि, पूर्व - खसरा नंबर 325 की भूमि,पश्चिम - खसरा नंबर 330 की भूमि। | 1) **01/01/2026** 2) **रू 12,21,874.65** + दिनांक 31.12.2025 से ब्याज प्रभावी 3) **11.05.26** को सांकेतिक कब्जा | रू **11.68** लाख / रू **1.16** लाख |
| 4 | उधारकर्ता: **श्री नरेंद्र कुमार सुराणा** पिता श्री सूरजमल सुराणा एवं **श्री जीतेंद्र कुमार सुराणा** पिता श्री सूरजमल सुराणा, पता - मकान नं. 58, पैलेस रोड, संजय मार्केट के पास, वार्ड क्रमांक 10, जगदलपुर, जिला - बस्तर, छ.ग., 494001. **शाखा -जगदलपुर (222500), संपर्क : श्री विनुप दसारी, 8019881296** | **भूमि एवं भवन -** शीट नंबर 62 (नया 64 डी), प्लॉट नंबर 27/1 (नया – 30/1), क्षेत्रफल - 1470 वर्ग फ़ीट, मौज़ा: रमैया पारा, वार्ड नंबर 17, जगदलपुर, तहसील -जगदलपुर, ज़िला: बस्तर, छत्तीसगढ़ पर स्थित संपत्ति , मालिकाना हक- श्री नरेंद्र सुराणा व जितेंद्र सुराणा दोनों के पिता सूरजमल सुराणा। सीमाएँ: उत्तर - प्लॉट नंबर 26, दक्षिण - निर्मला सुराणा का मकान, पूर्व - निर्मला सुराणा का प्लॉट, पश्चिम - सड़क। | 1) **18/03/2026** 2) **रू 15,89,209.25** + दिनांक 28.02.2026 से ब्याज प्रभावी 3) **30.05.26** को सांकेतिक कब्जा | रू **417.98** लाख / रू **41.79** लाख |
| 5 | उधारकर्ता: **श्रीमती आशा अदतानी** पिता स्वर्गीय श्री श्यामलाल अदतानी, पता: 119, ब्लॉक 5, न्यू राजेंद्र नगर, विजेता कॉम्प्लेक्स, रायपुर, (छ.ग), 492001. **शाखा - कलेक्ट्रेट, रायपुर (097210) संपर्क : श्री अभिषेक कुमार, 8210557388** | **भूमि एवं भवन -** खसरा नंबर 254/12 (नया खसरा नंबर 254/21), प.ह नंबर 113/44, क्षेत्र- 1000 वर्ग फ़ीट, रानी दुर्गावती वार्ड नंबर 45, महावीर नगर, मौज़ा: पुरेना, आरआईसी रायपुर, तहसील/ज़िला: रायपुर, छत्तीसगढ़ पर स्थित संपत्ति , मालिकाना हक- श्रीमती आशा अडतानी पति स्वर्गीय श्यामलाल अडतानी। सीमाएँ: उत्तर - सुंदरानी की भूमि, दक्षिण - विजय मंगलानी की संपत्ति, पूर्व - सड़क , पश्चिम - साहू जी का मकान। | 1) **10/03/2026** 2) **रू 11,24,664.20** + दिनांक 28.02.2026 से ब्याज प्रभावी 3) **03.06.26** को सांकेतिक कब्जा | रू **25.50** लाख / रू **2.55** लाख |
| 6 | उधारकर्ता: **श्री लक्ष्मी धर नाग** पिता बानी नाग, **आनंद कुमार नाग, प्रमिला नाग** पति श्री लक्ष्मी धर नाग, पता: शुभास नगर, नाथ किराना स्टोर के पास, कुकरी पारा, रायपुर, छ.ग., **शाखा - समता कॉलोनी, रायपुर (211910) संपर्क : श्री हेमन्त गुप्ता, 7581845454** | **भूमि एवं भवन -** खसरा नंबर 295/68, ग्राम: माथपुरेना, प.ह नं 105/61, आरएनएम.: रायपुर-1, वार्ड नंबर 52, चंद्रशेखर आज़ाद वार्ड, मथपुरेना, तहसील/ज़िला: रायपुर, छत्तीसगढ़ में क्षेत्रफल -840 वर्ग फुट पर स्थित संपत्ति, मालिकाना हक- श्रीमती प्रमिला नाग पति श्री लक्ष्मीधर नाग। सीमाएँ : उत्तर - विक्रेता की भूमि, दक्षिण - जी का मकान, पूर्व - रेणु गुप्ता की भूमि, पश्चिम - सड़क। | 1) **07/02/2026** 2) **रू 17,33,894.54** + दिनांक 29.01.2026 से ब्याज प्रभावी 3) **03.06.26** को सांकेतिक कब्जा | रू **26.06** लाख / रू **2.60** लाख |
| 7 | उधारकर्ता : **श्री अजय शंकर दुबे** पिता श्री लवकुश दुबे, पता: कुनवा चौक के पास प्राचीन पारा, अस्पताल वार्ड नं. 29, दुर्ग, (छ.ग)-491001. **शाखा - सुपेला चौक, भिलाई (143510) संपर्क : श्री छगन पिलाजी करवाडे, 7798077224** | **भूमि एवं भवन -** खसरा नंबर 626/26 (भाग), प.ह नंबर 16/24, आरएनएम- दुर्ग 01, वार्ड नंबर 28, मौज़ा – खास दुर्ग पचरीपारा, तहसील एवं ज़िला - दुर्ग (छत्तीसगढ़) में कुल क्षेत्रफल - 411 वर्ग फ़ीट पर स्थित संपत्ति, मालिकाना हक- श्री अजय शंकर दुबे पिता श्री लवकुश दुबे। सीमाएँ : उत्तर - अजीत गुप्ता की भूमि, दक्षिण - अजीत गुप्ता की भूमि, पूर्व - संकरी गली , पश्चिम -नज़ूल की भूमि। | 1) **10/03/2026** 2) **रू 18,48,795.10** + दिनांक 23.02.2026 से ब्याज प्रभावी 3) **26.05.26** को सांकेतिक कब्जा | रू **23.81** लाख / रू **2.38** लाख |
| 8 | उधारकर्ता : **श्री अजय शंकर दुबे** पिता श्री लवकुश दुबे, पता: कुनवा चौक के पास प्राचीन पारा, अस्पताल वार्ड नं. 29, दुर्ग, (छ.ग)-491001. **शाखा - सुपेला चौक, भिलाई (143510) संपर्क : श्री छगन पिलाजी करवाडे, 7798077224** | **भूमि एवं भवन -** खसरा नंबर 1086/24, प ह नंबर 24/19, आरएनएम- दुर्ग 01, वार्ड नंबर 28, मौज़ा - पचरीपारा ,यादव होटल के पास, तहसील एवं ज़िला - दुर्ग (छत्तीसगढ़) में कुल क्षेत्रफल - 785.55 वर्गफ़ीट पर स्थित संपत्ति, मालिकाना हक- श्री अजय शंकर दुबे पिता श्री लवकुश दुबे। सीमाएँ :- उत्तर - 10 फ़ीट चौड़ी सड़क, दक्षिण - मेवा सिंह का मकान, पूर्व - किसान बर्मन का मकान, पश्चिम- 8 फ़ीट चौड़ी सड़क। | 1) **10/03/2026** 2) **रू 18,48,795.10** + दिनांक 23.02.2026 से ब्याज प्रभावी 3) **26.05.26** को सांकेतिक कब्जा | रू **32.46** लाख / रू **3.24** लाख |

**संपत्ति निरीक्षण की तिथि व समय: 19.08.2026 प्रातः 11:00 बजे से दोप. 03:00 बजे तक एवं बयाना राशि जमा करने की तिथि व समय: 19.08.2026 शाम 04:00 बजे तक**

**अधिक विस्तृत जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें : श्री दीनानाथ बागे, सीओ-एसएएम रायपुर, 9304614766**

**नोटः- उपरोक्त सभी अचल संपत्तियों से संबंधित सभी सरकारी कार्यालयों का लंबित बकाया (संपत्ति, पानी, बिजली आदि) खर्च क्रेता द्वारा वहन किया जाएगा**

**महत्वपूर्ण नोट:- 1.** नीलामी बिक्री "ई-नीलामी" पोर्टल **https://baanknet.com** के माध्यम से ऑनलाइन होगी. **2.** इच्छुक बोलीदाताओं/खरीदारों से अनुरोध है कि वे अपने मोबाइल नंबर और ईमेल-आईडी का उपयोग करके पोर्टल **(https://baanknet.com)** पर पंजीकरण करें। इसके अलावा, उनसे अपेक्षित केवाईसी दस्तावेज़ अपलोड करने का अनुरोध किया जाता है। एक बार जब केवाईसी दस्तावेज़ ई-नीलामी सेवा प्रदाता द्वारा सत्यापित हो जाते हैं ( जिसमे 2 कार्य दिवस लग सकते हैं), इच्छुक बोलीदाताओं/खरीदारों को **ई-नीलामी दिनांक 20/08/2026 व समय सुबह 11.00 बजे** से पहले पोर्टल पर अपने ग्लोबल ईएमडी वॉलेट में ऑनलाइन मोड का उपयोग करके ईएमडी राशि हस्तांतरित करनी होगी। पंजीकरण, केवाईसी दस्तावेजों का सत्यापन और वॉलेट में ईएमडी का हस्तांतरण नीलामी की तारीख से पहले ही पूरा किया जाना चाहिए। नियम और शर्तें- बिक्री सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम 2002 में निर्धारित नियमों व शर्तों और निम्नलिखित शर्तों के अधीन होगी:- **1.** संपत्तियों को **"जैसा है जहां है" और "जैसा है जो है" और "जो कुछ भी है"** के आधार पर बेचा जा रहा है। **2.** यहां ऊपर अनुसूची में निर्दिष्ट सुरक्षित संपत्तियों का विवरण प्राधिकृत अधिकारी की सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार बताया गया है, लेकिन प्राधिकृत अधिकारी इस उद्घोषणा में किसी भी त्रुटि, गलत विवरण या चूक के लिए जवाबदेह नहीं होगा। **3.** संपत्ति की बिक्री **ई-नीलामी दिनांक 20/08/2026 को सुबह 11.00 बजे वेबसाइट https://baanknet.com** पर उपलब्ध ई-नीलामी प्लेटफॉर्म के माध्यम से अधोहस्ताक्षरी द्वारा की जाएगी। बिक्री के विस्तृत नियम और शर्तों के लिए, कृपया **https://baanknet.com** एवं **www.pnbindia.in** देखें .इस नीलामी के अंग्रजी में जानकारी के लिए Central Chronicle दिनांक 19.07.2026 में प्रकाशित समाचार पत्र देखें। किसी भी विवाद की स्थिति में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा.

**नोटः- इच्छुक बोलीकर्ता को यूजर आई-डी व पासवर्ड स्वंय बानाना हैं। जिसे बनाने में न्युनतम 2 दिन का समय लगता हं। अतः बोलीकर्ता से निवेदन हं कि यूजर आई-डी अंतिम तिथी से पूर्व ही बना ले।**

**दिनांकः 19.07.2026, स्थानः रायपुर** **प्राधिकृत अधिकारी, पंजाब नैशनल बैंक, सुरक्षित लेनदार**

# MATS UNIVERSITY
UGC GRADED AUTONOMY

UGC Entitled | NAAC GRADE A+ ACCREDITED UNIVERSITY

**CHHATTISGARH'S FIRST AND ONLY STATE PRIVATE UNIVERSITY ACCREDITED WITH A+ GRADE BY NAAC**

## MATS CENTRE FOR DISTANCE AND ONLINE EDUCATION (MCDOE)

UGC-DEB entitled as per (ODL/Online Programmes) Regulations, 2020

# ADMISSION OPEN

OPEN & DISTANCE LEARNING + ONLINE PROGRAMMES

Flexible | Affordable | Recognized

UGC-DEB Approved | NAAC A+ Accredited | Learn Anytime, Anywhere | No Need to Quit Your Job

## AUTHENTICITY OF UGC ENTITLED DEGREE PROGRAMMES

- UGC Entitled ODL and Online Programmes as per UGC Regulations, 2020.
- Degree awarded by MATS University through recognized and entitled mode.
- Valid for higher education and employment opportunities as per applicable norms.
- Learn through flexible mode without compromising the authenticity of the degree.
- Offered by a NAAC A+ Accredited University.

## UGC-DEB APPROVED PROGRAMMES

### OPEN & DISTANCE LEARNING PROGRAMMES

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| B.A. | B.Sc. CBZ | M.B.A. | M.Sc. Botany | M.A. Hindi |
| B.Com. | B.Sc. PCM | M.Com. | M.Sc. Zoology | M.A. English |
| B.B.A. | B.C.A. | M.S.W. | M.Sc. Chemistry | M.A. Education |
| B.Lib.I.Sc. | M.C.A. | M.Sc. Maths | M.Sc. Computer Science | M.A. Political Science |
| M.Lib.I.Sc. | D.C.A. | P.G.D.C.A. | | |

www.matsodl.com Call Toll Free: 8152079999 Mob: 9109850103, 8827640300, 88278 91700

### ONLINE PROGRAMMES

| | | | |
|---|---|---|---|
| M.B.A. | M.C.A. | B.Com. | D.C.A. |
| B.B.A. | B.C.A. | | P.G.D.C.A. |

www.matsuniversityonline.com Call Toll Free : 8152029999 Mob: 9109850103, 7880001772

### DIPLOMA PROGRAMMES

- Diploma in Digital Media
- Diploma in Cyber Security
- Diploma in Human Resources Management
- Certificate in Office Management
- Certificate in Data Entry Operator

## BENEFITS FOR DIFFERENT STAKEHOLDERS

**Homemakers/ Housewives**
- Study from home without disturbing family.
- Flexible learning for personal growth.
- Build skills for career and life.

**Working Professionals**
- Upgrade qualifications without leaving job.
- Learn after office hours.
- Useful for promotion & career growth.

**Students & Freshers**
- Affordable UG, PG & Diploma programmes.
- Prepare for exams or part-time work.
- Enhance employability & career prospects.

**Government, Corporate & Others**
- Benefits for govt. officials & corporate tie-up candidates.
- Support for BPL, SC/ST, Senior citizens, ex-servicemen & sports persons.
- Ideal for entrepreneurs, alumni & career restarters.

## SCHOLARSHIPS FOR ELIGIBLE CANDIDATES

- 30% Scholarship – BPL Card Holders
- 20% Scholarship – All Female Candidates
- 20% Scholarship – Senior Citizens
- 20% Scholarship – Government Officials
- 20% Scholarship – Corporate Tie-up Candidates
- 25% Scholarship – SC/ST Candidates
- 20% Scholarship – Ex-Servicemen (Defence/ Police)
- 20% Scholarship – Sports Persons (State/National)
- 20% Scholarship – Jain Minority Candidates
- 20% Scholarship – MATS University Students & Alumni

*(Scholarship is applicable for in campus candidates only)

FOR DETAILS CALL
**1800 123 819999**

UNIVERSITY CAMPUS :
ARANG KHARORA HIGHWAY,
ARANG, RAIPUR (C.G.) -493 441

ADMISSION OFFICE :
MATS TOWER, PANDRI,
RAIPUR (C.G.) -492 004

Tel : 0771 4078995, 96, 98
Mob: 9755199381, 9109994500
Web: www.matsuniversity.ac.in


हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com